रायपुर। रविवार, 20 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 49/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल डेविस कपः भारत का अंतिम-8 में जगह ...
@ साहित्य केसरी गुरु दक्षिणा...
@ व्यापार दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की कई उड़ानें...

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारत ने नेपाल को 11 टन राहत सामग्री, हाइजिन किट और दवाएं शामिल

नई दिल्ली। भारत ने पड़ोसी देश नेपाल को विनाशकारी बाढ़ के बाद की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मदद की एक और बड़ी खेप भेजी है। इस राहत सामग्री में दवाओं के साथ ही फोरेंसिक का सामान शामिल है। भारतीय वायुसेना का विमान ये सभी राहत सामग्री लेकर रवाना किया गया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के पोस्ट को शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी। पोस्ट में लिखा, 'भारत ने नेपाल को राहत सामग्री की 11 टन और खेप भेजी। नेपाल की रिकवरी में मदद के लिए राहत सामग्री ले जाने वाला यह भारतीय वायुसेना का नौवां विमान था। इससे पहले जयशंकर ने भेजी गई सामग्री में शामिल सामग्रियों का जिक्र किया, 'नेपाल को राहत सामग्री की एक और खेप (11 टन) भेजी गई, जिसमें दवाएं, फोरेंसिक का सामान, टेंट, हाइजीन किट, स्लीपिंग बैग और अन्य जरूरी चीजें शामिल हैं। भारत नेपाल को पुनर्निर्माण में मदद करना जारी रखे हुए है।



भारत बड़े बदलाव के दौर में, जीडीपी 38 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीदः अजित डोभाल

नई दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि अगले दो दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी मौजूदा स्तर (लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर) से बढ़कर 38 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। आईआईटी रुड़की में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए एनएसए डोभाल ने कहा कि ग्रेजुएट देश के विकास के एक बड़े बदलाव वाले दौर में कदम रख रहे हैं और आने वाले सालों में वे अलग-अलग सेक्टर में बड़े बदलाव देखेंगे। एनएसए डोभाल ने कहा कि भारत में बड़े बदलाव हो रहे हैं और देश एक शानदार भविष्य की ओर बढ़ रहा है।



सतत विकास भारत के टेक्सटाइल उद्योग की नई पहचान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) भारत की परंपरा और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है और अब यही सोच देश के टेक्सटाइल उद्योग के भविष्य को आकार दे रही है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह का एक लेख शेयर किया, जिसमें बताया गया है कि कपड़ा रीसाइक्लिंग, स्वच्छ उत्पादन प्रक्रियाओं और हरित प्रौद्योगिकियों से जुड़ी पहलें भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी और सर्कुलर अर्थव्यवस्था आधारित बनाने में मदद कर रही हैं।



लहरों पर विजय लिखें युवाः पीएम मोदी

51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे



एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर नव चयनित उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत का युवा हौसले के साथ आगे बढ़ रहा है। अब सरकार में रहते हुए आपकी जिम्मेदारी है कि युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हुए अपने काम को बखूबी निभाएं।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में एक नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही, इसके साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजनों की भी तपस्या है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जीवन की इस नई शुरुआत के लिए मैं सभी को शुभकामनाए भी देता हूं। आज आप सभी एक ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश एक बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाने का है। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे।

उन्होंने कहा कि युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है।

आज आप देख रहे हैं कि हमारे युवाओं के टैलेंट और स्किल्स ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को हमारे इनोवेटर, उद्यमी और हमारी युवाशक्ति से बहुत उम्मीदें हैं।

इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने एक कविता पढ़ते हुए कहा, 'सूरज हमारा हो, समंदर भी हमारा हो। नाव हमारी हो, नाविक भी हमारा हो। लहरों पर विजय लिखें, वो हौसला हमारा हो।' उन्होंने कहा कि आज भारत का युवा इसी हौसले के साथ आगे बढ़ रहा है। अब आप सभी की भारत सरकार में रहते हुए ये जिम्मेदारी है कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हुए आप अपने काम को बखूबी निभाएं।

मुख्यमंत्री ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ



संवाददाता ■ रायपुर

कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सक जब आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ मरीज से जुड़ते हैं तो वे केवल बीमारी का उपचार नहीं करते, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए विश्वास और हौसले का आधार भी बनते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति के साथ मानवीय संवेदना का यह पक्ष कैंसर के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूत बनाता है।

समय पर पहचान से बढ़ती हैं प्रभावी उपचार की संभावनाएं

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की 3 सीटों पर जीत



एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तीन सीटों पर जीत हुई। चुनाव परिणाम के अनुसार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष, सचिव और सह-सचिव पद पर जीत दर्ज की है।

नतीजे को लेकर एबीवीपी ने कहा है कि हमने 3-0 से जीत दर्ज की है। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि आज का युवा विकास और राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ा हुआ है।

दिल्ली विश्वविद्यालय को विविधताओं से भरे 'मिनी-इंडिया' के रूप में देखा जाता है। ऐसे में डूसू चुनाव का परिणाम छात्र राजनीति के साथ-साथ युवाओं के बीच विकास और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा का विषय बना है। एनएसयूआई, जिसके उम्मीदवारों ने पूरी कोशिश की, वे चुनाव में युवाओं को भ्रमित कर पाए, लेकिन, युवाओं ने दिखाया कि वह विकास और राष्ट्रवाद की सोच के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है।

डूसू में एबीवीपी की यह जीत अपने आप में एक बड़ा संदेश है। इससे पता चलता है कि युवा और आगे बढ़ने की चाह रखने वाले 'विकसित भारत' और राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ा है। कांग्रेस और उसके 'नाराज फूफा' जैसे लोगों ने युवाओं को गुमराह करने की पूरी कोशिश की। लेकिन युवा उनके झूठ के झांसे में नहीं आए। 'झूठ की गूंज' डीयू में सुनाई नहीं दी, जो कि एक 'मिनी-इंडिया' है।

एनएसयूआई, जिसका पहले डूसू पर लंबे समय तक दबदबा था, अब जीरो पर है। बिल्कुल जीरो। कांग्रेस और युवा साथ नहीं चल सकते। युवा कांग्रेस की राजनीति के तरीके के खिलाफ हैं। माना जाता है कि नॉर्थ कैंपस में एबीवीपी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। इस कैंपस में एसआरसीसी, हिंदू, हंसराज, केएमसी, रामजस और लॉ फैकल्टी जैसे देश के कुछ बेहतरीन कॉलेज हैं। दूसरी ओर, डूसू चुनाव में तीन सीटों पर मिली शानदार जीत को एबीवीपी ने इसे राष्ट्रविरोधी ताकतों पर देशभक्ति की विजय बताया है।

इस शानदार जीत पर भाजपा नेता वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एबीवीपी ने तीन सीटों पर स्पष्ट रूप से जीत हासिल की है।

पंजाबः भगवंत मान के काफिले का सामने अंडे-टमाटर लेकर पहुंचे रवनीत बिट्टू, पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी ■ लुधियाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू अपने काफिले पर हुए हमले के एक दिन बाद शनिवार को लुधियाना में मुख्यमंत्री भगवंत मान का विरोध करने के लिए पहुंचे। काफी देर हंगामे के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने समर्थकों के साथ लुधियाना में पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (पीएयू) गेट के पास विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान, वहां से मुख्यमंत्री भगवंत मान का काफिला गुजर रहा था। बिट्टू अपने हाथों में टमाटर, अंडे और एक छोटी बोतल में शराब लेकर प्रदर्शन करते नजर आए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान को लुधियाना में एक कार्यक्रम में शामिल होना था।मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने रवनीत बिट्टू और उनके समर्थकों को भगवंत मान के काफिले की ओर बढ़ने से रोका। इसी बीच बिट्टू ने उनके काफिले के



दौरान उन्हें टमाटर और शराब की बोतलें दिखाईं।

काफी देर हंगामा होता रहा और सीएम मान का काफिला गुजर जाने के बाद बिट्टू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

भाजपा नेता बिट्टू ने कहा कि उन्होंने यह सब (अंडे-टमाटर) उन तक पहुंचाने की कोशिश की है। बिट्टू ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता दूसरे राज्यों में भी आम आदमी पार्टी के नेताओं का विरोध करेंगे। अपने खिलाफ दर्ज केस को लेकर उन्होंने कहा कि बेशक यह केस उनके खिलाफ दर्ज है, वह डरने वाले नहीं हैं। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि बेशक शुक्रवार को एक धार्मिक कार्यक्रम की आड़ में उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी। लेकिन अगर उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं हुआ है, तो हमारे खिलाफ क्यों दर्ज होगा।

इससे पहले, शुक्रवार को बटाला में रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला हुआ। कुछ लोगों ने उनके काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में पेश नहीं हुए सोरेन

एजेंसी ■ रांची

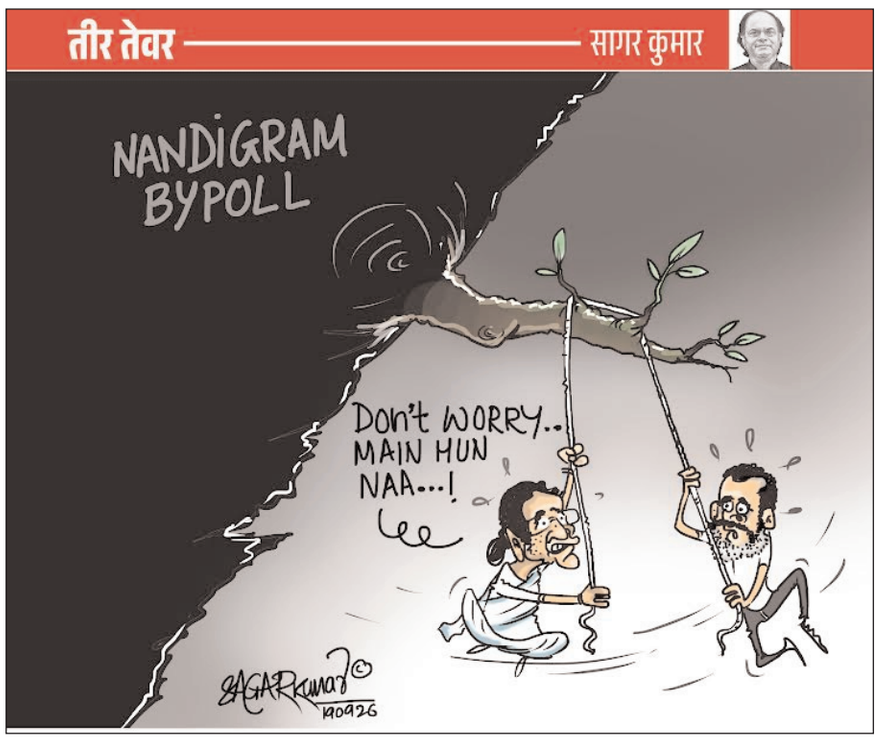
झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को रांची की विशेष पीएमएलए अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता की ओर से अदालत में आवेदन देकर बताया गया कि मुख्यमंत्री पूर्वनिर्धारित संवैधानिक दायित्वों में व्यस्त हैं।

अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय की है। अदालत ने सीएम हेमंत सोरेन को 21 सितंबर को शाम चार बजे व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से पेश होने को कहा है। शनिवार की सुनवाई हाईकोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज किए जाने के बाद हुई।

झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को हेमंत सोरेन को इस मामले में राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने रांची की विशेष पीएमएलए अदालत द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज किए जाने के आदेश को बरकरार रखा था। इसके बाद निचली अदालत में मामले की आगे की कार्यवाही का रास्ता साफ हो गया।

हेमंत सोरेन ने पीएमएलए अदालत के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज की गई थी। उन्होंने निचली अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग भी की थी। 16 सितंबर को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। मामला रांची के बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ा है।

तीर तेवर — सागर कुमार



आगर मालवा में नाले में बही कार, 8 श्रद्धालुओं की मौत

नाले में समाई कार, तीन बच्चों की भी मौत

एजेंसी ■ आगर मालवा

मध्य प्रदेश के जनपद आगर मालवा में एक कार के नाले में बहने से तीन बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन के लिए आए थे। इसी दौरान मंदिर के समीप बरसाती नाले को पार करते समय कार तेज बहाव में बह गई।

यह घटना आगर मालवा जनपद के नलखेड़ा क्षेत्र में मां बगलामुखी मंदिर के समीप हुई। मिली जानकारी के अनुसार चालक को पानी के बहाव का अंदाजा नहीं था। लिहाजा उसने नाले को पार करने की कोशिश की, इसी के चलते कार पानी के बहाव के साथ नाले में जा समाई।

शनिवार की सुबह जब नाले का पानी उतर गया तो राहगीरों ने नाले में कार को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, तब कार के अंदर से आठ लोगों के शव निकले। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए।



आगर मालवा के पुलिस अधीक्षक ने पुष्टि की है कि इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हो गई है। बताया गया कि मरने वालों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। हालांकि, अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

प्रारंभिक तौर पर जो जानकारी मिली है उसमें बताया गया है कि कार में सवार सात लोग उड़ीसा के निवासी थे और वह नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन करने जा रहे थे। इन लोगों ने उज्जैन से कार किराए से की थी। इससे पहले, मध्य प्रदेश के मंडला में एक युवती नर्मदा के तेज बहाव में बहने की खबर सामने आई थी। मौके पर मौजूद मछुआरों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने करीब 200 मीटर दूर बह रही युवती को पानी से बाहर निकाला और उसकी जान बचा ली। पुलिस को युवती का बैग भी मिला। बैग में रखे कागज पर मिले नंबर से उसकी पहचान टिकरिया थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई और परिजनों को सूचना दे दी गई।

छह महीने में एक लाख और नियुक्तियां, 2017 से पहले भर्ती में होती थी लूट : मुख्यमंत्री योगी

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पिछली सरकारों पर तीखा हमला बोला। नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार अब तक करीब साढ़े नौ लाख युवाओं कोको पारदर्शी तरीके से विभिन्न विभागों में नियुक्ति-पत्र दे चुकी है और अगले छह महीनों में एक लाख से कम नहीं, बल्कि उससे अधिक युवाओं को नौकरी देने जा रही है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग उनकी सरकार की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अब नियुक्तियों की संख्या गिनते जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये साढ़े 9 लाख नियुक्ति पत्र जो हमने पारदर्शी तरीके से विभिन्न विभागों में दिए हैं, उसके परिणाम हमारे सामने हैं।'

उन्होंने कहा कि जब भर्ती बोर्ड और आयोग शासन की राजनीति का शिकार नहीं होते और परीक्षाएं पारदर्शी तथा शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न होती हैं तो उसके परिणाम इसी तरह सामने आते हैं। योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर दूसरे दिन दंगे होते थे और महीनों तक कर्फ्यू लगता था। उनके मुताबिक, उस दौर में भर्ती बोर्डों और आयोगों में 'भाई-भतीजों' को बैठाकर पूरी भर्ती प्रक्रिया को बदनाम कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय एक भी भर्ती ईमानदारी से नहीं होती थी और इससे युवा पलायन के लिए मजबूर होता था। उन्होंने कहा, 'युवा पलायन करता था, उसके सामने एक तरफ कुआं था, दूसरी तरफ खाई थी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नाम पर किसी व्यक्ति को स्थान नहीं मिलता था और उस समय युवाओं के सामने पहचान का संकट पैदा हो गया था। उनके अनुसार, प्रदेश बीमार नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की 'मानसिकता बीमार' थी और कार्यप्रणाली भ्रष्ट थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक साढ़े नौ लाख युवाओं को नियुक्ति-पत्र दिए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा, '2017 के पहले जिन्होंने इस नियुक्ति-पत्र वितरण के लिए गदर मचाई थी, उनसे कहना चाहूंगा- नोट कर लें, अगले छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को हम नियुक्ति-पत्र देने जा रहे हैं।' उन्होंने इसे और स्पष्ट करते हुए कहा, 'एक लाख से कम नहीं, उससे ज्यादा ही नौजवानों को अगले छह महीनों में नौकरी देने जा रहे हैं।' यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब प्रदेश सरकार ने छह महीने में एक लाख सरकारी नियुक्तियां देने का अभियान शुरू करने की बात कही है। योगी ने पिछली सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, '2017 के पहले यूपी पब्लिक सर्विस कमीशन का चेयरमैन एक ऐसे व्यक्ति को बनाया गया जो स्वयं उसके लिए योग्य नहीं था।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मामला न्यायालय तक पहुंचा और अदालत को उस व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश देना पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछली व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट पैदा कर दिया था।

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भोपाल में 7,400 से अधिक मेधावी छात्रों को बांटीं ई-स्कूटी

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को भोपाल में 'मुख्यमंत्री स्कूटी योजना' अंतर्गत राज्य भर के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 7,400 से अधिक मेधावी छात्रों को ई-स्कूटी वितरित कीं।

यह राज्य-स्तरीय कार्यक्रम भोपाल के शिवाजी नगर स्थित सरकारी सुभाष एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 11 छात्रों को प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी की चाबियां सौंपीं। पात्र छात्रों के बैंक खातों में वाहनों के लिए धनराशि भी सीधे हस्तांतरित की गई।

लाभार्थियों से बातचीत करते हुए सीएम मोहन यादव ने उनसे उनकी योजनाओं और आकांक्षाओं के बारे में पूछा। साथ ही, मुख्यमंत्री ने उन्हें स्कूटी चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। इस बातचीत के दौरान, मध्य प्रदेश की टॉपर खुशी राय ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह बी. कॉम की पढ़ाई के साथ-साथ चार्टर्ड अकाउंटेंसी कोर्स की तैयारी कर रही हैं और स्कूटी से उन्हें कॉलेज आने-जाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने अन्य छात्रों से भी बातचीत की, जिनमें आकाश साहू भी शामिल थे। वह एक किसान परिवार से आते हैं और कृषि क्षेत्र में अपना स्टार्टअप शुरू करने की योजना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री से स्कूटी की चाबी प्राप्त करने वाले छात्र रवि केवट और मरियम खान ने चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की इच्छा व्यक्त की, जबकि मिनी जैन एनईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद न्यूरोसर्जन बनना चाहती हैं।

एक अन्य छात्रा रानी संपाले ने कहा कि वह उच्च शिक्षा प्राप्त करके वकील बनना चाहती हैं, जबकि खुशी यादव एमबीबीएस करने की योजना बना रही हैं। एक अन्य मेधावी छात्र शिव कुमार कौल ने कहा कि वह सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करना चाहते हैं और 'विकसित भारत' के लक्ष्य में योगदान देना चाहते हैं।

'मुख्यमंत्री स्कूटी योजना' का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना और उच्च शिक्षा के दौरान उनकी गतिशीलता में सहायता करना है।

का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के छात्रों के बीच एकेडमिक एक्सीलेंस को प्रोत्साहित करना और हायर एजुकेशन के दौरान उन्हें आने-जाने में मदद करना है। राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से अब तक 23,000 से अधिक छात्रों को लाभ मिल चुका है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में डिवाइडर से टकराने के बाद रोडवेज बस में लगी आग, ड्राइवर-कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान



विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना पारा क्षेत्रान्तर्गत भूहर पुल के पास जनरथ बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल कोई जनहानि नहीं हुई है।

दमकल विभाग के अनुसार, शनिवार को थाना पारा क्षेत्रान्तर्गत बुद्धेश्वर-दुबग्गा मुख्य मार्ग पर भूहर पुल के पास एक रोडवेज जनरथ बस के दुर्घटनाग्रस्त होकर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना पारा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर जांच से ज्ञात हुआ कि पारा की ओर से दुबग्गा की तरफ जा जनरथ बस भूहर पुल के प्रारम्भ में पहुंचने पर अचानक अनियंत्रित होकर पुल के बाईं ओर बने डिवाइडर से टकरा गई। बस के डिवाइडर से टकराने के लगभग 2-3 मिनट बाद उसमें आग लग गई, जिससे बस में भीषण आग फैल गई। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय बस में चालक एवं परिचालक मौजूद थे, जो बस से उतरकर सुरक्षित बाहर निकल गए।

बस में आग लगने की सूचना तत्काल फायर सर्विस को दी गई, जिस पर फायर सर्विस की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और फायर सर्विस कर्मियों द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। आग बुझने के बाद पुलिस द्वारा बस के अंदर जाकर गहनता से निरीक्षण किया गया, जिसमें बस के अंदर कोई व्यक्ति अथवा अन्य वस्तु मौजूद नहीं पाई गई। दुर्घटना एवं आग लगने की घटना में किसी प्रकार की जनहानि अथवा अन्य जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। आग लगने के कारण बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

बंगाल के झाड़ग्राम में फुटबॉल मैच के दौरान बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत, 22 लोग घायल

विश्व केसरी■



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले में एक फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान बारिश के तूफान के समय एक पेड़ के नीचे शरण लिए हुए फुटबॉल खिलाड़ियों और दर्शकों के एक समूह पर बिजली गिरने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

यह घटना शुक्रवार शाम को लालगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के कुमारबंध गांव में घटी, जहां विश्वकर्मा पूजा के उपलक्ष्य में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अचानक हुई बारिश और बिजली गिरने के कारण खेल रोक दिया गया। खिलाड़ी और दर्शक एक पेड़ के नीचे लगाए गए तिरपाल के नीचे जमा हुए थे, तभी बिजली गिरी।

सूचना मिलते ही लालगढ़ पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को बचाकर पहले लालगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।

चार अन्य लोगों की हालत गंभीर थी। उन्हें तुरंत मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, जिला प्रशासन के निर्देश पर, शेष 17 घायलों को भी उसी अस्पताल में ले जाया गया। एक व्यक्ति का इलाज लालगढ़ ग्रामीण अस्पताल में चल रहा है। मृतक की पहचान 19 वर्षीय दीपेन मुर्मू के रूप में हुई, जो कक्षा 11 का छात्र और कुमारबंध गांव का निवासी था।

पुलिस के अनुसार, विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर कुमारबंध में 16 फुटबॉल टीमों के लिए दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। यह फुटबॉल टूर्नामेंट का पहला दिन था जब यह दुखद घटना घटी।

मंगलुरु पोर्ट पहुंचे सीएम डीके शिवकुमार, मछुआरों की समस्याएं सुन विकास का दिया भरोसा

विश्व केसरी■



मंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार सुबह तड़के मंगलुरु पोर्ट का औचक दौरा किया। उन्होंने फिशिंग यार्ड, जेट्टी और मछली बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मछुआरों और व्यापारियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरे पर जिला प्रभारी मंत्री यूटी खादर, कांग्रेस नेता पद्मराज और इनायत अली, दक्षिण कन्नड़ जिला ट्रॉल बोट मछुआरा संघ के पूर्व अध्यक्ष चेतन बेंगरे, मोहन बेंगरे और अन्य स्थानीय नेता मौजूद रहे।

मीडिया से बात करते हुए सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि वह काफी समय पहले पोर्ट आए थे और उन्होंने मछुआरों और इस क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों की समस्याओं के बारे में सुना था।

उन्होंने कहा, 'मैं सुबह 5 बजे उठा और जिला प्रभारी मंत्री यूटी खादर के साथ यहां आया। उन्होंने हमें अपनी समस्याओं की लिस्ट दी है और मैं अपनी आंखों से भी उन्हें देख रहा हूं। हमें समाधान निकालना होगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की समुद्री और मत्स्य पालन क्षेत्रों को विकसित करने और ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने की योजना है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में एक यूनिवर्सिटी स्थापित की जाएगी और छात्रों की सीटों की संख्या 40 से बढ़ाकर 50 और फिर 200 तक की जाएगी।

उन्होंने कहा, 'हम समुद्र और पानी से जुड़ी शिक्षा के लिए एक नया मास्टर प्लान ला रहे हैं।'

हेमंत सोरेन की याचिका खारिज होने पर जेएमएम प्रवक्ता बोले, जरूरत पड़ी तो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी■



रांची। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रवक्ता मनोज पांडे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ईडी मामले से संबंधित याचिका को उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

जमीन खरीद मामले में हेमंत सोरेन की याचिका खारिज होने पर मनोज पांडे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'वकीलों के सलाह पर अगली रणनीति पर विचार किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का भी रुख करेंगे। हमें कोर्ट पर पूरा विश्वास और भरोसा है, जो भी आदेश है, वह हमें स्वीकार है। हमें विश्वास है कि न्याय मिलेगा और मुख्यमंत्री बेकसूर साबित होंगे।'

ममता बनर्जी की पार्टी का चुनाव चिह्न फ्रीज होने पर मनोज पांडेय ने कहा, 'इस मामले में ममता बनर्जी द्वारा सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला सही है। ममता बनर्जी के साथ बहुत गलत हुआ। भाजपा सरकार ने ममता बनर्जी को खत्म करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।'

ममता बनर्जी द्वारा समर्थन दिए जाने के नंदीग्राम उपचुनाव के कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी पर जेएमएम प्रवक्ता ने कहा, 'यह गिरफ्तारी ममता के प्रभाव को दिखाती है। इसके पहले जिन्हें ममता बनर्जी ने जिसे टिकट दिया, उसे खरीद लिया गया।'

धर्म का मूल संदेश इंसानियत और प्रेम है टकराव नहीं: मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

विश्व केसरी■



बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने धर्म को डीएनए से जुड़ा हुआ बताया था। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि धार्मिक आस्था रखना सकारात्मक बात है, लेकिन कट्टरपंथ को सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने युवाओं से इंसानियत, आपसी सहयोग और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना रखने की अपील की।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि मोहन भागवत ने धर्म को लेकर जो बात कही है, वह महत्वपूर्ण है। भारत में रहने वाले लोगों के जीवन में धर्म और धार्मिक मूल्य किसी न किसी रूप में मौजूद हैं। धर्म का पालन करना अच्छी बात है, लेकिन किसी भी धर्म के नाम पर कट्टरता उचित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने के साथ-साथ इंसानियत को भी अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। अगर व्यक्ति के दिल और दिमाग में मानवता की भावना है तो वह बेहतर इंसान बन सकता है। उनके मुताबिक धर्म का मूल संदेश इंसानियत, आपसी प्रेम और एक-दूसरे के सम्मान से जुड़ा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोगों के बीच एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सद्भाव की भावना होनी चाहिए।

गुजरात में सेवा संकल्प अभियान तेज, उप मुख्यमंत्री संघवी ने युवा कार्यक्रम और बाइक रैली में लिया हिस्सा

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने शनिवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सावली के केजे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केजेआईटी) कॉलेज में छात्रों के साथ फुटबॉल, हैंडबॉल और रस्साकशी जैसे खेलों में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने 500 से ज्यादा युवाओं की बाइक रैली को दाहोद के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

संघवी ने कॉलेज कैंपस में छात्रों और युवाओं के साथ खेल गतिविधियों में भाग लिया और उन्हें खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम तब आयोजित किया गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-सेवा यात्रा के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में निकाली जा रही 'सेवा यात्रा' उस इलाके से गुजरी।

कार्यक्रम के दौरान संघवी ने कहा कि खेल शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने के साथ-साथ युवाओं में टीम भावना, चुनौतियों का सामना करने की क्षमता और नेतृत्व के गुण विकसित करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि 'फिट इंडिया' और 'खेल महाकुंभ' जैसी पहलों के जरिए गुजरात के युवाओं में जो खेल भावना बढ़ाई जा रही है, वह राष्ट्र-निर्माण में योगदान दे रही है। खेल गतिविधियों के बाद, संघवी ने सेवा यात्रा में शामिल 500 से ज्यादा युवाओं की बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली ने केजेआईटी कॉलेज कैंपस से अपनी यात्रा फिर से शुरू की और दाहोद रूट की ओर बढ़ी। 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन प्रधानमंत्री मोदी की 25 साल की जन-सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

यह बाइक रैली उस 'सेवा यात्रा' का हिस्सा है जिसे इस अभियान के तहत युवा निकाल रहे हैं। इस कार्यक्रम में छात्रों की खेल गतिविधियों और बाइक रैली में शामिल सेवा-भाव वाले युवाओं की आगे की यात्रा को एक साथ लाया गया, झंडी दिखाए जाने के बाद यह रैली दाहोद की ओर बढ़ गई।

यह मोटरसाइकिल यात्रा वड़नगर और वाराणसी के बीच दो रूटों वाली 'सेवा यात्रा' का हिस्सा है, जिसे पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर 17 सितंबर को शुरू किया गया था। इन दो रूटों पर लगभग 1,000 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। यात्राओं में करीब 500 मोटरसाइकिलें शामिल हैं।

शपथ पत्र

मैं शंकर लाल साहू पिता स्व. श्री धनेश्वर साहू आयु 61 वर्ष जाति थोरिया निवासी ग्राम नगरनार थाना नगरनार पोस्ट नगरनार तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ.ग. का स्थायी निवासी हूँ। एवं मेरा वर्तमान पता-थाना कोण्टा,पोस्ट व तहसील कोण्टा जिला सुकमा छ.ग. का हूँ जो कि शपथ पूर्वक निम्न कथन व्यक्त करता हूँ कि :-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।

2. यह कि मेरा वास्तविक व सही नाम शंकर लाल साहू (SHANKAR LAL SAHU) पिता स्व0 श्री धनेश्वर साहू (DHANESHWAR SAHU) है, जो कि मेरे आधार कार्ड में व अन्य दस्तावेजों में दर्ज होकर सही व सत्य है।

3. यह कि मेरे नाम से चालन अनुज्ञप्ति (DRIVING LICCENCE) प्राप्त है जिसका कमांक C.G1720070009811 है उक्त अंग्रेजी में नाम (SHANKAR SAHU) दर्ज है।

4. यह कि, मै मेरे चालन अनुज्ञप्ति (DRIVING LICCENCE) में मेरा वास्तविक व सही नाम शंकर लाल साहू (SHANKAR LAL SAHU) पिता स्व0 श्री धनेश्वर साहू (DHANESHWAR SAHU) दर्ज करवाना चाहता हूँ।

5. यह कि मैं यह शपथ पत्र मेरे चालन अनुज्ञप्ति में मेरा वास्वतिक स सही नाम शंकर लाल साहू (SHANKAR LAL SAHU) पिता स्व0 श्री धनेश्वर साहू (DHANESHWAR SAHU) दर्ज करवान के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

तहसीलदार
भानपुरी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35483..../ न. पा. नि.
जोन क्रं - 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35483

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227J0240A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SMT. SAPNA SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **SUNIL SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती नविन कुमार डालमिया पिता / पति श्री श्रीमती स्व. शम्भु दयाल डालमिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35472..../ न. पा. नि.
जोन क्रं - 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35472

वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227T299ZA** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SAMMAT SAHARAN** पिता/पति श्री श्रीमती **BIR-BAL SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती सनी सहारन पिता/पति श्री श्रीमती स्व. सम्मत सहारन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद, पूर्व विक्रय विलेख दस्तावेज़ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा । प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35420..../ न. पा. नि.
जोन क्रं - 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35420

वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227N0503A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SEEMA VERMA** पिता/पति श्री श्रीमती RAJENDRA KUMAR VERMA के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती सुलोचनी बाई साहू पिता/पति श्री श्रीमती सुन्दर राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बारिश में खराब सड़कों को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, मंडलों के अधीक्षण अभियंताओं और संभागों के कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर प्रदेशभर में सड़कों और पुलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बारिश में सड़कों की खराब स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी क्षतिग्रस्त सड़कों व पुलों की मरम्मत 15 अक्टूबर तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त ऐसे सभी नए कार्यों जिनकी निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके निर्माण 15 अक्टूबर से युद्धस्तर पर प्रारंभ करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। सभी संभागों के कार्यपालन अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक में जुड़े।

उप मुख्यमंत्री साव ने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में आयोजित बैठक में सड़कों की मरम्मत की पुख्ता कार्ययोजना तैयार कर बरसात के बाद तत्काल क्षतिग्रस्त सड़कों को सुधारने के निर्देश दिए। सभी संभागों को मांग के अनुसार मरम्मत और संधारण के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने इसके लिए तत्काल निविदा कर एजेंसी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को अगले दो-तीन दिनों में अपने कार्यक्षेत्र का भ्रमण कर सड़कों और पुलों की स्थिति जांचने को कहा। उन्होंने सड़कों, पुलों और डिवाइडर्स की मरम्मत के साथ ही उनकी साफ-सफाई एवं रंगाई-पुताई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को सप्ताह में दो-तीन दिन फील्ड में रहने को कहा।

साव ने निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुके सभी कार्यों को आगामी 15 अक्टूबर से पूरी गति से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों के दौरान लोगों को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने कार्यस्थलों पर सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए यात्रियों की सहूलियत के लिए डायवर्टेड मार्ग उपलब्ध कराने और समुचित साइनेज लगाने को कहा। उन्होंने परफॉर्मेन्स गारंटी की सड़कों की मरम्मत और संधारण के कार्य संबंधित ठेकेदारों के माध्यम से तत्परता से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए अच्छे कार्यों से विभाग की सकारात्मक छवि गढ़ने पर जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विभाग के सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

मनीषा खरे को मिली हिंदी विषय में पीएच.डी. की उपाधि



रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा मनीषा खरे को हिंदी विषय में पीएच.डी. (विद्या वाचस्पति) की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने 'छत्तीसगढ़ के आदिवासी जनजीवन पर केंद्रित हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त आदिवासी संघर्ष' विषय पर अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। मनीषा खरे के शोध में छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज के जनजीवन, जीवन-संस्कृति, सामाजिक सरोकारों, संघर्षों एवं अनुभवों की साहित्यिक अभिव्यक्ति का गहन एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध में हिंदी उपन्यासों के माध्यम से आदिवासी समाज की चेतना, अस्मिता, अस्तित्व-बोध तथा संघर्षशील जीवन-दृष्टि को प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया गया है। यह अध्ययन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श की समझ को समृद्ध करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपना शोधकार्य शोध निर्देशक डॉ. सविता मिश्रा, पूर्व प्राचार्य, शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजिम, जिला गरियाबंद, के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। उनके शोधकार्य का शोध-केंद्र शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, रायपुर रहा।

महुआ की खुशबू, चावल का तिलक और आतिशबाजी की गूंज

पिपराही में नवाखाई पर दिखी आदिवासी संस्कृति की भव्य तस्वीर'



विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। छुरा विकासखंड के ग्राम पिपराही में शनिवार को अमात गोंड समाज द्वारा आयोजित नवाखाई मिलन समारोह में राजिम विधायक रोहित साहू का पारंपरिक अंदाज में भव्य एवं जोरदार स्वागत किया गया। समाजजनों और ग्रामीणों ने बाजे-गाजे, आतिशबाजी, चावल का तिलक, महुआ फूल की माला और कलश यात्रा के साथ विधायक का स्वागत किया। पूरे आयोजन में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में विधायक रोहित साहू ने समाजजनों एवं उपस्थित अतिथियों के साथ आदिवासी समाज के इष्टदेव भगवान बड़ादेव की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू रहे। अध्यक्षता आदिवासी गोंड समाज सर्कल छुरा के संरक्षक यशपेंद्र शाह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत कृषि सभापति लेखराज ध्रुवा, भाजपा मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर और जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर मौजूद रहे। विशेष अतिथियों में भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद, फणेश्वर महाविद्यालय फिंगेश्वर के अध्यक्ष राजू साहू, दुल्ला आदिवासी गोंड समाज छुरा राज के रणजीत ठाकुर, संरक्षक रामगोपाल ठाकुर, भाजपा नेता मानसिंग निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य केशरी ध्रुव, ग्राम पंचायत पिपराही की सरपंच कुमारी बाई, जनपद सदस्य संतोषी बाई, अमात गोंड समाज सर्कल छुरा के अध्यक्ष सुधेराम ठाकुर एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष बिंद्रानवागढ़ संतन सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवाखाई संस्कृति और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक : विधायक

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि नवाखाई केवल पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। ऐसी परंपराएं समाज को पीढ़ियों से जोड़कर रखती हैं और इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने भगवान बड़ादेव से राजिम विधानसभा क्षेत्र की जनता के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद और सहयोग से विकास की गंगा क्षेत्र के हर गांव तक पहुंचाना उनका संकल्प है। विधायक ने कहा कि वे सभी समाजों के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। आदिवासी समाज में जिस तरह की एकजुटता, भाईचारा और अपनी संस्कृति के प्रति समर्पण देखने को मिलता है, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं ही हमारी पहचान हैं और इन्हें जीवित रखकर ही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों एवं विरासत से जोड़ा जा सकता है।

राधा कृष्ण मंदिर समता कॉलोनी में राधाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

विश्व केसरी■

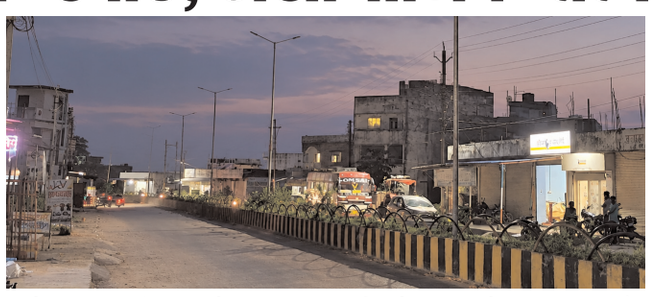


रायपुर (संवाददाता)। राधा कृष्ण मंदिर समता कॉलोनी में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पश्चात राधाष्टमी पर्व को धूमधाम से मनाया गया, सुसज्जित मंदिर परिसर में शनिवार को राधाष्टमी उत्सव का शुभारंभ प्रात:रासबिहारी राधारानी के भजन कीर्तन के साथ प्रारंभ किया गया,मंदिर के मीडिया प्रभारी सत्येंद्र अग्रवाल के अनुसार इस धार्मिक पर्व को यादगार बनाने के लिए इस वर्ष विशेष तैयारियां की गई मंदिर समिति के अध्यक्ष घनश्यामपोद्दार ,कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल एवं सचिव रमाशंकर पांडे ने बताया कि राधाष्टमी पर्व पर शनिवार को दोपहर 12:00 बजे से श्रृंगार ,आरती एवम छप्पन भोग भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा ,तत्पश्चात भक्तजनो ने शामिल होकर पूजन आरती एवं प्रसादी का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

उपाध्यक्ष शिव सिंघानिया,हरीश अग्रवाल कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल सह सचिव सत्येंद्र अग्रवाल दिलीप अग्रवाल रजनीश तिवारी भरत अग्रवाल सुशील टावरी सुरेश बधान अशोक मालू नवरंग लाल कछुआल बाबूलाल अग्रवाल सुभाष अग्रवाल संतोष बजाज सुमित मूंदड़ा मुरारी लाल अग्रवाल मधुसूदन बंसल नरेश अग्रवाल के अलावा सत्यनारायण सिंघानिया सियाराम अग्रवाल सहित अनेक भक्तों की इस अनुष्ठान में सक्रिय सहभागिता है साथ ही संपूर्ण महोत्सव में महिला मंडल से किरण अग्रवाल शशि पोद्दार शीला देवी मुद्दा सरला लड्ढा वंदना अग्रवाल सुमन अग्रवाल पिंकी झांवर दर्शना बंसल आदि महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

पिथौरा गौरव पथ पर आधी लाइटें बंद, भट्ठी चौराहा बना ब्लैक स्पॉट; असामाजिक तत्वों का डेरा

विश्व केसरी■



पिथौरा (नीशू माटा)। नगर मे सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों फूंकने के बाद भी जमीनी हकीकत अंधकारमय है। पिथौरा नगर पंचायत में गौरव पथ निर्माण, आधुनिक स्ट्रीट लाइट और अन्य अधोसंरचना कार्यों को मिलाकर स्वीकृत 26 करोड़ रुपये की वृहद परियोजना का 90 फीसदी कार्य पूर्ण होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि गौरव पथ पर लगी आधी लाइटें जल रही हैं और आधा मार्ग घोर अंधेरे में डूबा है। मुख्य रूप से बागबाहरा मार्ग पर शराब भट्ठी की ओर जाने वाले चौराहे पर स्ट्रीट लाइटें बंद होने से यह हिस्सा खतरनाक 'ब्लैक स्पॉट' में तब्दील हो चुका है, जहां अंधेरे में बीच सड़क बैठे गोवंश से टकराकर रोजाना दुर्घटनाएं घट रही हैं। वहीं, शाम ढलते ही इस सुनसान मार्ग पर असामाजिक तत्वों का खुला जमावड़ा लगने से राहगीरों, खासकर महिलाओं का सुरक्षित निकलना दूभर हो गया है।

कुछ दिन जलकर बंद हुई लाइटें, मेंटेनेंस और गुणवत्ता पर बड़ा सवाल

करोड़ों के प्रोजेक्ट के तहत लगाए गए पोल और स्ट्रीट लाइटें शुरुआत में महज चंद दिन ही जली । इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से या तकनीकी खामी के चलते एक-एक कर लाइटें बंद होती चली गईं। अब वार्ड क्रमांक 8, 9 और 12 के प्रमुख हिस्सों में शाम होते ही सन्नाटा और अंधेरा पसर जाता है। टेंडर शर्तों और डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के तहत ठेकेदार पर रखरखाव की सीधी जिम्मेदारी होने के बावजूद न तो लाइटों की मरम्मत कराई जा रही है और न ही जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर लापरवाही पर ठेकेदार को नोटिस थमा रहे हैं। बागबाहरा मुख्य मार्ग से भट्ठी की ओर मुड़ने वाला चौराहा इस समय हादसों का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है। शाम होते ही इस प्रमुख अंतर्राज्यीय/क्षेत्रीय मार्ग पर हजारों भारी व दोपहिया वाहन अंधाधुंध गति से दौड़ते हैं। सड़क पर अंधेरा इतना घना होता है कि सड़क पर बैठे आवारा गोवंश वाहन चालकों को दिखाई ही नहीं देते, जिसके चलते आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई राहगीर अस्पताल पहुंच चुके हैं और गोवंश भी काल के गाल में समा रहे हैं।

असामाजिक तत्वों का खुला अड्डा, सुरक्षा व्यवस्था रामभरोसे

स्ट्रीट लाइटें बंद होने से भट्ठी जाने वाले मार्ग का सुनसान हिस्सा असामाजिक तत्वों और शराबियों की सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है। शाम ढलते ही यहां खुलेआम नशाखोरी, गाली-गलौज और राहगीरों पर फब्तियां कसने की घटनाएं आम हो गई हैं।

10 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



महासमुंद (नीशू माटा)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के तहत सिंघोड़ा पुलिस ने एक व्यक्ति को 10 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम लखनपुर तिराहा के पास एक व्यक्ति सड़क किनारे झोपड़ी में हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब रखकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही सिंघोड़ा पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम धनीराम भोई उर्फ अमर (58 वर्ष), निवासी दीवानपाली, थाना सिंघोड़ा बताया। गवाहों के समक्ष ली गई तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे एक पीले रंग के प्लास्टिक झोले से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई।

ग्राम तिलईदादर में धूमधाम से मनी विश्वकर्मा जयंती, महिला स्वसहायता समूह के सामुदायिक भवन का हुआ लोकार्पण

विश्व केसरी■



छुरा (मानसिंह निषाद)। छुरा क्षेत्र के ग्राम तिलाईदादर में निर्माण और सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती का पर्व बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गांव में जयंती समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत तिलाईदादर में महिला स्वसहायता समूह के लिए नवनिर्मित सामुदायिक भवन का भव्य लोकार्पण किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू द्वारा निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की गई।

इस दौरान पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ क्षेत्र की समृद्धि, खुशहाली और निरंतर विकास की कामना की गई। ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। जयंती समारोह के साथ ही गांव की महिलाओं को एक बड़ी सौगात मिली। विधायक रोहित साहू ने महिला स्वसहायता समूह के सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। लंबे समय से समूह की बहनों को बैठकों, गतिविधियों और आजीविका संबंधी कार्यों के लिए एक निश्चित स्थान की आवश्यकता थी, जो इस भवन के बनने से पूरी हो गई है। इस दौरान विधायक रोहित साहू ने अपने संबोधन में कहा भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के प्रथम शिल्पी और इंजीनियर हैं। उनकी कृपा से ही आज दुनिया में नवनिर्माण और विकास संभव हो पा रहा है। तिलाईदादर में महिला स्वसहायता समूह के भवन का लोकार्पण होना पूरे गांव के लिए गर्व का विषय है।

विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रमों में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर बसना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न विश्वकर्मा पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं।

जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने सबसे पहले बसना में साईं वाहन चालक कल्याण संघ द्वारा आयोजित विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम में पहुंचकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। उन्होंने वाहन चालकों एवं मेहनतकश साथियों से मुलाकात कर उनके साथ विश्वकर्मा जयंती की खुशियां साझा कीं। इसके पश्चात् वे ग्राम भगतदेवरी में छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ द्वारा आयोजित विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मोक्ष कुमार प्रधान ने स्वयं एक ड्राइवर के रूप में ड्राइवर महासंघ की सदस्यता ग्रहण की। जिससे उपस्थित वाहन चालक साथियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि ड्राइवर साथी दिन-रात मेहनत कर समाज और अर्थव्यवस्था को गति देने का काम करते हैं, उनके सम्मान और अधिकारों की आवाज मजबूती से उठनी चाहिए।

तीज पर्व पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

विश्व केसरी■



राजिम (शेखर मिश्रा)। हरितालिका तीज पर्व के अवसर पर नगर सहित अंचल में महिलाओं ने अपने पतियों के दीर्घायु जीवन, अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर श्रद्धा और भक्ति के साथ निर्जला व्रत रखा। सुहागिन महिलाओं ने दिनभर बिना अन्न-जल ग्रहण किए भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना की। इस दौरान महिलाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सोलह श्रृंगार से सजी महिलाओं ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर अपने पति के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन के लिए मंगलकामना की।

शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य

तीज पर्व हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती को आदर्श दांपत्य जीवन का प्रतीक मानकर उनकी पूजा करती हैं। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी आस्था और परंपरा के अनुरूप सुहागिन महिलाएं अपने वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास, सुख-शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए तीज व्रत का पालन करती हैं।

पर्व के अवसर पर महिलाओं ने प्रात: स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किए तथा दिनभर व्रत रखकर भगवान शिव एवं माता पार्वती का स्मरण किया। अनेक महिलाओं ने अपने घरों में भगवान शंकर और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान फूल, बेलपत्र, धूप, दीप, नैवेद्य एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान भोलेनाथ से अपने पति की दीर्घायु तथा परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा गया।

सोलह श्रृंगार में सजीं महिलाएं

तीज पर्व पर महिलाओं का श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। सुहागिन महिलाएं साड़ी, चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, मंगलसूत्र, मेहंदी एवं अन्य श्रृंगार सामग्री से सजकर पूजा में शामिल हुईं। हाथों में रची मेहंदी और पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने पर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक सुंदरता को और बढ़ा दिया।

महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा अपने सुहाग की रक्षा और अखंड सौभाग्य की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर तीज माता की कथा सुनी। इस दौरान भगवान शिव और माता पार्वती के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रात्रि में हुई मंगल आरती

दिनभर निर्जला व्रत रखने के पश्चात रात्रि में महिलाओं ने भगवान शिव एवं माता पार्वती की मंगल आरती की। दीप प्रज्वलित कर विधिविधान से पूजा संपन्न की गई। आरती के दौरान महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती से अपने पतियों के दीर्घायु जीवन, अच्छे स्वास्थ्य तथा परिवार में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की।

हितेश सिन्हा बने अटल भारतीय हिन्दू फाउंडेशन के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष

विश्व केसरी■



धमतरी /नगरी (राजशेखर नायर)। सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में सक्रियता के लिए पहचान बना चुके नगरी-सिहावा निवासी हितेश सिन्हा को अटल भारतीय हिन्दू फाउंडेशन का छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूण कुमार शुक्ल की अनुशंसा पर हुई इस नियुक्ति से क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है।

हितेश सिन्हा लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए हैं। वे महेश फाउंडेशन के संस्थापक भी हैं और इसके माध्यम से समाजसेवा, धार्मिक गतिविधियों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सामाजिक क्षेत्र में उनकी सक्रियता और कार्यों को देखते हुए उन्हें अब अटल भारतीय हिन्दू फाउंडेशन में छत्तीसगढ़ प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

'सेवा, संगठन और समाजहित को देंगे प्राथमिकता'

प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद हितेश सिन्हा ने संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप सामाजिक एवं जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग की भावना पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा तथा संगठन के माध्यम से रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देने का प्रयास किया जाएगा। फाउंडेशन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में हितेश सिन्हा से राष्ट्रीय हित में कार्य करते हुए संगठन को सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की गई है।

सामाजिक संगठनों ने दी बधाई

हितेश सिन्हा की नियुक्ति की खबर सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कहानी

गुरु दक्षिणा



महेन्द्र तिवारी

गांव के छोर पर बना वह प्राथमिक विद्यालय बरसों से मास्टर केशवराम की पहचान था। पूरे इलाके में लोग उन्हें प्यार से केशव मास्टर कहते थे। चालीस साल की नौकरी में उन्होंने न जाने कितनी पीढ़ियों को अक्षर पहचानना सिखाया था। उनकी कक्षा में न कोई पंखा था, न कोई सुविधा, बस एक टूटा हुआ ब्लैकबोर्ड और चाक का एक डिब्बा। फिर भी केशव मास्टर हर सुबह उसी उत्साह से विद्यालय आते जैसे यह उनका पहला दिन हो। उनकी आवाज में एक अलग ही ठहराव था, जो शरारती से शरारती बच्चे को भी शांत कर देता था।

केशव मास्टर की पत्नी बरसों पहले गुजर चुकी थीं। उनका कोई संतान नहीं था। लोग अक्सर उनसे पूछते कि अकेलापन कैसे काटते हैं, तो वे मुस्कुरा कर जवाब देते कि उनके सैकड़ों बच्चे हैं, जो हर साल स्कूल की दहलीज पार करके बड़ी दुनिया में चले जाते हैं। उनके घर की दीवारों पर टंगी तस्वीरों में उन्हीं बच्चों की झलक थी, जो अब डॉक्टर, इंजीनियर और शिक्षक बन चुके थे। हर तस्वीर के नीचे केशव मास्टर ने बड़े जतन से एक तारीख और नाम लिख रखा था।

गांव के लोग जानते थे कि केशव मास्टर की जेब हमेशा खाली रहती है, क्योंकि जो कुछ भी वे कमाते, उसका बड़ा हिस्सा किसी न किसी बच्चे की जरूरत में लग जाता। कभी किसी की फीस भरनी होती, कभी किसी की किताबें खरीदनी होतीं, तो कभी किसी बीमार बच्चे की दवाई का इंतजाम करना होता। वे कभी इसका बखान नहीं करते थे। उनका मानना था कि दान वही सच्चा होता है जो चुपचाप दिया जाए, बिना किसी को बताए और बिना किसी बदले की उम्मीद के। इसी सोच के साथ उन्होंने अपना पूरा जीवन बिता दिया, न कभी किसी शिकायत के साथ, न कभी किसी पछतावे के साथ।

गांव के बच्चों में एक लड़का था, नाम था अर्जुन। अर्जुन का परिवार बेहद गरीब था। उसके पिता खेतों में मजदूरी करते थे और मां बीमार रहती थीं। अर्जुन पढ़ने में बहुत होशियार था, लेकिन घर की हालत ऐसी थी कि हर साल उसकी पढ़ाई छूटने का खतरा बना रहता। केशव मास्टर ने अर्जुन में एक चमक देखी थी, वही चमक जो उन्होंने वर्षों पहले अपने भीतर देखी थी जब वे खुद एक गरीब किसान के बेटे थे। उन्होंने चुपचाप अर्जुन की किताबों का खर्च उठाना शुरू कर दिया। कभी वर्दी के पैसे, कभी परीक्षा शुल्क, सब कुछ केशव मास्टर अपनी छोटी सी पेंशन में से निकालते और अर्जुन के घर तक पहुंचा देते, इस शर्त पर कि किसी को इसकी भनक न लगे।

समय बीतता गया। अर्जुन ने दसवीं में पूरे जिले में सबसे अधिक अंक पाए। उसके बाद शहर के एक बड़े कॉलेज में उसे दाखिला मिल गया। जाने से पहले वह केशव मास्टर के पास आया और उनके पैर छूकर बोला, गुरुजी, आपने जो किया है, मैं वह कभी नहीं भूलूंगा। मैं वादा करता हूं कि एक दिन मैं आपके पास वापस आऊंगा। केशव मास्टर ने उसके सिर पर हाथ रखा और बस इतना कहा, बेटा, तुम आगे बढ़ो, यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

अर्जुन शहर चला गया। पहले कुछ महीनों तक उसके पत्र आते रहे। वह अपनी पढ़ाई के बारे में, अपने नए दोस्तों के बारे में और शहर के जीवन के बारे में लंबे लंबे खत लिखता। केशव मास्टर हर पत्र को कई बार पढ़ते और फिर संभाल कर एक पुराने बक्से में रख देते। लेकिन धीरे धीरे पत्रों का आना कम होता गया। पहले महीने में एक पत्र आता, फिर तीन महीने में, फिर साल में एक बार त्योहार पर बस एक छोटा सा संदेश। केशव मास्टर को इसका कोई बुरा नहीं लगा। वे जानते थे कि जीवन की भागदौड़ में हर किसी को आगे बढ़ना होता है,



और पीछे मुड़कर देखने का समय कम ही मिलता है।

गांव के कुछ लोग कभी कभी केशव मास्टर से पूछ बैठते कि अर्जुन का क्या हाल है, क्या वह अब भी याद करता है अपने गांव को। ऐसे सवालों पर केशव मास्टर का जवाब हमेशा एक जैसा होता। वे कहते कि जिस पौधे को हम अपने हाथों से सींचते हैं, उसका बड़ा होकर दूर छांव देना ही उसकी सफलता है, न कि हमारे पास लौट आना। यह सुनकर सामने वाला व्यक्ति चुप हो जाता, क्योंकि इतनी गहरी बात के आगे कोई तर्क टिक नहीं पाता था। भीतर ही भीतर हालांकि केशव मास्टर के मन में भी कभी कभी एक हल्की सी उदासी उठती, जिसे वे अपने काम में डूबकर शांत कर लेते।

साल दर साल बीतते गए। केशव मास्टर बूढ़े होते गए। उनकी आंखों की रोशनी कमजोर पड़ने लगी, हाथ कांपने लगे, लेकिन उन्होंने विद्यालय जाना नहीं छोड़ा। एक दिन विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उन्हें बुलाकर बड़े सम्मान के साथ बताया कि अब उनकी सेवानिवृत्ति का समय आ गया है। केशव मास्टर ने चुपचाप सिर हिलाया और अपने चालीस साल के सफर को समेटना शुरू किया। उन्होंने अपनी अलमारी से वह पुराना बक्सा निकाला जिसमें बच्चों के पत्र, तस्वीरें और छोटी छोटी यादें रखी थीं। उन्हें एक एक करके देखते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए, लेकिन यह दुख के आंसू नहीं थे, यह संतोष के आंसू थे।

सेवानिवृत्ति के दिन विद्यालय में एक छोटा सा समारोह रखा गया। गांव के बहुत से लोग आए, कुछ पुराने छात्र भी आए जो अब बड़े हो चुके थे। सब ने मिलकर केशव मास्टर को धन्यवाद दिया, उन्हें फूलों की माला पहनाई और एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह के बीच में अचानक एक कार गांव की धूल भरी सड़क पर आकर रुकी। उसमें से एक सुंदर सा युवक उतरा, कुर्ता पहने, चेहरे पर वही पुरानी मुस्कान लिए। यह अर्जुन था।

अर्जुन ने भीड़ को चीरते हुए सीधे केशव मास्टर के पास जाकर उनके पैर छुए। केशव मास्टर ने उसे पहचानने में एक पल भी नहीं लगाया। उनकी बूढ़ी आंखों में एक चमक आ गई। अर्जुन ने बताया कि वह अब शहर में एक बड़े अस्पताल में डॉक्टर बन चुका है, और उसने अपने गांव के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र बनवाने की योजना बनाई है, जिसका शिलान्यास वह चाहता है कि उसके गुरुजी के हाथों से हो। केशव मास्टर के पास शब्द नहीं थे। उन्होंने बस अर्जुन को गले लगा लिया।

उस शाम, जब समारोह समाप्त हो गया और सब लोग चले गए, अर्जुन केशव मास्टर के छोटे से घर में उनके साथ बैठा रहा। उसने बताया कि कैसे शहर की चकाचौंध में वह कभी कभी खुद को भूल जाता था, लेकिन जब भी वह किसी मरीज को ठीक करता, उसे केशव मास्टर की वह सीख याद आ जाती कि असली शिक्षा वही है जो दूसरों की सेवा में लगे। उसने माफी मांगी कि इतने सालों तक वह गांव नहीं आ सका, कि पत्र लिखना भी उसने कम कर दिया था अपनी व्यस्तता के कारण। केशव मास्टर ने उसकी बात बीच में ही रोक दी और कहा कि किसी शिक्षक को अपने छात्र से माफी की जरूरत नहीं सुननी होती, बस यह जान लेना ही काफी होता है कि उसका बोया हुआ बीज कहीं न कहीं फल दे रहा है।

अगले कुछ महीनों में अर्जुन ने अपनी बात रखी। गांव में एक छोटा सा स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार हुआ, जिसका नाम रखा गया केशवराम स्वास्थ्य सेवा केंद्र। शिलान्यास के दिन केशव मास्टर ने कांपते हाथों से पट्टिका का अनावरण किया। उनके चेहरे पर वही पुरानी गंभीरता थी, लेकिन आंखों में एक नई चमक भी थी। उन्होंने वहां इकट्ठा हुए लोगों से बस इतना कहा कि जीवन में कोई भी काम छोटा नहीं होता, अगर वह किसी और के जीवन में उजाला भर सके। उसके बाद के वर्षों में अर्जुन नियमित रूप से गांव आता रहा। वह हर महीने कुछ दिनों के लिए स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त सेवा देता और केशव मास्टर के साथ शाम बिताता। दोनों बगीचे में बैठकर पुरानी बातें करते, कभी हंसते, कभी चुप बैठे रहते। केशव मास्टर अब भी हर सुबह विद्यालय के पास से गुजरते, नए बच्चों को खेलते देखकर मुस्कुराते और सोचते कि उनका असली धन यही है, वह ज्ञान जो उन्होंने बांटा, वह प्रेम जो उन्होंने बिना किसी शर्त के दिया। बरसों बाद, जब केशव मास्टर का देहांत हुआ, तो उनके अंतिम संस्कार में गांव का हर घर शामिल हुआ। दूर दूर से पुराने छात्र भी खबर पाकर चले आए, कोई अपने काम से समय निकालकर, कोई रात भर सफर करके। सबकी आंखों में एक ही भाव था।

लघुकथा

सन्नाटा



डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

कार्यालय में प्रवेश करते ही चिराग ने बड़ी गर्मजोशी के साथ मयंक से हाथ मिलाया तो मयंक ने चहककर पूछा - 'क्या बात है यार! सप्ताह भर से इस बुझे-बुझे-से चिराग में आज इतनी चमकती रोशनी की वजह क्या है.. ?'

'दरअसल यार! एक सप्ताह हुआ, हमारे पास गाँव से बाबूजी आए हैं रहने के लिए। जब से आए हैं हमारे ऊपर कुछ ज्यादा ही अधिकार जमा रहे हैं।हर समय कुछ-न-कुछ नुक्ताचीनी, टोका-टाकी करते ही रहते हैं कि ये मत करो,वैसा नहीं करना,रात को केला मत खाओ,खड़े होकर पानी मत पीयो, खाते वक्त मोबाइल मत देखो, गाड़ी धीरे चलाओ वगैरह-वगैरह.. '

' तंग आ गया था यार! वाइफ का मूड भी इस चिक-चिक से बिगड़ा ही रहता था

' फिर आज ऐसा क्या हो गया कि चेहरा खिला-खिला -सा है.. ?'

' कल मैंने उन्हें ऐसा करारा जवाब दिया कि एकदम-से चुप करा दिया।'

'अब घर में बिल्कुल शान्ति है'

' यह तुमने ठीक नहीं किया चिराग! '

' यह शान्ति नहीं, स्वाभिमान के मौन होने का सन्नाटा है... '

सी डी 755, सेक्टर 2, साइट 5, एच ई सी कॉलोनी,
पोस्ट -धुर्वा, राँची 834004, झारखंड
मो. 9430341457

कविता

वह किसान...



वाई वेदप्रकाश

छानी - छप्पर में रहता है
बरखा -बारिश सब सहता है।
वह किसान मजदूर बेचारा ,
अपने दर्द कहां कहता है ।
आखिर किस करें गुजारिश
सब कुछ तो सहता-बहता है ।
सुनता कहां कोई दुःख उसका,
जिनके सुख को वह मरता है ।
जीवन जीने की खातिर
वह,
रातों दिन क्या-क्या करता है ।
ओला पत्थर तूफानों से ,
टक्कर वह लेता रहता है।
श्रम उसका जीवन-आराधन,
अग्निकुंड में वह दहता है।
झूठों की परवाह न करता,
सच के संग जिंदा रहता है।
अंखुआये सपनों को लेकर,
प्रतिक्षण बहुत सजग रहता है।

द्वारा विद्या रमण फाउंडेशन
शंकर नगर, मुराई बाग, डलमऊ
रायबरेली-229207
मो. 9670040890

लघुकथा

खुद से शुरुआत



सुप्रिया शर्मा

मौनी बहुत कम बोलती थी,पर महसूस बहुत करती थी। बहुत ही भावुक थी। आते-जाते रास्ते में बहुत सारी चीजों को देखती और विचारों के भंवर में खो जाती। दिन प्रतिदिन इधर-उधर प्लास्टिक कचरे को देखती तो सोचती इतने जागरूकता कार्यक्रम चलते हैं और गाड़ी वाला सफाई संबंधित गाना रोज सुनाता है।अधिकतर लोग पढ़े लिखे और समझदार भी है । धरती माँ की पीड़ा को बखूबी समझते भी हैं। पर व्यवहार में परिवर्तन उतना नहीं दिखता जितना आवश्यक है। इसका एक ही उपाय है कि हर व्यक्ति स्वयं में अपेक्षित बदलाव करे। जब हम स्वयं आसपास की सफाई के प्रति संवेदनशील होंगे तो दूर-दूर तक स्वच्छता ही स्वच्छता होगी। हर सकारात्मक व्यवहार की शुरुआत जब हम स्वयं से करते हैं तो प्रभाव दूरगामी होते हैं। मौनी ने सोचा अब वह हर अच्छे काम की शुरुआत हमेशा स्वयं से करेगी और ऐसा ही करने के लिए अपने साथियों का सहयोग करेगी।

रायपुर, छत्तीसगढ़

पुस्तक समीक्षा

स्मृतियों का काव्यात्मक दस्तावेज



डॉ सुधीर शर्मा

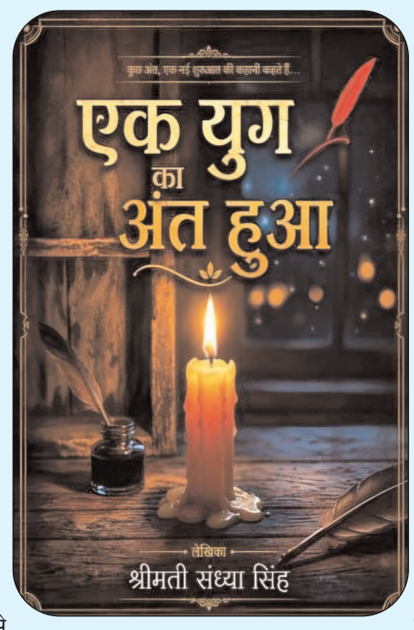
'एक युग का अंत हुआ!' कवयित्री संध्या सिंह का 14वाँ काव्य-संग्रह है. यह संग्रह मूलतः अपने दो दिवंगत भाइयों—स्व. राणा प्रताप सिंह और स्व. डॉ. भानु प्रताप सिंह—को समर्पित एक आत्मीय श्रद्धांजलि है। लगभग 38 कविताओं में विभाजित यह कृति निजी शोक से आरंभ होकर सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, प्राकृतिक और मानवीय सरोकारों तक विस्तृत होती है।

संग्रह का केंद्रीय स्वर स्मृति और वियोग है। 'मेरे राणा भैया', 'छोटे भैया', 'मेरे भैया', 'एक युग का अंत हुआ', 'बार-बार आहत होता है', 'उदास हैं राखियाँ' और 'यादें' जैसी कविताएँ भाई-बहन के आत्मीय संबंध को मार्मिक अभिव्यक्ति देती हैं। 'उदास हैं राखियाँ' में त्योहार की प्रसन्नता का शोक में बदल जाना विशेष रूप से प्रभावी है। राखी, परिवार, बचपन और पुराने चेहरों के माध्यम से कवयित्री व्यक्तिगत स्मृति को सामूहिक संवेदना में बदल देती हैं।

संग्रह की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि कवयित्री केवल शोक में ठहरती नहीं हैं। 'जीवित प्रमाण पत्र', 'मेरी सेवा निवृत्ति', 'हमसे अच्छे थे', 'मनुष्य और प्रकृति', 'पशु और मानव', 'मेरा भारत बदल रहा है' आदि रचनाएँ उनके सामाजिक अनुभव और चिंतनशील दृष्टिकोण को सामने लाती हैं। 'जीवित प्रमाण पत्र' में सेवानिवृत्त व्यक्ति की बदलती सामाजिक स्थिति और सरकारी व्यवस्था पर व्यंग्य है। इस कविता में निजी अनुभव के साथ व्यवस्था की विडंबना जुड़ जाती है।

प्रकृति और पर्यावरण भी संग्रह के महत्वपूर्ण पक्ष हैं। 'मनुष्य और प्रकृति' तथा 'पशु और मानव' में मनुष्य के प्रकृति से संबंध, पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना और पर्यावरणीय असंतुलन पर विचार मिलता है। कवयित्री मनुष्य को प्रकृति से अलग सत्ता मानने के बजाय उसके अभिन्न अंग के रूप में देखती हैं। यह दृष्टि संग्रह को केवल आत्मकथ्यात्मक काव्य तक सीमित नहीं रहने देती। 'चार धाम यात्रा' में यात्रा-वृत्तांत, धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दृश्य कवयित्री की अनुभूति के साथ जुड़ते हैं। यात्रा यहाँ केवल भौगोलिक गमन नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव का माध्यम बन जाती है।

संग्रह में समकालीन राष्ट्रीय चेतना भी मुखर है। 'पहलगाम के दाग', 'ऑपरेशन सिंदूर', 'मेरा भारत बदल रहा है' जैसी कविताओं में देश, समाज, परिवर्तन और सुरक्षा से जुड़े प्रश्न दिखाई देते हैं। वहीं 'हे भगवान नेता मुझे बना दो' जैसी रचना व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक विसंगतियों को सामने लाती है।



कृति : एक युग का अंत हुआ
कवयित्री : संध्या सिंह
प्रकाशक : वैभव प्रकाशन, रायपुर
क़ीमत : 200 रु.

भाषा की दृष्टि से संग्रह की प्रमुख विशेषता सरलता, सहजता और संप्रेषणीयता है। भूमिका में भी इसकी भाषा को सरल, सुबोध और बोधगम्य बताया गया है। कवयित्री अलंकारिक जटिलता अथवा छंद के कठोर अनुशासन की अपेक्षा भावों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति को प्राथमिकता देती हैं।

समग्रतः 'एक युग का अंत हुआ!' निजी क्षति से उपजी संवेदना को जीवन के विविध अनुभवों से जोड़ने वाला काव्य-संग्रह है। इसमें भाई-बहन का प्रेम, स्मृति, वियोग, पारिवारिक संबंध, प्रकृति, सामाजिक विडंबना, राष्ट्रीय चेतना, आस्था और जीवन-दर्शन एक साथ उपस्थित हैं। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि निजी दुःख को कवयित्री व्यापक मानवीय अनुभव में रूपांतरित करती हैं। यह संग्रह पाठक को केवल भावुक नहीं करता, बल्कि स्मृतियों, संबंधों और बदलते जीवन-मूल्यों पर विचार करने के लिए भी प्रेरित करता है।

व्यंग्य

टीने में भी तेल हो, तो बचाएँ!



रंगनाथ द्विवेदी

अब अगर बहुत जरूरी न हो तो आप बेवजह ना तो तेल खरीदे और ना ही किसी को तेल लगाये क्योंकि, ' दो देशों के युद्ध की अंतर्राष्ट्रीय बेवकूफी की वजह से आज पूरी दुनियां की तेल निकल रही है. 'हमारे देश में तेल बचाने की मुहिम शुरू हो गई है लेकिन कुछ नेता इतना तेल-तेल कह रहे हैं कि - 'जैसे इनके तेल-तेल कहने से इनकी राजनीतिक पार्टी सत्ता में दोबारा से आ जाएगी जो कि, इनके ही किन्ही कारणों से तेल लेने चली गई है' वैसे देश के लोगों को इस समय बहुत ज्यादा तेल-तेल कहने या रटने की आवश्यकता नहीं है. तेल को बस तेल ही रहने दे. बेवजह खुद की या किसी दूसरे की तेल ना निकाले. वैसे मुझे पता है कि ऐसा हो पाना कठिन है क्योंकि हमारे यहां की राजनीति पार्टी खासकर जो विपक्ष में है, वह यही चाहती है कि, यहां के लोगों के मुँह से हर आंधे घंटे में एक बार तेल जरूर निकले क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो उनकी राजनीतिक पार्टी की वर्तमान हालत तेल के वर्तमान हालत से भी कही ज्यादा खराब हो जाएगी.

हमारे देश का सारा राजनीतिक विपक्ष इस समय हाय तेल! हाय तेल! कहकर ऐसे विलाप कर रहा है कि ' जैसे जटायु पंख कटने पर अपने मुंह से हाय राम! हाय राम! कहकर विलाप कर रहे थे.' लेकिन जटायु के विलाप करने में और इनके विलाप करने में जमीन और आसमान का फर्क है।

जटायु का विलाप प्रभु श्री राम का विलाप था और इनका विलाप अपनी राजनीतिक तेल का विलाप है. जटायु को प्रभु श्री राम मिल गये तो उनके उस विलाप को स्वर्ग मिल गया लेकिन इनका विलाप अपनी सत्ता का विलाप है जो इनके तेल-तेल कहने से शायद मिल जाये. लेकिन - 'जो खुद ही तेल में मिल गये हैं, मुझे नहीं लगता है कि उनके तेल-तेल रटने या कहने से उन्हें उनकी खोई हुई सत्ता मिल जाएगी. '

वैसे इस समय सोशल मीडिया और फेसबुक पर तेल विशेषज्ञों की इतनी भरमार है कि ' जैसे उन्होंने भले ही ईरान न देखा हो लेकिन उन्होंने अपने देश में तेल जरूर देखा है. महज इतने तेल देख लेने भर से इनके तेल के पांडित्य की यह हालत है कि कुछ पूछिए मत! ' वैसे इस तरह के तेल ज्ञानियों की वजह से जो बेचारे वाकई तेल के विशेषज्ञ या ज्ञानी है, उनकी तेल की सारी विशेषज्ञता ही बेतेल की खड़ी हुई मोटर साइकिल की तरह हो गई है. अर्थात् उनकी हालत तेल के चर्चा की आंधी में चुपचाप बैठ कर गवाने वाली हो गई है. तेल के कुछ एक फेसबुक वाले विशेषज्ञ तो ऐसे है कि 'आप बकायदे इन्हें कही बुलाकर पेट्रोल और डीजल की इस अंतरराष्ट्रीय महामारी पर घंटों शास्त्रार्थ कर सकते हैं.' वैसे तेल की किल्लत पर मुँह बनाएं, चाहे बिगाड़े लेकिन यह सच है कि 'इस समय अगर आपके टीने में भी तेल है तो उसे आप बचाएं. '



वैसे भी हमारे देश में किसी भी घटना की मौखिक अफवाह उड़ाने की रफ्तार किसी भी देश में ध्वनि की रफ्तार से भी ज्यादा तेजी से उड़ने वाले किसी मिसाइल से कम नहीं. ऐसी मेरी व्यंग्य की विशेषज्ञता का वैज्ञानिक अनुमान है. वैसे हमारे यहां तो खाली बैठे हुए लोग भी खुद की बुद्धि को न्यूटन की बुद्धि से एक सेंटी मीटर भी कम नहीं मानते. विश्वास ना हो तो आप किसी बैठे हुए व्यक्ति से यह कहकर देखिए कि,-- 'भाई साहब! आपका एक कान कौआ काट ले गया है तो वह व्यक्ति अपना कान चेक करने की बजाय सबसे पहले उठेगा और लगभग छः किलोमीटर तक वह उस कौए के पीछे भागेगा फिर भागने के बाद वह अपना कान चेक करेगा. '

दरअसल तेल के अफवाह की एक टेक्निकल घटना की चपेट में आने के बाद मुझे लगा कि 'मेरी तरह और भी ना जाने कितने लोग इस तेल के अफवाह की चपेट में होंगे. वैसे इस समय तेल बचाना देश बचाने जितना पुनीत कार्य है. '

'आइये! हम सभी मिलकर तेल के जन-जागरण में लग जाएं और हम सभी बचे खुचे तेल से काम चलाएं ताकि दो देशों के युद्ध का तेल हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था के तेल को प्रभावित ना कर पाये.' जब दोनों देश लड़कर खाली होंगे तो खुद ही उनको अपने-अपने तेल की फिक्र होगी. ऐसे में हमारी समझदारी इसी में है कि 'हम उनका तेल और उनके तेल की धार देखें. ' वैसे भी इस समय पूरी विश्व, दुनिया इनकी बेवकूफी की वजह से तेल लेने जा रही है लेकिन 'हम तब तक तेल लेने नहीं जाएंगे, जब तक इनकी मूर्खता के तेल की आग ठंडी नहीं हो जाती।

जज कॉलोनी,मियाँपुर,जिला-जौनपुर
222002 मो.7800824758
rangnathdubey90@gmail.com

कविता

संदूक

पोखनलाल जायसवाल

घर के कमरों में
कब्जा जमा लिया है
अलमारी ने
ले ली है उसने संदूक की जगह,
वही संदूक जिसमें
रखे जाते रहे हैं बड़े जतन से
घर-भर के सारे कागज़ात।
जिनमें
कुछ पर्चियाँ डॉक्टर की होती थीं,
कुछ खेती-बाड़ी से जुड़ी,
कुछ एक पर्चियाँ कसार और
सुनार की दुकान की।
उन्हीं पर्चियों के साथ
होती थी एक पासबुक
बैंक का, मुखिया के नाम की।
कुछ सर्टिफिकेट आ जाएँ,
इतनी जगह ज़रूर बचती थी
उस संदूक के भीतर।
बना लेती थी जैसे-तैसे
अपने लिए थोड़ी-सी जगह
किसी कोने में
दादी-माँ के नुस्खे की पुड़िया।
संदूक में
इस्त्री किए हुए सलूखा/बंगाली
होते थे
सफेद धोती के साथ,
जो ख़ास दिनों में खुलता था।
संदूक से
निकल आते थे आड़े वक्त में
काम आने वाले कुछ रुपए,
जो लुगरा के भीतर छुपाकर
रखे होते थे
मुसीबत के दिनों के लिए।
बरामद किए जा सकते हैं
कुछ चिट्ठियाँ
बीते ज़माने की
किसी संदूक से आज भी,
जिनमें बची होगी
कुशलक्षेम के साथ
अपनेपन की खुशबू।
बचा होगा
बच्चों के लिए प्यार,
बड़ों को प्रणाम,
नाना-नानी के लिए
लिखे जाते थे
उनके साथ गुज़ारे हुए पलों की
मधुर स्मृतियाँ।
दिल को छूते
दिल की गहराई से निकले
आड़े-तिरछे, खुरदुरे या गोल-मटोल,
कोमल और अनमोल शब्द—
जो मौन हो गए हैं
अलग-अलग कमरों में
कैद अलमारी में।

पलारी (पठरीडीह) मो. 9977252202

लघुकथा

जागरूकता



डॉ प्रदीप शशांक

आदिवासी जिले के सरकारी अस्पताल में दो दिन से महिलाओं का नसबंदी शिविर चल रहा था। शिविर में नसबंदी कराने के लिये गरीब, मजदूर महिलाओं की बहुत भीड़ थी। महिलाओं में परिवार नियोजन के प्रति बढ़ती जागरूकता से डॉक्टर भी मन ही मन बहुत खुश हो रहे थे।

उत्सुकतावश डाक्टर ने मजदूर औरत से नसबंदी कराने का कारण पूछा तो वो बोली 'हम मजदूरी करवे जात हैं तो ठेकेदार परेशान करत है। फिर नौ महीना तक उसका पाप हम ढोवत हैं। इस बीच मजदूरी भी नहीं मिलत, सो हमरे बाल-बच्चन भूखे रह जात हैं। ऐई से ई सब झंझट से मुक्ति पावे हम ओरें नसबन्दी करवा रए हैं। डॉक्टर आवक हो, यह समझ गए कि यह परिवार नियोजन की नहीं, शोषण से बचने की विवश जागरूकता थी।

श्रीकृष्णम ईको सिटी,श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के पास, कटंगी रोड, माढ़ोताल,
जबलपुर-482001 मो.-9131485948

महानदी किनारे बसे शिवरीनारायण में पेयजल के लिए त्राहि-त्राहि लोग

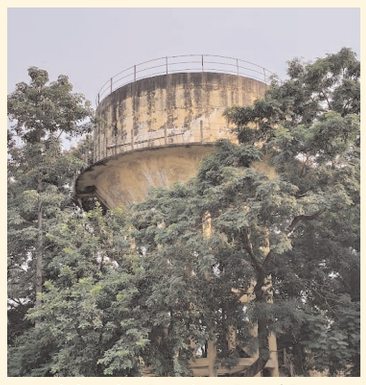
विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी के तट पर बसे धार्मिक एवं व्यापारिक नगर शिवरीनारायण में सार्वजनिक जल प्रदाय व्यवस्था इन दिनों सवालों के घेरे में है। नगर की बड़ी आबादी टेप नल से होने वाली जलापूर्ति पर निर्भर है, लेकिन नागरिकों के अनुसार पिछले एक-दो माह से पानी की सप्लाई बेहद सीमित समय के लिए की जा रही है। ऊपर से पानी की धार इतनी पतली रहती है कि लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी जुटाने में परेशानी हो रही है।

सबसे गंभीर स्थिति यह है कि एक माह से अधिक समय से शाम के समय पानी की सप्लाई बंद बताई जा रही है। पहले सुबह और शाम दोनों समय जलापूर्ति होती थी, लेकिन अब केवल सुबह ही पानी दिया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि शाम की सप्लाई बंद किए जाने का स्पष्ट कारण भी उन्हें नहीं बताया गया है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर जलापूर्ति व्यवस्था में कटौती क्यों की गई और नागरिकों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है?

शुल्क में भारी वृद्धि, लेकिन सुविधा में गिरावट

नागरिकों के अनुसार सार्वजनिक जल प्रदाय का मासिक शुल्क पहले करीब 760 रुपये था, जो अब बढ़कर 2160 रुपये हो चुका है। यानी शुल्क में भारी वृद्धि के बावजूद जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार के बजाय स्थिति और खराब होने की शिकायत सामने आ रही है। लोगों का कहना है कि जिस अनुपात में शुल्क बढ़ा है, उसके अनुरूप सुविधा मिलना तो दूर, पहले की तुलना में पानी की सप्लाई ही कम हो गई है। ऐसे में नगरवासियों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि बढ़ा हुआ शुल्क आखिर किस व्यवस्था के लिए लिया जा रहा है?



कम दबाव ने बढ़ाई परेशानी

जल प्रदाय की एक बड़ी समस्या पानी के बेहद कम दबाव की भी है। पानी की धार इतनी कमजोर रहती है कि बाल्टियां और बर्तन भरने में काफी समय लग जाता है। कई बार लोगों को निस्तारी सहित दैनिक आवश्यकताओं के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता।

इसके अलावा इन दिनों गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आने की शिकायतों ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। नागरिकों का कहना है कि ऐसा पानी उपयोग करने लायक नहीं रहता। बरसात के मौसम में दूषित पानी से जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका रहती है, ऐसे में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर लापरवाही नागरिकों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है।

दो साल से टंकी की सफाई नहीं होने का आरोप

नागरिकों का आरोप है कि पिछले करीब दो वर्षों से पानी की टंकी की सफाई नहीं हुई है, जबकि पूर्व में वर्ष में कम से कम एक बार पानी की टंकी की सफाई कराई जाती थी। बरसात के दिनों में पेयजल को सुरक्षित रखने के लिए क्लोरीनेशन सहित आवश्यक प्रक्रिया अपनाना महत्वपूर्ण माना जाता है। नागरिकों का कहना है कि इस दिशा में भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हालांकि टंकी की सफाई, क्लोरीनेशन और पानी की गुणवत्ता से जुड़े दावों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए नगर पंचायत के संबंधित रिकॉर्ड और पानी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

महानदी के किनारे नगर, फिर भी पेयजल के लिए त्राहि-त्राहि

शिवरीनारायण महानदी के किनारे बसा है। इसके बावजूद यदि नगर की जनता को पेयजल और दैनिक जरूरतों के पानी के लिए परेशान होना पड़े तो यह नगर की जल प्रदाय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

नागरिकों का कहना है कि समस्या अब केवल कम पानी मिलने तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमितता, दबाव और पानी की गुणवत्ता—तीनों स्तरों पर परेशानी सामने आ रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम दिखाई नहीं दे रहे हैं।

सीएमओ ने कहा—जानकारी मिलते ही कराया सुधार

मामले में मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि जल की गुणवत्ता से संबंधित शिकायत की जानकारी मिलने के बाद आवश्यक सुधार कराया गया है। अब नियमित रूप से साफ पानी की सप्लाई की जा रही है। नगरपालिका अधिकारी के इस बयान के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आगामी दिनों में जलापूर्ति नियमित रहती है या नहीं तथा नागरिकों को पर्याप्त दबाव और स्वच्छ पेयजल लगातार उपलब्ध कराया जाता है।

आखिर हमलावर बाघिन आई कैमरे की जद में

किसान पर हमले के आठ दिन बाद शावक के साथ नजर आई

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोटा क्षेत्र के दवनपुर गांव में किसान पर हमले के आठ दिन बाद आखिरकार संदिग्ध हमलावर बाघिन ट्रैप कैमरे की जद में आ गई। वन विभाग द्वारा लगाए गए कैमरे में बाघिन अपने शावक के साथ दिखाई दी है। बाघिन की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद वन विभाग ने दवनपुर और आसपास के वन क्षेत्र में निगरानी और बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि बाघिन पिछले कई दिनों से शावक के साथ गांव से लगे जंगल और खार क्षेत्र में विचरण कर रही है। ट्रैप कैमरों में फिलहाल बाघिन के साथ एक शावक ही दिखाई दिया है। वन विभाग की टीम बाघिन की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है और क्षेत्र में नियमित गश्त भी की जा रही है। कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। एटीआर की फील्ड डायरेक्टर प्रियंका पांडे ने बताया कि ट्रैप कैमरे में शावक के साथ बाघिन दिखाई दी है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है। कैमरों के माध्यम से बाघिन की गतिविधियों और उसके आवागमन वाले क्षेत्र की जानकारी जुटाई जा रही है।



किसान पर शनिवार को हुआ था हमला

दवनपुर में पिछले शनिवार सुबह करीब 7 बजे किसान संजू मरकाम खेत में खाद डाल रहा था। इसी दौरान एक बाघ ने उस पर हमला कर दिया था। हमले के बाद से ही वन विभाग बाघिन की तलाश में जुटा था। घटना के बाद आसपास के गांवों में भी दहशत का माहौल बना हुआ है। वन विभाग ने ग्रामीणों को खेत-खलिहान और जंगल की ओर जाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। ग्रामीणों से अकेले जंगल या खेत की ओर नहीं जाने, वन्यजीवों के नजदीक न जाने तथा किसी भी जंगली जानवर की मौजूदगी दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने की अपील की गई है। वन विभाग की टीम ग्रामीणों को वन्यजीवों के व्यवहार, उनके संभावित आवागमन वाले क्षेत्रों और खतरे से बचाव के उपायों की जानकारी भी दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि बाघिन की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिजली बिल बकायादारों पर विद्युत विभाग का शिकंजा: 102 कनेक्शन काटे, 9.50 लाख वसूले

विश्व केसरी■



बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। जिले के बिल्हा वितरण केंद्र क्षेत्र में बिजली बिल के बकायादारों के खिलाफ विद्युत विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार से विशेष वसूली अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान बिल जमा न करने वाले कुल 102 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए गए।

अभियान के दौरान कार्रवाई से घबराए 25 उपभोक्ताओं ने मौके पर ही 9 लाख 50 हजार रुपये का बकाया बिल चुका दिया, जिसके तुरंत बाद विभाग ने उनकी बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। वहीं, शेष 71 डिफॉल्टर्स द्वारा राशि जमा न किए जाने पर उनके कनेक्शन पूरी तरह काट दिए गए हैं।

अवैध रूप से लाइन जोड़ने वालों पर होगी एफआईआर- विद्युत विभाग के मुताबिक, पूर्व में काटे गए कनेक्शनों में से 6 उपभोक्ताओं ने अवैध रूप से डायरेक्ट लाइन जोड़कर बिजली चोरी करना शुरू कर दिया था। इन सभी के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 138 के तहत प्रकरण तैयार किया गया है और मामला विशेष न्यायालय में भेजा जाएगा।

आगे की रणनीति

अधीक्षण यंत्री एस. के. जांगड़े ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में मस्तुरी, कोटा, बिल्हा और बेलतरा क्षेत्र में बकायादारों के खिलाफ इसी तरह का बड़ा अभियान लगातार जारी रहेगा। शुक्रवार को चली इस कार्रवाई के दौरान एसई सुरेश जांगड़े और ईई अनुपम सरकार के साथ ग्रामीण क्षेत्र के एई और जेई भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बालाजी गैस उपभोक्ताओं को मिली राहत; बालाजी गैस के 3500 से अधिक रिफिल दूसरी एजेंसियों में ट्रांसफर

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। त्योहारी सीजन में गैस उपभोक्ताओं को समय पर घरेलू गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने व्यवस्था में बदलाव किया है। बालाजी गैस कंपनी के 3500 से अधिक रिफिल बुकिंग को शहर की दूसरी गैस एजेंसियों में ट्रांसफर कर उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी दी जा रही है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिना परेशानी समय पर रिफिल सिलिंडर उपलब्ध कराना है। आईओसीएल के अनुसार साईं प्रसाद इंडेन और वर्तिका इंडेन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर बालाजी गैस कंपनी के उपभोक्ताओं को सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। त्योहारी मौसम को देखते हुए कंपनी की ओर से शहर के सभी इंडेन वितरकों को नियमित रूप से रिफिल की आपूर्ति की जा रही है, ताकि मांग के अनुरूप उपभोक्ताओं को सिलिंडर मिलते रहें।



शहर में घरेलू सिलिंडर का पर्याप्त स्टॉक

आईओसीएल के मुताबिक वर्तमान में बिलासपुर शहर में घरेलू इंडेन गैस सिलिंडरों के स्टॉक में कोई कमी नहीं है। उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। कंपनी का कहना है कि त्योहारी सीजन में भी रिफिल की नियमित आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है।

पहले की तरह ही करें गैस की बुकिंग - खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने बताया कि बालाजी गैस एजेंसी से जुड़े उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग की प्रक्रिया में किसी तरह का बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ता पहले की तरह ही गैस की बुकिंग करते रहें। बुकिंग के बाद संबंधित उपभोक्ताओं को साईं प्रसाद इंडेन अथवा वर्तिका इंडेन के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा में होम डिलीवरी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग और आईओसीएल की टीम पूरी व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। उपभोक्ताओं को समय पर सिलिंडर उपलब्ध कराने तथा त्योहारी सीजन में आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अभियंता दिवस पर सेवानिवृत्त अभियंताओं का किया गया सम्मान

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन जिला समिति जांजगीर एवं फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स के संयुक्त तत्वावधान में 15 सितंबर को भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर अभियंता दिवस समारोह का गरिमामय आयोजन सिंचाई निरीक्षण गृह, जांजगीर में किया गया।



कार्यक्रम का शुभारंभ पीडब्ल्यूडी अनु विभागीय कार्यालय परिसर एवं निरीक्षण गृह परिसर में स्थापित सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सभागार में मुख्य अतिथि इंजी. शशांक सिंह, कार्यपालन अभियंता तथा अध्यक्ष इंजी. बिंदेश्वर सिंह पैकरा, कार्यपालन अभियंता की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजी. रामफल साव, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एवं इंजी. आर.एस. छत्रिय, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे।

समारोह में इस वर्ष सेवानिवृत्त हुए अभियंताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में इंजी. आदित्य प्रताप, इंजी. योगेश कुमार राठौर, इंजी. शशांक सिंह, इंजी. रामफल साव, इंजी. आर.एस. छत्रिय, इंजी. बी.एल. नागवंशी, इंजी. एम.के. खुटेलर, इंजी. युवराज सिंह सहित बड़ी संख्या में विभागीय अभियंता उपस्थित रहे।

विश्वेश्वरैया के योगदान को किया याद

कार्यक्रम में वक्ताओं ने भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जीवन एवं अभियंत्रण क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि देश के विकास में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके कार्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए तकनीकी दक्षता, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजी. बद्री विशाल निर्मलकर ने किया। वहीं आभार प्रदर्शन इंजी. सुधीर कुमार सुखदेव, अध्यक्ष डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया।

चक्रधर समारोह में गूंजी कुचिपुड़ी की मनमोहक प्रस्तुति, श्वेता नायक एवं शिष्यों ने बांधा समां

विश्व केसरी■

रायगढ़। 41वें चक्रधर समारोह के भव्य मंच पर शुक्रवार को बिलासपुर की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना नृत्यविभूषण श्वेता नायक एवं उनके शिष्यों ने कुचिपुड़ी की भावपूर्ण एवं मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में उनकी प्रस्तुति को दर्शकों की भरपूर सराहना एवं तालियाँ मिलीं।



नृत्यविभूषण श्वेता नायक कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम एवं मोहिनीअट्टम की सुविख्यात कलाकार हैं। छह वर्ष की आयु से शास्त्रीय नृत्य साधना प्रारंभ करने वाली श्वेता नायक दूरदर्शन की हाई-ग्रेडेड कलाकार हैं। उन्होंने इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से नृत्य में स्नातक एवं परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है तथा वर्ष 2013 में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की वरिष्ठ छात्रवृत्ति प्राप्त की। वे नाट्यचूड़ामणि डॉ. जी. रतीश बाबू की शिष्या हैं, जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने कुचिपुड़ी नृत्य की गहन साधना एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया है। चक्रधर समारोह में प्रस्तुत 'शिवशक्ति समर्पण' की शुरुआत आदि शंकराचार्य द्वारा रचित 'मीनाक्षी पंचरत्नम्' से हुई। रागमालिका एवं आदि तालम् में प्रस्तुत इस रचना के माध्यम से देवी मीनाक्षी के दिव्य स्वरूप, सौंदर्य और महिमा को कुचिपुड़ी की भावपूर्ण अभिव्यक्ति में प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात 'तरंगम्' के माध्यम से कुचिपुड़ी की विशिष्ट नृत्य परंपरा का सुंदर प्रदर्शन हुआ। जटिल पदसंचालन, लयकारी तथा पीतल की थाली पर संतुलित नृत्य ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। प्रस्तुति में भगवान शिव के गंगाधर, चंद्रचूड़ एवं आनंद नटराज स्वरूपों का भावपूर्ण चित्रण किया गया। इस प्रस्तुति में डी. धारणी, दिप्सा पॉल, चेतन्या साहू, मेघा सारथी, ऐश्वर्या, श्वेता सालिनी नायक, एन. स्तुति रेड्डी, एन. दिव्यांका एवं हर्षिता कैवर्त सहित गुरु श्वेता नायक ने सहभागिता की। प्रस्तुति के संगीत संयोजन एवं गायन में रेणुका प्रसाद एवं श्वेता प्रसाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्रीमद्भागवत कथा के मंच से गूंजा साइबर सुरक्षा का संदेश

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। बम्हनीडीह। जयपुरिया परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चलते इन दिनों बम्हनीडीह आस्था और भक्ति के विशाल केंद्र में तब्दील हो गया है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ ले रहे हैं। इसी बीच कथा मंच से नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया गया।



साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय IPS और जिला कलेक्ट जनमेजय मोहबे ने आध्यात्मिक शिक्षक अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के साथ कथामंच से उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को साइबर सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस दौरान साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप और उनसे बचने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि ऑनलाइन लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने अथवा अनजान व्यक्ति के कहने पर ऑनलाइन भुगतान करने से भी बचें। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो बिना समय गंवाए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें, ताकि शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

कथा मंच से आध्यात्मिक वातावरण के बीच दिए गए साइबर जागरूकता के इस संदेश को श्रद्धालुओं ने गंभीरता से सुना। धार्मिक आयोजन के माध्यम से साइबर सुरक्षा का संदेश आमजन तक पहुंचाने की यह पहल नागरिकों को डिजिटल अपराधों के प्रति सजग और सतर्क करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

चक्रधर समारोह में अनंता पांडेय ने दी कथक प्रस्तुति

विश्व केसरी■

रायगढ़। 41वें चक्रधर समारोह-2026 की पांचवी सांस्कृतिक संध्या में युवा नृत्यांगना अनंता पांडेय ने कथक की प्रस्तुति दी। उन्होंने भाव, लय और ताल के साथ कथक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। अनंता ने 8 वर्ष की उम्र से मंच पर नृत्य करना शुरू किया। थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नृत्य चौम्पियनशिप में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने पुरस्कार हासिल किए हैं। वर्ष 2019 में अनंता ने पांच बच्चों के साथ भवप्रीता डांस एकेडमी की शुरुआत की। वर्तमान में वे बच्चों को कथक, सेमी-क्लासिकल और वेस्टर्न डांस का प्रशिक्षण दे रही हैं। वे इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में अध्ययनरत हैं। नृत्य के क्षेत्र में उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।



दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की कई उड़ानें हुईं प्रभावित, यात्री हुए परेशान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। परिचालन संबंधी बाधाओं के कारण शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट की कई उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं, जिससे सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें या एयरपोर्ट पर मौजूद टीमों से मदद लें।

दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक एडवाइजरी में कहा, 'स्पाइसजेट की कुछ उड़ानों के संचालन में व्यवधान के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। दिल्ली एयरपोर्ट की टीमें प्रभावित यात्रियों की सहायता करने और जरूरी सहयोग के लिए एयरलाइन और संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।'

इससे पहले, 15 सितंबर को भी ऐसी एक घटना हुई। उस समय दुबई जाने वाले विमानों के बार-बार रीशेड्यूल और देर होने



के बाद स्पाइसजेट के लगभग 200 यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन किया था। एयरलाइन ने कहा था कि एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि स्पाइसजेट वित्तीय और परिचालन संबंधी समस्याओं से जूझ रही है, जिसके कारण उसके बेड़े का एक बड़ा हिस्सा ग्राउंडेड हो गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने जुलाई में स्पाइसजेट लिमिटेड पर अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर भ्रामक डिजाइन प्रैक्टिस, जिन्हें आमतौर पर 'डार्क पैटर्न' के रूप में जाना जाता है, को अपनाने के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। इनमें उपभोक्ताओं को स्वचालित रूप से अपने लॉयल्टी प्रोग्राम में शामिल करना और पूर्व चयनित विकल्पों के माध्यम से प्रचार संबंधी संचार के लिए सहमति प्राप्त करना शामिल था।

यह आदेश तब जारी किया गया जब अथॉरिटी ने पाया कि एयरलाइन का ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म ऐसे इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल करता था जो उपभोक्ताओं की पसंद को प्रभावित करते थे और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करते थे। सीसीपीए ने यह भी पाया कि उपयोगकर्ताओं को प्रचार संदेश प्राप्त करने के लिए सहमति देने वाला माना गया था, क्योंकि संबंधित विकल्प उपभोक्ताओं से किसी भी सकारात्मक कार्रवाई की जरूरत के बिना डिफॉल्ट रूप से चुना गया था।

वैश्विक तनावों के बीच छठे सप्ताह भी बाजार पर दबाव बरकरार

विश्व केसरी■



मुंबई। वैश्विक तनावों के बीच भारतीय शेयर बाजार पर लगातार छठे सप्ताह दबाव बरकरार रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंकाओं के बीच निवेशकों के सतर्क रहने के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्को में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 0.22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.33 प्रतिशत की बढ़त आई और यह 23,346 अंक पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स शुक्रवार को 19 अंक या 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 74,294 अंक पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत कमजोर रहा।

सप्ताह की शुरुआत कमजोर रही, लेकिन बाद में कच्चे तेल की कीमतों में हालिया ऊंचाई से नरमी आने के कारण भारतीय शेयर बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और जापान के केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसले काफी हद तक बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे। ऊर्जा महंगाई को लेकर चिंताएं कम होने से सरकारी बॉन्ड यील्ड पर दबाव कुछ घटा और इससे इक्विटी बाजारों को सीमित राहत मिली।

हालांकि केंद्रीय बैंकों की भविष्य की नीति संबंधी टिप्पणियों ने संकेत दिया कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति का रुख अभी भी सख्त बना रह सकता है। इससे लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों का माहौल जारी रहने की संभावना बढ़ गई है।

विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की लगातार बिकवाली ने रुपए पर दबाव बनाए रखा और बाजार की रिकवरी को सीमित कर दिया। इसी वजह से घरेलू शेयर बाजार सप्ताहभर दबाव में रहा।

इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बड़े शेयरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। निवेशकों का रुझान ऐसे घरेलू कारोबारों की ओर रहा, जिनकी आय की संभावनाएं मजबूत हैं, ऑर्डर बुक बेहतर है और बैलेंस शीट मजबूत है।

लिस्टिंग से पहले ठंडी पड़ी एनएसई आईपीओ की ग्रे मार्केट चमक, जीएमपी 60 प्रतिशत से ज्यादा टूटा

विश्व केसरी■

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लिस्टिंग से पहले तेज गिरावट का शिकार हुआ है।

ग्रे मार्केट को कवर करने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के मुताबिक, शनिवार को 218 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंचा जीएमपी शुक्रवार दोपहर तक घटकर 84 रुपए रह गया, जो अपने उच्चतम स्तर से करीब 61.46 प्रतिशत कम है।

हालांकि ग्रे मार्केट में उत्साह कमजोर पड़ा है, इसके बावजूद 22,569 करोड़ रुपए के एनएसई आईपीओ को निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। शुक्रवार को बोली के दूसरे दिन यह इश्यू पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, 8.86 करोड़ शेयरों के मुकाबले 10.28 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं।



यह आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) आधारित है, जिसके तहत मौजूदा शेयरधारक 12.64 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री कर रहे हैं। इसका मतलब है कि शेयर बिक्री से प्राप्त राशि सीधे एनएसई के पास नहीं जाएगी।

कंपनी ने आईपीओ के लिए 1,700 रुपए से 1,785 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। ऊपरी प्राइस बैंड पर एनएसई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) लगभग 4.42 लाख करोड़ रुपए बैठता है। यह सार्वजनिक निर्गम 21 सितंबर को बंद होगा, जबकि कंपनी के शेयरों के 24 सितंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल एक अनौपचारिक संकेतक होता है, जो यह दर्शाता है कि निवेशक सूचीबद्ध होने से पहले इश्यू मूल्य के ऊपर कितनी अतिरिक्त कीमत चुकाने को तैयार हैं। जीएमपी किसी भी तरह से यह सुनिश्चित नहीं करता कि शेयर प्रीमियम पर ही सूचीबद्ध होगा। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो एनएसई का वित्त वर्ष 2025-26 में संचालन से राजस्व 16,601.31 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 17,140.67 करोड़ रुपए की तुलना में तीन प्रतिशत से अधिक कम है।

इसी अवधि में एक्सचेंज की आय का प्रमुख स्रोत माने जाने वाले ट्रांजैक्शन शुल्क से राजस्व में भी गिरावट दर्ज की गई। यह वित्त वर्ष 2024-25 के 13,635.76 करोड़ रुपए से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 13,057.01 करोड़ रुपए रह गया, जो लगभग 4 प्रतिशत की सालाना कमी को दर्शाता है।

बाजार की नजर अब आईपीओ के अंतिम सब्सक्रिप्शन आंकड़ों और 24 सितंबर को होने वाली संभावित लिस्टिंग पर रहेगी, जहां निवेशकों की वास्तविक प्रतिक्रिया एनएसई के शेयर के प्रदर्शन को तय करेगी।

भारत ने जापानी लॉजिस्टिक्स दिग्गज एनएक्स ग्रुप के साथ किया समझौता, सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत सरकार समर्थित इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) और जापान के निप्पॉन एक्सप्रेस ग्रुप की लॉजिस्टिक्स इकाई एनएक्स ग्रुप ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के लिए लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन समाधान विकसित करने संबंधी एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक सरकारी बयान के अनुसार, यह समझौता सेमीकॉन इंडिया 2026 के दौरान किया गया। इसके तहत दोनों पक्ष सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़ी लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं, बुनियादी ढांचे और सप्लाई चेन की मजबूती पर जानकारी साझा करेंगे और नियमित चर्चा करेंगे।

इस सहयोग का उद्देश्य सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़ी लॉजिस्टिक्स चुनौतियों का समाधान तलाशना और भारत में एक मजबूत



तथा टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास को समर्थन देना है।

भारत तेजी से अपनी सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार कर रहा है और एक ऐसा घरेलू इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जो निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं और वैश्विक बाजारों को आपस में जोड़ सके।

सेमीकंडक्टर उद्योग में विशेष उपकरणों, कंपोनेंट्स और कच्चे माल की आवाजाही के लिए अत्याधुनिक और विशेषीकृत लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन ढांचे की आवश्यकता होती है। ऐसे में यह साझेदारी भारत की उभरती चिप विनिर्माण क्षमता को मजबूत आधार प्रदान कर सकती है।

वैश्विक चिप सम्मेलन के दौरान एनएक्स ग्रुप ने अपनी एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स सेवाओं का प्रदर्शन भी किया। इसमें हवाई और समुद्री माल परिवहन, कस्टम क्लीयरेंस, वेयरहाउसिंग, घरेलू परिवहन, फैक्ट्री डिलीवरी, इंस्टॉलेशन सपोर्ट और आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स जैसी सेवाएं शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर लॉजिस्टिक्स में उसका वैश्विक अनुभव और नेटवर्क सरकार की सेमीकॉन 2.0 पहल के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इससे विनिर्माण इकाइयों, आपूर्तिकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित किया जा सकेगा।

एनएक्स ग्रुप के प्रतिनिधि कोबायाशी ने कहा कि कंपनी केवल परिवहन सेवाएं ही नहीं देती, बल्कि पूरे सप्लाई चेन प्रबंधन को शामिल करते हुए एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स समाधान उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि समूह सेमीकॉन 2.0 के तहत भारत में विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में हर संभव सहयोग देगा।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत 200 चिप डिजाइन कंपनियां सामने आई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' (आईएसएम 2.0) के तहत कम से कम 200 चिप डिजाइन कंपनियां सामने आई हैं, जो देश में ही सेमीकंडक्टर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) तैयार करने के मामले में 'गेम चेंजर' साबित हो रही हैं।

105 से अधिक चिप डिजाइन स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स का एक्सेस मिला और 20 स्टार्टअप्स ने वेंचर कैपिटल फंडिंग हासिल की।

मंत्री ने बताया कि 85,000 डिजाइन इंजीनियरों को ट्रेनिंग देने के लक्ष्य के मुकाबले, चार सालों में लगभग 70,000 चिप-डिजाइन इंजीनियरों को ट्रेनिंग दी गई है।

वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि ग्लोबल लेवल पर कॉम्पिटिटिव बने रहने के लिए क्वालिटी और कॉम्पिटिटिव कॉस्ट दोनों जरूरी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आईएसएम 1.0 के तहत मंजूरी पाए 12 प्लांट्स में से पांच में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो चुका है।

मंत्री ने एक भरोसेमंद देश के तौर पर भारत की पहचान और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी प्रोटेक्शन में इसके मजबूत रिकॉर्ड पर भी जोर दिया।

वैष्णव ने 'सेमीकॉन इंडिया 2026' को देश और विदेश से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स, बड़े पैमाने पर बिजनेस-टू-बिजनेस



बातचीत और प्रमुख सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के साथ जोड़कर अर्थव्यवस्थाओं की बड़ी भागीदारी का जिक्र किया।

देश-विशिष्ट राउंडटेबल से पता चला कि ग्लोबल कंपनियां भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाने में अधिक दिलचस्पी ले रही हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जोर दिया कि मजबूत सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के लिए भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनरशिप जरूरी है। उन्होंने सहयोग के मुख्य आधारों के तौर पर भरोसे, विश्वसनीयता, इंसेंटिव और वैल्यू क्रिएशन का जिक्र किया। साथ ही, उन्होंने घरेलू ताकत और ग्लोबल क्षमताओं को मिलाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक संतुलित नजरिए की बात कही।

भारत-सिंगापुर राउंडटेबल में 142 लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें सिंगापुर की मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग और सप्लाई-चेन की विशेषज्ञता को भारत के इंजीनियरिंग टैलेंट, बड़े बाजार और तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के साथ जोड़कर सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत-यूरोप कंट्री राउंडटेबल में 139 लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें निवेश, सप्लाई-चेन लोकलाइजेशन, उपकरण और सामग्री, मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग, सेमीकंडक्टर डिज़ाइन, आर एंड डी और टैलेंट पर ध्यान दिया गया।

भारत-दक्षिण कोरिया कंट्री राउंडटेबल में 115 लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में सहयोग बढ़ाने के मौकों पर ध्यान दिया गया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, सामग्री, एडवांस्ड पैकेजिंग, निवेश और सप्लाई चेन शामिल हैं। साथ ही, दक्षिण कोरिया की स्थापित सेमीकंडक्टर क्षमताओं और भारत के इंजीनियरिंग टैलेंट, बढ़ते बाज़ार और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को एक साथ लाने पर भी चर्चा हुई।

दुनिया की सेमीकंडक्टर डिजाइन वर्कफोर्स का लगभग 20 फीसदी हिस्सा भारतीयः मेटी सचिव एस. कृष्णन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेटी) के सचिव एस. कृष्णन ने सेमीकॉन इंडिया 2026 के तीसरे दिन मुख्य फोकस वाले क्षेत्रों पर बात की। इनमें इन्वेस्टमेंट पॉलिसी में सहयोग और 240 घंटे के स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का विकास शामिल है।

स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकसित करने पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेटी) के सचिव एस. कृष्णन ने आईएएनएस कहा, 'यह एक तरीका है। एक कंपनी ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आजमाया और फीडबैक दिया कि दूसरे



देशों में इसी तरह की कोशिशों की तुलना में उन्हें भारत में कहीं अधिक सफलता मिली। इसलिए, हम सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पर खास जोर देते हुए स्किल डेवलपमेंट के सभी पहलुओं को प्राथमिकता देंगे।'

उन्होंने कहा, 'चिप डिजाइन के क्षेत्र में पहले से ही बहुत सारे कुशल टैलेंट मौजूद हैं। दुनिया की सेमीकंडक्टर डिजाइन वर्कफोर्स का लगभग 20 फीसदी हिस्सा भारत से है। हमने डिजाइन टैलेंट पर काफी जोर दिया है और लगभग 85,000 डिजाइन इंजीनियरों को ट्रेनिंग देने का प्रोग्राम चल रहा है।'

इन्वेस्टमेंट पॉलिसी में सहयोग पर एस. कृष्णन ने कहा, 'जहां तक सेमीकॉन में आने वाले निवेश और प्रस्तावों की बात है, तो हर एक का बहुत बारीकी से और सावधानी से विश्लेषण किया जाएगा क्योंकि इसमें सरकार की ओर से काफी बड़ी रकम इंसेंटिव के तौर पर दी जानी है। चूंकि इसमें जनता का पैसा शामिल है, इसलिए हम हर प्रस्ताव का ठीक से मूल्यांकन करने के बाद ही इंसेंटिव देने का वादा कर सकते हैं।'

मेटी सचिव ने कहा, 'कई बड़ी घरेलू और मल्टीनेशनल कंपनियां इस सेक्टर में निवेश करने की बहुत इच्छुक हैं। इस दिलचस्पी के पीछे दो मुख्य कारण हैं- भारत के टैलेंट पूल पर उनका भरोसा और पॉलिसी से मिलने वाली स्थिरता तथा मजबूत सपोर्ट। इन्हीं वजहों से बड़ी संख्या में कंपनियां और निवेशक भारत आना चाहते हैं और यहां निवेश करना चाहते हैं। हम उन्हें सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करेंगे और उनके साथ मिलकर काम करेंगे।'

'राष्ट्रीय रोजगार मेला' के तहत अब तक 12.75 लाख नियुक्ति पत्र जारीः सरकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, केंद्र सरकार के 'राष्ट्रीय रोजगार मेला' अभियान के तहत अब तक आयोजित 20 संस्करणों में करीब 12.75 लाख नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं।

फैक्टशीट में कहा गया है कि अक्टूबर 2022 में 10 लाख सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई यह पहल अब मिशन मोड में चलने वाला देशव्यापी भर्ती अभियान बन चुकी है।

फैक्टशीट के अनुसार, चयनित उम्मीदवारों ने रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित कई अन्य विभागों में अपनी जिम्मेदारियां संभाली हैं। सरकार ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया को मिशन मोड में आगे बढ़ाया गया, जिसके तहत विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने स्वीकृत पदों पर रिक्तियां भरने के लिए विशेष प्रयास



किए। यह प्रक्रिया संघ लोक सेवा आयोग (यीपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) जैसी स्थापित भर्ती एजेंसियों के माध्यम से संचालित की गई। फैक्टशीट में कहा गया है कि 'राष्ट्रीय रोजगार मेला' केवल भर्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कौशल विकास, करियर परामर्श और उद्यमिता सहायता को भी एक साथ जोड़ता है, जिसके जरिए युवाओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सरकारी बयान के मुताबिक, नौकरी तलाशने वालों और नियोक्ताओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा कौशल और रोजगार के बीच बेहतर तालमेल बनाने में रोजगार मेलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे कुशल कार्यबल तैयार करने और युवाओं को सार्वजनिक सेवा तथा राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के अवसर देने में मदद मिली है।

पहले रोजगार मेले में देश भर के 50 स्थानों पर 75,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे। इसके बाद से यह अभियान लगातार विस्तार करता गया और सरकारी भर्ती प्रक्रिया को तेज करने का माध्यम बन गया। फैक्टशीट में कहा गया है कि इस पहल ने न केवल सार्वजनिक क्षेत्र में भर्ती की गति बढ़ाई है, बल्कि युवाओं को सरकारी सेवा में करियर शुरू करने और देश के विकास में योगदान देने का अवसर भी प्रदान किया है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी), सेक्टर स्किल काउंसिल्स (एसएससी) और प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों (पीएमकेके) के सहयोग से रोजगार मेलों का आयोजन करता है। इन आयोजनों में निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी शामिल किया जाता है, ताकि योग्य उम्मीदवारों को अधिक रोजगार अवसर मिल सकें।

रोज-रोज मुलेठी खाना पड़ सकता है भारी, फायदे के चक्कर में कहीं सेहत को नुकसान तो नहीं? जानिए साइड इफेक्ट



मुलेठी का इस्तेमाल पाचन से जुड़ी कुछ परेशानियों में भी किया जाता है. यही वजह है कि कई लोग इसे फायदेमंद समझकर रोजाना खाने लगते हैं. लेकिन इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हैं. इसे लंबे समय तक या जरूरत से ज्यादा खाने पर शरीर पर इसका उल्टा असर पड़ सकता है.

मुलेठी का नाम सुनते ही सबसे पहले गले की खराश और खांसी का ख्याल आता है. घरों में इसे लंबे समय से एक घरेलू नुस्खे के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है. गला खराब हो तो मुलेठी का छोटा-सा टुकड़ा मुंह में रख लेना या इसकी चाय पी लेना कई लोगों की आदत में शामिल है. मुलेठी का इस्तेमाल पाचन से जुड़ी कुछ परेशानियों में भी किया जाता है. यही वजह है कि कई लोग इसे फायदेमंद समझकर रोजाना खाने लगते हैं.

मगर किसी भी चीज का फायदा तभी तक है, जब उसका सेवन सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए. मुलेठी भी इससे अलग नहीं है. इसे लंबे समय तक या जरूरत से ज्यादा खाने पर शरीर पर इसका उल्टा असर पड़ सकता है. खासकर उन लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है, जिन्हें पहले से ब्लड प्रेशर, किडनी या दिल से जुड़ी परेशानी है.

सोडियम और पानी जमा होने की समस्या

लोकल 18 के साथ बातचीत के दौरान डॉ. राजकुमार (आयुष) ने बताया कि मुलेठी में ग्लाइसीराइज़िन नाम का एक सक्रिय यौगिक पाया जाता है. यही इसकी खासियतों के साथ-साथ अधिक सेवन से होने वाली कुछ परेशानियों की वजह भी बन सकता है. अगर मुलेठी का सेवन लगातार और ज्यादा मात्रा में किया जाए, तो शरीर में सोडियम और पानी जमा होने की समस्या हो सकती है. इसके चलते कुछ लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है.

शरीर में असहजता महसूस

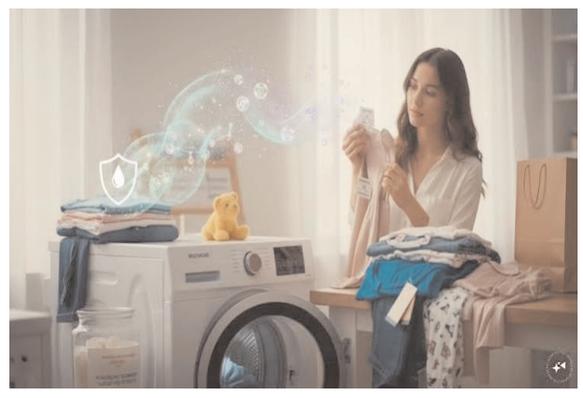
इसके अलावा ज्यादा मुलेठी खाने से शरीर में पोटैशियम का स्तर कम होने का खतरा भी रहता है. पोटैशियम शरीर के लिए बेहद जरूरी मिनरल है और इसकी कमी होने पर कमजोरी, थकान, मांसपेशियों में परेशानी या शरीर में असहजता महसूस हो सकती है. कुछ मामलों में पैरों या शरीर के दूसरे हिस्सों में सूजन और सिरदर्द जैसी शिकायत भी हो सकती है. यही वजह है कि मुलेठी को सिर्फ इसलिए रोजाना खाना शुरू नहीं कर देना चाहिए, क्योंकि यह एक प्राकृतिक चीज है

मुलेठी के सेवन में ज्यादा सावधानी

अक्सर लोगों को लगता है कि आयुर्वेदिक या प्राकृतिक चीजों से नुकसान नहीं होता, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है. प्राकृतिक होने का मतलब यह नहीं कि उसे बिना मात्रा की चिंता किए रोज लिया जा सकता है. खासकर हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को मुलेठी के सेवन में ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए. अगर पहले से ब्लड प्रेशर की दवा चल रही है, तो नियमित रूप से मुलेठी लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है.

इसी तरह किडनी या हृदय से जुड़ी बीमारी वाले लोगों को भी इसे अपनी मर्जी से लंबे समय तक नहीं लेना चाहिए. कुछ दवाओं के साथ भी मुलेठी का असर अलग हो सकता है. इसलिए अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से दवाएं ले रहा है और मुलेठी को रोजाना अपनी डाइट में शामिल करना चाहता है, तो डॉक्टर या योग्य हेल्थ प्रोफेशनल से सलाह लेना समझदारी है।

नये कपड़े पहनने से पहले धोना चाहिए या नहीं ? जानिए इसके पीछे का जरूरी कारण



नये कपड़े पहनने से पहले धोना स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है. रसायनों, धूल और बैक्टीरिया से बचने के लिए यह जरूरी है, खासकर संवेदनशील त्वचा और बच्चों के लिए. तो अगली बार इन बातों का ध्यान जरूर रखें.

नये कपड़े खरीदना और उन्हें तुरंत पहन लेना ज्यादातर लोगों की आदत होती है. नये कपड़ों की चमक, खुशबू और ताजगी अक्सर उन्हें बिना धोए पहनने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन क्या यह आदत सही है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नये कपड़ों को पहनने से पहले धो लेना बेहतर माना जाता है. इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं जो आपकी त्वचा और स्वास्थ्य से जुड़े हुए हैं.

कपड़ों पर मौजूद हो सकते हैं रसायन

कपड़ों के निर्माण के दौरान उन्हें आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के केमिकल्स और डाई का उपयोग किया जाता है. इन रसायनों में फॉर्मल्डिहाइड और अन्य पदार्थ शामिल हो सकते हैं, जो कपड़ों को सिकुड़ने, फफूंदी लगने या रंग फीका पड़ने से बचाते हैं. संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में ये रसायन खुजली, जलन या एलर्जी का कारण बन सकते हैं. इसलिए पहली बार पहनने से पहले कपड़ों को धोना एक अच्छा विकल्प है.

धूल और गंदगी से बचाव

कपड़े फैक्ट्री से सीधे आपकी अलमारी तक नहीं पहुंचते. निर्माण, पैकिंग, गोदाम और दुकान तक पहुंचने की प्रक्रिया में वे कई जगहों से होकर गुजरते हैं. इस दौरान उन पर धूल, गंदगी और सूक्ष्म कण जमा हो सकते हैं. कपड़े धोने से ये अशुद्धियां आसानी से हट जाती हैं.

कई लोगों के संपर्क में आते हैं कपड़े

दुकान में कपड़े खरीदने से पहले अनेक लोग उन्हें छूते हैं और ट्रायल भी करते हैं. ऐसे में कपड़ों की सतह पर बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीव मौजूद हो सकते हैं. हालांकि इससे हमेशा बीमारी नहीं होती, लेकिन स्वच्छता के लिहाज से कपड़ों को धोना सुरक्षित माना जाता है.

त्वचा की एलर्जी का खतरा होता है कम

यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है या आपको एलर्जी की समस्या रहती है, तो नए कपड़ों को बिना धोए पहनना परेशानी बढ़ा सकता है. कपड़े धोने से अतिरिक्त रंग और रसायन निकल जाते हैं, जिससे त्वचा संबंधी समस्याओं का जोखिम कम हो जाता है.

बच्चों के कपड़ों को जरूर धोएं

नवजात और छोटे बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है. उनके लिए खरीदे गए नये कपड़ों को पहनाने से पहले अवश्य धोना चाहिए. इससे कपड़ों पर मौजूद रसायन और धूल साफ हो जाती है, जो बच्चे की त्वचा को सुरक्षित रखने में मदद करती है।

क्या हर कपड़ा धोना जरूरी है?

अधिकतर विशेषज्ञ नए कपड़े धोने की सलाह देते हैं, खासकर ऐसे कपड़े जो सीधे त्वचा के संपर्क में आते हैं।

प्यार कम नहीं हुआ, फिर भी रिश्ते में क्यों आ रही है दूरी? इन 7 आदतों पर दें ध्यान



रिश्ते में दूरी हमेशा किसी बड़ी गलती से नहीं बढ़ती. फोन में व्यस्त रहना, बात टालना, लगातार आलोचना करना, पुरानी गलतियां दोहराना और साथ समय न देना जैसी छोटी आदतें असर डाल सकती हैं. इन्हें पहचानकर बातचीत और व्यवहार में छोटे बदलाव किए जा सकते हैं.

कई बार रिश्ते में कोई बड़ी लड़ाई नहीं होती, फिर भी दोनों के बीच पहले जैसी गर्माहट महसूस नहीं होती. बातचीत कम होने लगती है, छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ होने लगती है और साथ रहते हुए भी एक अजीब-सी दूरी महसूस होती है. ऐसे में अक्सर वजह किसी एक बड़ी गलती में नहीं बल्कि रोजमर्रा की छोटी आदतों में छिपी होती है. मसलन, सामने वाले की बात बीच में काट देना, हर बात पर फोन में लगे रहना या उसकी कोशिशों को सामान्य समझ लेना.

ये व्यवहार देखने में मामूली लग सकते हैं, लेकिन लगातार दोहराए जाने पर पार्टनर को अनदेखा या कम अहम महसूस करा सकते हैं. रिश्ते को बेहतर बनाए रखने के लिए इन आदतों को पहचानना पहला कदम हो सकता है.

रिश्ते में दूरी बढ़ाने वाली छोटी आदतें

हर रिश्ते में मतभेद होते हैं. समस्या तब बढ़ती है जब कुछ छोटी बातें रोज का हिस्सा बन जाती हैं. प्यार होने के बावजूद अगर पार्टनर को बार-बार उपेक्षा या अनसुना किए जाने का एहसास हो तो भावनात्मक दूरी बढ़ सकती है.

पार्टनर आपसे कोई जरूरी बात कर रहा है और आपका ध्यान लगातार मोबाइल पर है. भले ही आप सिर्फ कुछ मिनट के लिए मैसेज देख रहे हों लेकिन सामने वाले को लग सकता है ।

एक चमत्कार ही है 'हनुमान अंश



रवि तिवारी

'हनुमान अंश' फिल्म देखने के बाद जो मेरे मुख से पहली प्रतिक्रिया निकली वह थी! ' यह नीम करौली बाबा का चमत्कार ही है जो फिल्म पूरे भारत में रिकॉर्ड कलेक्शन के साथ चल गई '। भारतीय सिनेमा में संतों और आध्यात्मिक व्यक्तित्वों,देवी देवताओं पर फिल्म बनाना आसान काम नहीं है। आज से कई साल पहले 'संतोषी मां' पर फिल्म बनी थी उसने भी उस समय रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी, लोगो में आस्था इतनी थी कि लोग सिनेमा हाल में श्रद्धा पूर्वक पैसे फेंका करते थे। ऐसा इसीलिए होता है कि इन चरित्रों के साथ करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी होती है और दर्शक उन्हें केवल एक फिल्मी पात्र के रूप में नहीं देखते बल्कि अपनी आस्था श्रद्धा के अनुकूल देखते है तथा उसमें भक्ति स्वरूप डूब जाते है। ऐसे में किसी संत के जीवन को पर्दे पर उतारना उनकी श्रद्धा, संवेदनशीलता और सिनेमाई दृष्टिकोण से बहुत कठिन और महत्वपूर्ण चुनौती स्वरूप हो जाता है।

'हनुमान अंश' इसी चुनौती को स्वीकार करती फिल्म है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इस फिल्म के माध्यम से प्रसिद्ध संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। फिल्म में शोबिनव सत्य ने नीम करौली बाबा की केंद्रीय भूमिका निभाई है। उनके साथ विहान शेडगे, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी,अनिल रस्तोगी और अन्य कलाकार



महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म के भजन प्रभावशाली अर्थपूर्ण है।

'हनुमान अंश' का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि फिल्म नीम करौली बाबा को केवल चमत्कारों के माध्यम से प्रस्तुत करने की कोशिश नहीं करती, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा और मानवीय पक्ष को भी सामने लाती है।कहानी का केंद्र एक ऐसे व्यक्ति की यात्रा है, जिसके जीवन में सांसारिक मोह, पारिवारिक संबंध, पीड़ा, तलाश और अंतत: अध्यात्म का प्रवेश होता है। यही यात्रा आगे चलकर उन्हें उस मुकाम तक ले जाती है, जहां वे अपने अनुयायियों के लिए 'महाराज जी' बन जाते हैं।फिल्म यह प्रश्न भी उठाती है कि आखिर कोई साधारण मनुष्य असाधारण आध्यात्मिक व्यक्तित्व कैसे बनता है? क्या संतत्व केवल चमत्कारों से प्राप्त होता है या उसके पीछे त्याग, साधना, करुणा और मानव सेवा की लंबी प्रक्रिया होती है?यहीं फिल्म अपने विषय को केवल धार्मिक कथा न रखकर मानवीय कथा में बदल देती है। फिल्म में नीम करौली बाबा की हनुमान भक्ति को कथा के केंद्र में रखा गया है। फिल्म का संदेश केवल यह नहीं है कि चमत्कार होते हैं। इसके पीछे प्रेम, सेवा, करुणा और दूसरे के दुख को समझने की भावना को महत्वपूर्ण बनाया गया है।फिल्म यह भी बताती है कि भक्ति का वास्तविक अर्थ केवल पूजा नहीं बल्कि मानवता की सेवा भी है।

नीम करौली बाबा के बारे में पहले से जानकारी रखने वाले दर्शक उनकी जीवन-यात्रा को एक मानवीय कहानी के रूप में देख सकते है। उनके भक्त केवल देश में ही नहीं पूरे विश्व में फैले हुए है उनमे कई प्रसिद्ध एवं बड़े लोगों के नाम शामिल है। जो लोग नीम करौली बाबा को नहीं जानते वे भी इस फिल्म को देखने के बाद इतिहास के पन्नो में उन्हें ढूंढेंगे जरूर।

फिल्म के सभी कलाकारों ने अपनी अपनी भूमिका को प्रभावशाली ढंग से निभाने की पुरजोर कोशिश की है, फिल्म के केंद्र बिंदु नीम करौली बाबा की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्य के बारे में दर्शकों के अलग अलग विचार हो सकते है,विहान शेड्गे बाल्यकाल के महाराज जी की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पूर्णिमा तिवारी की भूमिका छोटी जरूर थी लेकिन प्रभावशाली ढंग से कामयाबी के साथ प्रस्तुत हुई। फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी के लिए यह विषय निश्चित रूप से आसान नहीं रहा होगा। किसी जीवित आस्था और श्रद्धा से जुड़े संत की कथा को सिनेमाई रूप देना जोखिम भरा काम है जिसे उन्होंने बखूबी निभाया हैं। हालांकि,कुछ स्थानों पर फिल्म की गति धीमी पड़ती महसूस होती है और वह दर्शकों के मध्य आलोचनाओं का शिकार भी बनती है। 'हनुमान अंश' के भी कुछ दृश्य भी आलोचनाओं का शिकार बने है।दर्शकों ने यह भी महसूस किया है कि फिल्म में चमत्कारों पर अधिक जोर दिया गया है जबकि कहानी के मानवीय और आध्यात्मिक पक्ष को पीछे कर दिया है।वह इसलिए कि नीम करोली बाबा चमत्कारी नहीं बल्कि आध्यात्मिक संत थे। यही फिल्म का सबसे दिलचस्प और बहस योग्य पहलू है।फिल्म के आध्यात्मिक वातावरण को बनाने में संगीत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस त्योहार घर पर बनाएं मुंह में घुलने वाली सोन पापड़ी, शुद्ध देसी घी और बेसन से ऐसे करें तैयार



त्योहारों का मजा दोगुना करने के लिए अब घर पर मिनटों में बनाएं हलवाई जैसी खस्ता और मुंह में घुल जाने वाली सोन पापड़ी. जानिए शुद्ध घी और बेसन से परफेक्ट लेयर्स वाली सोन पापड़ी बनाने की आसान स्टेप-बाय-स्टेप रेसिपी.

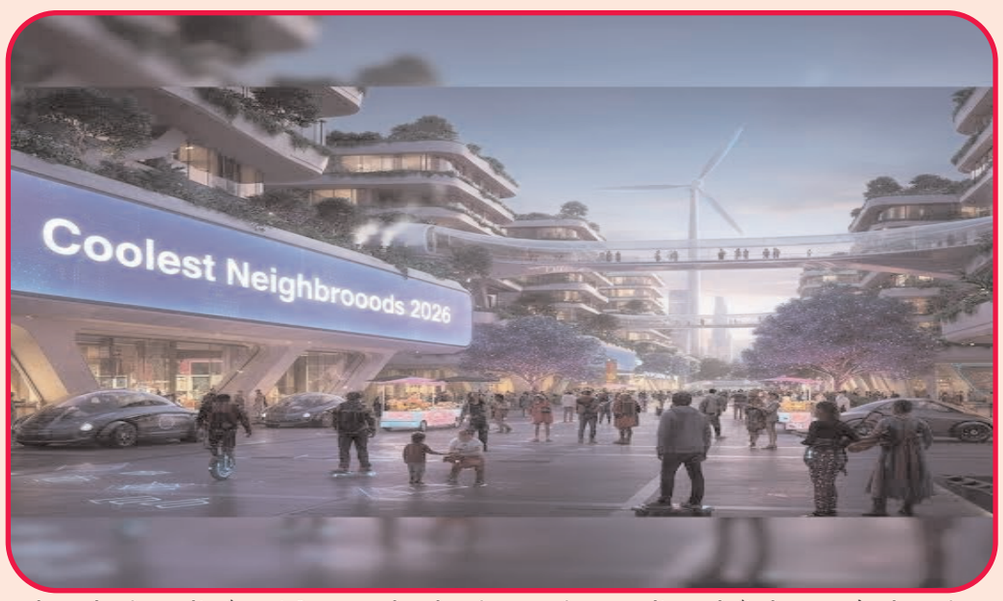
भारत में त्योहारों और मिठाइयों का रिश्ता बेहद गहरा है. बात चाहे दिवाली की हो, भाई दूज की या किसी अन्य खास उत्सव की, मुंह मीठा करने के लिए सोन पापड़ी का नाम आते ही सबके चेहरे पर एक अलग ही खुशी आ जाती है. बाजार में मिलने वाली सोन पापड़ी की वह परतें और मुंह में जाते ही घुल जाने वाला स्वाद किसे पसंद नहीं है? लेकिन अक्सर लोग सोचते हैं कि इसे घर पर बनाना बहुत मुश्किल काम है और हलवाई जैसी परफेक्ट सोन पापड़ी घर में नहीं बन सकती.

अगर आप भी यही सोचते हैं, तो यह खबर आपके लिए है! आज हम आपको घर पर ही शुद्ध देसी घी और बेसन से बिल्कुल हलवाई जैसी खस्ता और स्वादिष्ट सोन पापड़ी बनाने की आसान स्टेप-बाय-स्टेप विधि बताने जा रहे हैं.

घर पर सोन पापड़ी बनाने के लिए जरूरी सामग्री-

बाजार जैसी परफेक्ट सोन पापड़ी तैयार करने के लिए आपको बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं है, बस सही माप और सामग्री का ध्यान रखना होगा।

दुनिया के 5 सबसे कूल और ट्रेंडी मोहल्ले, 2026 में यहां घूमने का बनाएं प्लान



दुनिया के किसी भी शहर की असली पहचान उसके मोहल्लों, लोकल बाज़ारों, कैफ़े, स्ट्रीट आर्ट और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में झलकती है. अगर आप 2026 में कुछ अनोखी और ट्रेंडिंग जगहों पर घूमना चाहते हैं, तो दुनिया भर के इन 5 शानदार मोहल्लों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं.

अगर आप 2026 में किसी नए शहर की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो सिर्फ़ मशहूर टूरिस्ट जगहों तक ही सीमित रहने के बजाय वहां के स्थानीय इलाकों को भी देखने पर विचार करें, इससे आपको सच में एक अनोखा अनुभव मिल सकता है. एशिया में आपको वहां की स्थानीय संस्कृति, स्ट्रीट फ़ूड, कैफ़े, कला, कारोबार और जीवन-शैली को करीब से जानने का मौका मिलता है. दुनिया भर के ये 5 अलग-अलग शहर अपनी खास पहचान और स्थानीय संस्कृति के लिए मशहूर हो रहे हैं.

1. जोंगनो 3-गा, सियोल, दक्षिण कोरिया

सियोल का जोंगनो 3-गा पारंपरिक कोरियाई संस्कृति और आधुनिक शहरी जीवन का एक सुंदर मेल है. यहां आपको पुराने ज़माने की दुकानों और पारंपरिक खाने-पीने की जगहों के साथ-साथ आधुनिक कैफ़े, रेस्तरां और नाइटलाइफ के विकल्प भी मिलेंगे. यह एक दिलचस्प अनुभव देता है.

2. ल'ओशन डिस्ट्रिक्ट, रबात, मोरक्को

मोरक्को की राजधानी रबात में ल'ओशन डिस्ट्रिक्ट समुद्र तट के पास स्थित है. यहां से समुद्र का सुंदर नज़ारा दिखता है, शांत स्मारक हैं और एक खास स्थानीय पहचान है. अगर आप भीड़-भाड़ वाले पर्यटक आकर्षणों से दूर शहर के शांत और असली रूप का अनुभव करना चाहते हैं, तो इस इलाके को अपनी यात्रा सूची में ज़रूर शामिल करें. 3. नियोस कॉस्मोस, एथेंस, ग्रीस

एथेंस में नियोस कॉस्मोस को तेज़ी से विकसित हो रहा शहरी इलाका माना जाता है, जहां पारंपरिक स्थानीय पहचान आधुनिक संस्कृति से मिलती है. यहां आपको कैफ़े, छोटे रेस्तरां, आर्ट स्पेस और स्थानीय कम्युनिटी हब मिल सकते हैं. अगर आप शहर के पारंपरिक स्थलों के साथ-साथ उसके आधुनिक रूप को भी समझना चाहते हैं, तो घूमने के लिए यह एक शानदार जगह है.

4. चाइनाटाउन, लॉस एंजिल्स,

चाइनाटाउन लॉस एंजिल्स की मिली-जुली सांस्कृतिक पहचान का एक अहम हिस्सा है. इसमें चीनी संस्कृति, स्ट्रीट आर्ट, तरह-तरह के रेस्तरां और स्थानीय बाज़ार जैसी चीज़ें शामिल हैं।



एकता कपूर के गणपति उत्सव में आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना आमने-सामने आए, नहीं हुई बातचीत





मुंबई। पूर्व कपल आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना की हाल ही में एक-दूसरे से मुलाकात हुई, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे से बात नहीं की। दोनों शुक्रवार को शहर में मशहूर हस्ती एकता कपूर के गणपति सेलिब्रेशन में शामिल हुए।

मीडिया के कैमरों ने उन्हें भारी भीड़ के बीच अलग-अलग जगहों पर देखा। उनकी नजरे एक-दूसरे से टकराई और उन्होंने एक-दूसरे को देखा, लेकिन किसी ने भी बातचीस शुरू करने की पहल नहीं की।

शादी से अलग होने तक का सफर

- 24 नवंबर, 2016 को कानपुर में हुई थी शादी।
- ऑडिशन के दौरान पहली मुलाकात के बाद शुरू हुआ था रिश्ता।
- करीब 10 साल तक अपनी निजी जिंदगी को रखा निजी।
- 2026 में आकांक्षा ने 'लॉक अप-2' में खुलासा किया कि वे लगभग एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक की ओर बढ़ रहे हैं।
- 5 अगस्स, 2026 को शो से एलिमिनेट कर दिया गया।
- सितंबर 2026 में आकांक्षा ने पुष्टि की कि उनका तलाक चल रहा है, 10 करोड़ रुपए की एलिमनी की मांग की अफवाहों को खारिज किया!

'सब कुछ मतभेदों की वजह से हुआ...

आकांक्षा ने बच्चों को लेकर मतभेदों का जिक्र किया और कहा कि गौरव बच्चे चाहते थे, जबकि इस मामले पर उनकी राय अलग थी। उनके अलग होने की बात सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई, जबकि गौरव ने सार्वजनिक रूप से इस बारे में ज्यादा बात नहीं की।

"आकांक्षा ने पूरे सीजन में अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की, जिसने शो के अंदर और बाहर काफी चर्चा बटोरी।

— रिपोर्ट





एकता कपूर के गणपति उत्सव में दोनों एक साथ लेकिन चुप

न निजी मुलाकात, न कोई बातचीत... बस नजरें मिलीं और फिर दोनों अलग हो गए।

एक्टर नानी ने बेटे को नहीं दी अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' देखने की इजाजत, बताई वजह



मुंबई। तेलुगु स्टार नानी (घंटा नवीन बाबू) की एक्शन फिल्म 'द पैराडाइज' रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता ने बताया कि उनका बेटा फिल्म देखने के लिए उत्सुक है, लेकिन उन्होंने उसे मना कर दिया है क्योंकि अभी उसकी उम्र कम है। दरअसल, फिल्म 'द पैराडाइज' 'ए' सर्टिफाइड एक्शन थ्रिलर तेलुगु फिल्म है, जिसे सिर्फ अडल्ट ही देख सकते हैं। सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) ने अत्यधिक हिंसा और तीव्र दृश्यों के कारण इसे 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया है।

चेन्नई में डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान नानी से पूछा गया, 'ऐसी खबरें हैं कि फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट मिला है और क्या इससे फैमिली ऑडियंस पर असर पड़ेगा। यह भी कहा गया कि 'ए' सर्टिफिकेट का मतलब है कि बच्चों को थिएटर में जाने की इजाजत नहीं होगी?

इस सवाल का जवाब देते हुए नानी ने कहा, 'मैं मानता हूं कि हम बच्चों और फैमिली ऑडियंस को खो देंगे, लेकिन हर जॉनर सच में हर किसी को पसंद नहीं आ सकता है और अभी कई फैमिली फिल्में आने वाली हैं। मेरी ही तरफ से भी जल्द ही ऐसी फिल्में आएंगी, लेकिन एक एक्टर के तौर पर मुझे हर तरह के जॉनर में काम करना होगा और इस तरह की इंटेंसिटी, इस तरह की परफॉर्मेंस, इस तरह का जॉनर एक खास तरीके से ही किया जा सकता है और हमने वही किया है।

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे को भी फिल्म देखने की इजाजत नहीं दी है। उन्होंने कहा, 'मेरा अपना बेटा ही मुझसे पूछ रहा है कि क्या वह 'पैराडाइज' देख सकता है और मैंने उससे कहा, 'रिलीज पर नहीं, लेकिन जल्द ही जब मुझे लगेगा कि तुम इसके लिए तैयार हो तब देख सकते हो'। ये एक पूरी तरह से मेनस्ट्रीम फिल्म है।

इसमें जितनी हिंसा है, आपने दूसरी मेनस्ट्रीम फिल्मों में भी देखी होगी, लेकिन इसमें इंटेंसिटी कहीं ज्यादा है। इसलिए बड़े लोगों के लिए ये फिल्म काफी मजेदार होगी। उन्हें इस तरह का एक्सपीरियंस बहुत पसंद आएगा। बच्चों को इसे देखने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

अमिताभ बच्चन ने बताया जिंदगी में प्रार्थना का महत्व, कहा-एक प्रयास भी दूर कर सकता है मुश्किलें

विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन अपनी अभिनय कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखते हैं। अभिनेता ने जिंदगी में कभी हार न मानने को लेकर खास संदेश दिया।

उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए लिफ्ट के लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे से जिंदगी की मुश्किलों की तुलना की। अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'कुछ बिना बोले होता है, कुछ बोलके होता है और कुछ ठोक-ठाक के होता है, लेकिन होता जरूर है।

उन्होंने ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए समझाया, 'लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर चढ़ने में देर हो जाए तो वो बंद होने लगता है। उस वक्त अगर एक छोटी सी उंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो वो खुल जाता है और वापस अपनी जगह पर चला जाता है।

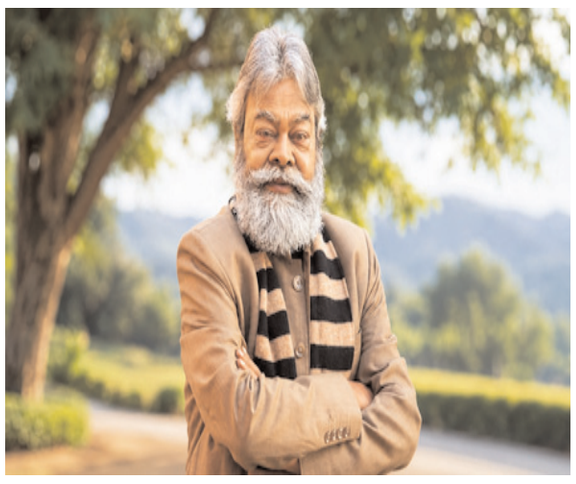
ठीक इसी तरह छोटी-छोटी कोशिशें जिंदगी में दरवाजे खोल सकती हैं। उन्होंने कहा, 'जिंदगी में



भी एक छोटा सा प्रार्थना दरवाजा खोल देता है, चाहे वो एक छोटी सी उंगली के बराबर ही क्यों न हो। बिना प्रार्थना किए कुछ मिले- नामुमकिन! कोशिश करते रहो, चलते रहो, लगे रहो, किसी दिन, वो दरवाजा तंग आकर खुल जाएगा।

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन' होस्ट कर रहे हैं। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था। इस क्विज शो को इंडियन टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक बना दिया था।

अनुपम श्याम बर्थ एनिवर्सरीः 'ठाकुर सज्जन सिंह' बनकर अमर हुए अभिनेता, यूं तय किया था प्रतापगढ़ से मुंबई तक का सफर



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अनुपम श्याम ओझा आज भी 'मन की आवाज प्रतिज्ञा' में निभाए गए किरदार 'ठाकुर सज्जन सिंह' को लेकर लोगों के बीच मशहूर हैं। उन्होंने छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक दमदार आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अलग अंदाज की वजह से खास पहचान बनाई थी।

अनुपम श्याम का जन्म 20 सितंबर 1957 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में हुआ था। उन्हें बचपन से ही अभिनय का शौक था। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई प्रतापगढ़ में पूरी की। इसके बाद अवध विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल की और फिर लखनऊ स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी में थिएटर की पढ़ाई की। यहां उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। वह प्रशिक्षण पूरा करने के बाद दिल्ली के श्रीराम सेंटर रंगमंडल से जुड़े और रंगमंच पर लगातार काम किया। उन्होंने थिएटर में अनुभव लेने के बाद सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई का रुख किया।

मुंबई पहुंचने के बाद उनका सफर आसान नहीं था। शुरुआत में उनको छोटे-छोटे किरदार मिले। दिलचस्प बात यह है कि उनके फिल्मी करियर की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'लिटिल बुद्धा' से हुई। इसके बाद उन्होंने शेखर कपूर की चर्चित फिल्म 'बैंडिट क्वीन' में काम किया। इसके बाद उन्होंने आगे चलकर 'लगान', 'नायक', 'शक्ति', 'स्लमडॉग मिलियनेयर', 'वांटेड', 'हल्ला बोल' और 'रक्त चरित्र' जैसी कई फिल्मों में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। उन्हें अक्सर खलनायक या दबंग किरदार निभाने का मौका मिलता था।

फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें असली पहचान साल 2009 में लोकप्रिय धारावाहिक 'मन की आवाज प्रतिज्ञा' से मिली। इस सीरियल में उन्होंने ठाकुर सज्जन सिंह का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें उनके असली नाम से कम और 'ठाकुर सज्जन सिंह' से ज्यादा पहचानने लगे। बाद में उन्होंने 'प्रतिज्ञा 2', 'कृष्णा चली लंदन', 'डोली अरमानों की' समेत कई अन्य टीवी सीरियल्स में भी अभिनय किया।

जिंदगी का आखिरी दौर उनके लिए काफी मुश्किलों भरा रहा।

ऑस्कर में 'गोंधल' की एंट्री पर डायरेक्टर संतोष दावखर बोले, पता नहीं था लोगों को पसंद आएगी या नहीं

विश्व केसरी■

मुंबई। फिल्ममेकर संतोष दावखर की 'गोंधल' को 2027 के ऑस्कर अवॉर्ड्स की बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री चुना गया है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म बनाते वक्त उनका मुख्य मकसद भारतीय संस्कृति और विरासत को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने सिनेमाई अंदाज में पेश करना था।

महाराष्ट्र के ग्रामीण परिवेश पर आधारित थ्रिलर फिल्म गोंधल नवविवाहित महिला सुमन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी शादी से खुश नहीं है। संतोष दावखर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म को लेकर अपने नजरिए पर बात की और बताया कि शुरुआत में उन्हें इस बात को लेकर यकीन नहीं था कि दर्शक इसे कैसे लेंगे। मेरी पहली प्रायोरिटी यह थी कि मुझे यह फिल्म इंटरनेशनल लेवल पर बनानी है।

मराठी फिल्म 'गोंधल' को कान्स समेत कई फिल्म फेस्टिवल में चुना जा चुका है। फिल्ममेकर का कहना है कि उन्होंने भारतीय सिनेमा के बारे में एक ऐसी सोच देखी जो अक्सर गरीबी और जातिवाद जैसे थीम पर फोकस करती थी। उन्होंने कहा, 'जब मैं कान्स और दूसरे इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में था, तब मुझे इंडियन फिल्मों के रिप्रजेंटेशन के बारे में पता चला और लोग कैसे सोचते हैं कि यहां की फिल्में गरीबी और जातिवाद के बारे में होती हैं और भारत में यह जरूरी मुद्दा है। इसके अलावा भारत की एक रिच विरासत है, गर्व करने वाला कल्चर भी है और मैं उस कल्चर को सिनेमैटिक तरीके से दिखाना चाहता था।

गणपति दर्शन के लिए कृष्णा के घर पहुंचीं सुनीता आहूजा, पोतों ने पैर छूकर लिया आशीर्वाद

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह के घर गणपति दर्शन के लिए गई थीं। सुनीता के घर पहुंचते ही गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक के जुड़वां बेटों रयान और कृषांग ने अपनी दादी का गर्मजोशी से स्वागत किया और बड़ों के सम्मान में उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

पारिवारिक मनमुटाव और लंबे समय के झगड़े के बाद, यह पहली बार था जब सुनीता आहूजा, कृष्णा के घर उनके गणेश उत्सव समारोह में शामिल होने पहुंची थीं। इस खास मौके पर कृष्णा अभिषेक ने मीडिया के सामने अपनी खुशी जाहिर की।

सुनीता आहूजा जैसे ही कृष्ण अभिषेक के घर में गई, दोनों बच्चे रयान और कृषांग उनके पास गए और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद सुनीता ने भी अपने पोतों पर खूब प्यार लुटाया, जिससे त्योहार का ये मिलन और भी खास बन



गया। बाद में उन्होंने कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी-अभिनेत्री कश्मीरा शाह से भी उतने ही प्यार से मुलाकात की।

इस मौके पर, सुनीता लाल बॉर्डर वाली पीली प्रिंटेड साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, जिसके साथ उन्होंने पारंपरिक जूलरी और बालों में फूल सजाए थे। कश्मीरा शाह ने मैचिंग चोली के साथ नीले रंग का एम्बेलिश्ड लहंगा चुना, जबकि कृष्णा ने पर्ल व्हाइट कुर्ता पहना था। घर पर गणपति सेलिब्रेशन के दौरान परिवार ने एक साथ पोज दिया।

यह फैमिली मोमेंट कुछ महीने पहले रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' सीजन 3 में भी देखने को मिला, जब शो में सुनीता आहूजा कृष्णा और कश्मीरा शाह से मिलने गई थी।

दरअसल, सुनीता ने शो में सरप्राइज अपीयरेंस दी थी और सालों की अनबन के बाद पहली बार कपल के जुड़वां बेटों से मिलीं। सुनीता ने पहले रीयूनियन के बारे में बात करते हुए कहा था कि उन्होंने बीती बातों को भूलकर कृष्णा और कश्मीरा को माफ करने का फैसला किया है।

उन्होंने अपने पोते-पोतियों से मिलने को एक खास इमोशनल पल बताया क्योंकि परिवार में अनबन करीब 14 साल से थी।

बता दें कि सुनीता कृष्णा अभिषेक की मामी हैं, जो उनके मामा और बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा की पत्नी हैं।

ब्रिक्स में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा से भारत की दशकों पुरानी दलील को मिला बलः रिपोर्ट

विश्व केसरी

एथेंस। ब्रिक्स में आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख और 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की संयुक्त बयान में चर्चा ने नई दिल्ली की स्थिति को मजबूत किया है। आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंडों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाकर ब्रिक्स ने उस दलील को मजबूती दी है जिसे भारत दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। एथेंस स्थित 'डायरेक्टस' की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।



भारत की मेजबानी में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाए गए नई दिल्ली घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ व्यक्त रुख को भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, घोषणापत्र में यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आतंकवाद को राजनीतिक व्याख्या के जरिए वैध नहीं ठहराया जा सकता और रणनीतिक सुविधा के आधार पर आतंकवादियों के बीच भेद नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, 'गोषणापत्र में पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया गया है। हालांकि, इस तथ्य को न तो छिपाया जाना चाहिए और न ही बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाना चाहिए। इसके बावजूद, विभिन्न और कई बार एक-दूसरे से अलग रणनीतिक हित रखने वाले देशों के समूह द्वारा ऐसी शब्दावली स्वीकार किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत के लिए इसका खास कूटनीतिक महत्व है।'

'डायरेक्टस' ने कहा कि इस घटनाक्रम से पाकिस्तान के सामने एक असहज सवाल खड़ा होता है कि सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय चर्चा आखिर कब तक उन बुनियादी ढांचों, संगठनों और वैचारिक नेटवर्क से अलग रखी जा सकती है, जिनके पाकिस्तान की जमीन से संचालित होने का आरोप भारत लगातार लगाता रहा है।

रिपोर्ट में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकवादी हमले का भी उल्लेख किया गया। ऐसा बर्बर हमला जिसमें 26 निर्दोष मारे गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इस हमले को केवल एक और आतंकवादी घटना के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मुद्दा बनाया।

इसमें लिखा गया, 'ब्रिक्स घोषणापत्र में पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा से इस त्रासदी को महत्वपूर्ण बहुपक्षीय आयाम मिला है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमले की निंदा के साथ ही घोषणापत्र में सीमा पार आतंकवाद, आतंक के वित्तपोषण और आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया गया है।'

डोनाल्ड ट्रंप ने 100,000 डॉलर की एच-1बी फीस फिर से लागू की, छंटनी पर निशाना साधा

विश्व केसरी



वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट और एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 100,000 डॉलर की फीस को फिर से लागू कर दिया है और अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी करने वाले नियोक्ताओं की कड़ी जांच के आदेश दिए हैं।

इन उपायों में फीस रिन्यूअल के साथ-साथ स्पॉन्सर करने वाले एम्प्लॉयर के रोजगार से जुड़े तौर-तरीकों की नई जांच भी शामिल है। स्किल्ड-वर्कर वीजा प्रोग्राम के तहत आवेदनों की समीक्षा करते समय एजेंसियों को हाल ही में हुई और भविष्य में होने वाली छंटनी पर विचार करना होगा।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में स्टेट, लेबर और होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी को यह देखने का निर्देश दिया गया है कि क्या एम्प्लॉयर ने पिछले साल सीधे या परोक्ष रूप से छंटनी की थी, या क्या वे भविष्य में ऐसी कटौती की योजना बना रहे हैं जिससे उसी तरह की स्थिति वाले अमेरिकी वर्कर प्रभावित होंगे।

यह जरूरत लेबर कंडीशन एप्लीकेशन, याचिकाओं, वीजा और अमेरिका में प्रवेश पर लागू होती है। ऑर्डर में केवल इसलिए आवेदन को अपने-आप अस्वीकार करने की बात नहीं कही गई है कि एम्प्लॉयर ने छंटनी की घोषणा की है। ट्रंप ने ऑर्डर में कहा, 'मैंने तय किया है कि अमेरिकी वर्कफोर्स की सुरक्षा और उन्हें प्राथमिकता देने के लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए।' व्हाइट हाउस ने कहा कि एक अलग घोषणापत्र के जरिए 19 सितंबर, 2025 को पहली बार लागू की गई 100,000 डॉलर की फीस की जरूरत को रिन्यू किया गया। इसकी फैक्ट शीट में बताया गया कि यह शुल्क कुछ एच-1बी आवेदनों पर लागू होता है। इसमें रिन्यूअल की अवधि या छूट के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ऑर्डर में लेबर सेक्रेटरी के लिए 30 दिन की समय-सीमा भी तय की गई है, जिससे वे वेज एंड आवर डिवीजन के जरिए पहले जमा किए गए लेबर कंडीशन एप्लीकेशन के डेटा की समीक्षा शुरू कर सकें।

भारत डरेगा नहीं, रूस पर प्रतिबंध मामले में विदेश मंत्रालय अमेरिकी राजदूत को करे तलबः पूर्व राजनयिक

विश्व केसरी



नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर के बाद, पूर्व राजनयिक के.पी. फैबियन ने शनिवार को कहा कि यह नया कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर टैरिफ लगाने का अधिकार देता है जो रूस से गैस और तेल आयात करते हैं।

उनका ये बयान अमेरिकी कांग्रेस की ओर से पास किए गए कानून के बाद आया है। ये राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का अधिकार देता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले बिल पर साइन करके उसे कानून बना दिया। इससे उनके प्रशासन को उन देशों पर आर्थिक दबाव डालने का एक और तरीका मिल गया जो रूस से कच्चा तेल या प्राकृतिक गैस खरीद रहे थे।

आईएएनएस से बात करते हुए फैबियन ने कहा, 'इससे राष्ट्रपति को अपनी मर्जी से फैसला लेने की छूट मिलती है। वहीं, अगर उन्हें लगता है कि किसी खास देश पर ज्यादा टैरिफ लगाने से अमेरिकी हित प्रभावित होंगे, तो वे इन्हें न लगाने का फैसला कर सकते हैं। ऐसे में उनके पास कई विकल्प मौजूद हैं।'

11 टन राहत सामग्री लेकर नेपाल पहुंचा भारतीय वायु सेना का 9वां विमान

विश्व केसरी



काठमांडू। नेपाल में अपने मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) प्रयासों को जारी रखते हुए भारत ने शनिवार को 11 टन राहत सामग्री काठमांडू पहुंचाई। भारतीय वायु सेना के सी-130 विमान के जरिए सामग्रियां भेजी गईं।

नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए इसकी जानकारी दी। कुछ तस्वीरों और वीडियो क्लिप को साझा करते हुए लिखा, 'नेपाल में राहत और पुनर्निर्माण के प्रयासों में भारत का सहयोग जारी है।

शनिवार को टेंट, दवाइयां, स्लीपिंग बैग और फोरेंसिक सामान समेत 11 टन सामग्री लेकर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का 9वां विमान काठमांडू पहुंचा और यह सामान नेपाल सरकार को सौंप दिया गया।' नेपाल की उड़ान भरने से पहले विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया था कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। नेपाल 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ से उबरने की कोशिश कर रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही हुई थी। प्राकृतिक आपदा में 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और अब भी हजारों लापता हैं।

भारत में मौजूद नेपाल के दूतावास ने बताया कि शुक्रवार को नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने रसुवा में आई बाढ़ के बाद बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए भारत सरकार का आभार जताया। दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। मंत्री वाग्ले ने रसुवा में हाल ही में आई बाढ़ के बाद बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए भारत सरकार का धन्यवाद किया।' इसमें आगे कहा गया, 'दोनों मंत्रियों ने नेपाल-भारत की पुरानी दोस्ती को और गहरा करने और आपसी सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'

पिछले हफ्ते, भारत की ओर से भेजी गई राहत और बचाव सामग्री—जिसमें टनल रेस्क्यू (सुरंग से बचाव) और फोरेंसिक सप्लाई का सामान शामिल था—नेपाल के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री महाबीर पुन को सौंपी गई थी। श्रीवास्तव ने एक्स पर बताया था कि, 'राहत और बचाव सामग्री (जिसमें टनल रेस्क्यू और फोरेंसिक सप्लाई का सामान शामिल था) लेकर भारतीय वायु सेना का आठवां विमान काठमांडू पहुंचा और यह सामग्री नेपाल के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री महाबीर पुन को सौंपी गई।'

साहित्य विचारों की आजादी का मंच, पढ़ना अहिंसक प्रतिरोधः अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल

विश्व केसरी



सिएटल। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने पढ़ने की अहमियत समझाई है। उन्होंने लोगों से सेंसरशिप का विरोध करने और चुनौती दी गई किताबों को पढ़ना जारी रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि साहित्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने और दबाई जा रही आवाजों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

सिएटल में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में जयपाल ने कहा, 'मेरे लिए पढ़ना अहिंसक प्रतिरोध का सबसे बड़ा माध्यम है।'

सिएटल पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में जयपाल ने किताबों के इस उत्सव को अमेरिका और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अभिव्यक्ति, असहमति और लोकतांत्रिक बहस पर बढ़ती पाबंदियों के संदर्भ से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के बीच विचारों का आदान-प्रदान लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है। जयपाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको को व्हाइट हाउस से प्रतिबंधित करने की भी आलोचना की। उन्होंने अमेरिका में कुछ किताबों पर लगाए गए प्रतिबंधों का भी जिक्र किया। इनमें टोनी मॉरिसन की 'द ब्लूएस्ट आई', 'द काइट रनर', 'मिल्क एंड हनी' और अरुंधति रॉय की 'द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' शामिल हैं।

बढ़ती कीमतें चिंता का विषय, बुनियादी ढांचों की मरम्मत बड़ा काम : ईरानी गृह मंत्रालय

विश्व केसरी



तेहरान। अमेरिकी हमले और विभिन्न प्रतिबंधों से जूझ रहे ईरान के लिए मूलभूत सामानों की बढ़ती दरें चिंता का सबब बन गई हैं। बढ़ती महंगाई को सरकार भी 'चिंता का विषय' मान रही है। वहीं, तेहरान को उम्मीद है कि जिस तरह ब्रिक्स और शंघाई बैठकों में उसका रुख सकारात्मक रहा, उससे उम्मीद है कि कूटनीतिक के जरिए समस्या को सुलझाया जा सकता है। शनिवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में ये बातें कही गईं।

अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अली जेनीवंद ने संकट का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'रिहायशी इमारतों, घरों और पुलिस स्टेशन जैसे सार्वजनिक सेवा केंद्रों की मरम्मत को किसी भी गैर-जरूरी सरकारी प्रोजेक्ट से ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है। इस समय देश की प्राथमिकता नुकसान झेल चुके लोगों के लिए बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना है।'

जेनीवंद ने कहा कि 'हमलों के कारण होर्मोजगन और गोलेस्तान समेत कई प्रांतों में लगभग 75,000 घरों के साथ-साथ कुछ बुनियादी ढांचे और शहरों को जोड़ने वाले पुलों को भारी नुकसान पहुंचा है।'

उन्होंने दशकों से लगे पश्चिमी प्रतिबंधों का जिक्र किया और इसे ही ईरान में रिकॉर्ड महंगाई का कारण बताया। जेनीवंद ने कहा, 'बढ़ती कीमतें लोगों के लिए चिंता का विषय हैं और सभी अधिकारी इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं।' वहीं, अमेरिका के साथ वार्ता को लेकर प्रवक्ता ने कहा, 'मुद्दों को सुलझाने और इस्लामाबाद समझौते पर वापस लौटने की कोशिशें और कूटनीति के जरिए मध्यस्थता की कोशिशें जारी है। ईरान चाहता है कि दूसरा पक्ष इस समझौते के तहत अपने वादों को पूरा करे।' प्रवक्ता ने आगे कहा, 'यह एक ऐसा समझौता है जिसे सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने मंजूरी दी तो सर्वोच्च नेता ने इसकी पुष्टि की है, और इसे ही सिस्टम का आधिकारिक फैसला माना जाता है।'

मेक्सिको-अमेरिका व्यापार वार्ता में हो रही प्रगतिः राष्ट्रपति शिनबाम

विश्व केसरी



मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उन्होंने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। इस बातचीत में यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (यूएसएमसीए) से जुड़ी द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में हुई प्रगति पर चर्चा की गई।

सिंहुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिनबाम ने कहा कि बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए बेहतर वित्तीय निश्चितता लाने के मकसद से की गई थी।

शिनबाम ने कहा, 'हम ट्रेड के मुद्दों पर प्रगति कर रहे हैं। मेक्सिको-अमेरिका समझौते तक पहुंचने की संभावना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और ट्रंप के साथ हुई बातचीत बहुत सकारात्मक थी।' शिनबाम ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच कुछ समझौते हुए हैं, लेकिन अंतिम समझौता होने तक विवरण जारी नहीं किया जाएगा।

यूएसएमसीए की अगली समीक्षा बैठकें 28 और 29 सितंबर को वाशिंगटन में होनी हैं।

इस महीने की शुरुआत में, राष्ट्रपति शिनबाम ने देश की संप्रभुता, सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा करने का संकल्प लिया था।

नेशनल पैलेस में अपने दूसरे 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन के दौरान शिनबाम ने कहा था, 'मेक्सिको में, हम सभी देशों के साथ सहयोग, बातचीत और समझ चाहते हैं, लेकिन सहयोग का मतलब झुकना नहीं है, और दोस्ती का मतलब अपने सिद्धांतों को छोड़ना नहीं है।'

यूरोप में लगातार गिर रहा शिक्षा का स्तर, 'पीसा' नतीजों ने बढ़ाई चिंता

विश्व केसरी



नई दिल्ली। यूरोप में शिक्षा का गिरता स्तर चर्चा का कारण बना है। दुनिया की कुछ सबसे मजबूत और प्रभावशाली मानी जाने वाली शिक्षा व्यवस्थाओं के प्रदर्शन में गिरावट ने शैक्षिक जगत की चिंता बढ़ा दी है। वैश्विक शिक्षा आकलन (पीआईएसए यानी पीसा) के 2025 के नतीजों में फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड और फिनलैंड जैसे यूरोपीय देशों के विद्यार्थियों के गणित, पढ़ने और विज्ञान संबंधी प्रदर्शन में कमजोरी सामने आई है। डिजिटल तकनीक और एआई के दौर में ये परिणाम काफी सवाल खड़े करते हैं।

भारत ने 2009 में ही इसमें भाग लिया था। नतीजे उत्साहवर्धक नहीं थे, जिसके बाद तत्कालीन सरकार ने इसमें भागीदारी पर विराम लगा दिया था।

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के पीआईएसए आकलन में 15 वर्ष की उम्र के विद्यार्थियों की यह जांच की जाती है कि वे स्कूल में हासिल ज्ञान और कौशल का वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। 2025 के आकलन में 91 देशों और अर्थव्यवस्थाओं के करीब 7.60 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

जर्मनी में विद्यार्थियों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। वहां लगभग चार में से एक विद्यार्थी विज्ञान में और करीब तीन में से एक विद्यार्थी पढ़ने और गणित में आवश्यक दक्षता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंच पाया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले एक दशक में जर्मनी में पढ़ने और गणित में कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का अनुपात बढ़ा है।

नीदरलैंड में पढ़ने की क्षमता को लेकर स्थिति विशेष रूप से चिंता का विषय बनी है। 2025 में करीब 39 फीसदी 15 वर्षीय विद्यार्थी पढ़ने में बुनियादी दक्षता हासिल नहीं कर पाए। 2022 में यह आंकड़ा करीब 33 फीसदी था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में डच विद्यार्थियों के पढ़ने के प्रदर्शन में भी बड़ी गिरावट आई है।

उत्तर कोरिया ने आईएईए के प्रस्ताव को किया खारिज

विश्व केसरी



सोल। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के हालिया प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अपनी परमाणु क्षमता को बनाए रखने और उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन और वरिष्ठ अधिकारी किम यो-जोंग ने अमेरिका और अन्य देशों से कथित परमाणु खतरे का हवाला देते हुए यह बयान दिया।

आईएईए ने गुरुवार को वियना में अपने 70वें महासम्मेलन के दौरान एक प्रस्ताव पारित किया था। इसमें दोहराया गया कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार संपन्न देश का दर्जा नहीं दिया जा सकता। एजेंसी ने प्योंगयांग से परमाणु गतिविधियों को तत्काल रोकने का भी आह्वान किया था।

किम यो-जोंग ने उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया केसीएनए के जरिए जारी बयान में कहा, 'आईएईए का प्रस्ताव प्योंगयांग के खिलाफ है। एजेंसी उत्तर कोरिया की सुरक्षा स्थिति में बाहरी परमाणु खतरों को नजरअंदाज करते हुए उसके परमाणु कार्यक्रम पर सवाल उठा रही है।'

उन्होंने अमेरिका पर यूरोप में परमाणु हथियारों की तैनाती और साझा करने, दक्षिण कोरिया तथा जापान के साथ विस्तारित परमाणु प्रतिरोध व्यवस्था और दक्षिण कोरिया को परमाणु पनडुब्बी तकनीक उपलब्ध कराने की योजनाओं का हवाला दिया। किम ने इन मुद्दों को आईएईए के कथित दोहरे मानदंड का उदाहरण बताया।

किम यो-जोंग की टिप्पणी को केसीएनए के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने प्रकाशित किया। कहा, 'उत्तर कोरिया अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकार को अमेरिका या पश्चिम की 'सहनशीलता' पर निर्भर नहीं करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण है कि उत्तर कोरिया की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता पर किसी भी परिस्थिति में सवाल न उठे।'

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता, रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली में पहली 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' की। इस बातचीत में ज्यादा ट्रेनिंग एक्सचेंज और संयुक्त क्षमता-निर्माण पहलों के जरिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर गंभीर मंत्रणा हुई।

बैठक के बाद, भारतीय सेना ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा, 'भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेना-से-सेना के स्तर पर पहली बार स्टाफ वार्ता (एएएसटी) 16-18 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। दोनों पक्षों ने ट्रेनिंग एक्सचेंज और संयुक्त क्षमता निर्माण के जरिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। ये सेनाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।'

भारतीय सेना के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़ी पहलों और 505 आर्मी बेस वर्कशॉप का भी दौरा किया, जिससे उन्हें टेक्नोलॉजी पर आधारित बदलाव और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बारे में जानकारी मिली। यह आर्मी-टू-आर्मी वार्ता, नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच हुई बैठक के कुछ दिनों बाद हुई है। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। पिछले हफ्ते, पीएम मोदी और रामफोसा ने सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत तथा दक्षिण अफ्रीका के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके बाद विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका की प्रगति, ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और अधिक संतुलित वैश्विक व्यवस्था के लिए मिलकर काम करेंगे।

डेविस कपः भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत



विश्व केसरी ■

सियोल। डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की।

इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए।

भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। क्वोन ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहला सेट 6-1 से आसानी से जीत लिया। नागल ने दूसरे सेट में मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और अंततः 6-2 से जीत हासिल कर कोरिया की डेविस कप नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर दी।

इस हार के साथ ही भारत का शानदार अभियान खत्म हो गया और यह तय हो गया कि नए फॉर्मेट वाले डेविस कप के 'अंतिम 8' में पहली बार जगह बनाने के लिए देश को और इंतजार करना होगा। कोरिया ने इस जीत के साथ एशियाई टेनिस में इतिहास रच दिया। टूर्नामेंट के मौजूदा फॉर्मेट में नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली वह एशिया की पहली टीम बन गई है।

भारत की डबल्स जीत से मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगी थी। सुरेश और बालाजी की जोड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और कोरियाई खिलाड़ियों की सर्विस पर दबाव बनाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। हालांकि, कोरिया ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। इसके बावजूद भारतीय जोड़ी ने निर्णायक सेट में शानदार संयम दिखाया और दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन किया।

एशियन गेम्सः सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत के पदक जीतने के अभियान को रविवार को और रफ्तार मिलेगी, जब कई भारतीय खिलाड़ी महत्वपूर्ण मुकाबलों में उतरेंगे।

भारतीय दल गुरुवार से ही गेम्स में हिस्सा ले रहा है और मेडल की दौड़ में शामिल है। शुरुआत में टेकबॉल ने सबका ध्यान खींचा है। क्विंसी जोआकिम डिसूजा और मोहम्मद अनस इमरान बेग ने शुरुआती दौर में सुखियां बटोरी हैं और अब वे मेडल के लिए मैदान में उतरेंगे। दोनों एथलीट मिक्स्ड डबल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगे। उनका मुकाबला वियतनाम के जिया न्गी ट्रिन्ह और होआंग मिन्ह टैन गुयेन से होगा, जिनसे वे क्वार्टर फाइनल में हार गए थे।

इस बीच, क्विंसी के पास पदक जीतने का एक और मौका रहेगा। वह रविवार को जापान की युइना साकामोटो के खिलाफ व्यक्तिगत कांस्य पदक मुकाबले में उतरेंगी। रविवार को कई अन्य बड़े मुकाबले भी खेले जाएंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगी और एशियन गेम्स 2023 में जीता गया अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

सभी की निगाहें शूटिंग एरिना पर भी होंगी, जहां भारतीय महिला खिलाड़ी 10 मीटर एयर राइफल इवेंट्स में हिस्सा लेंगी। इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनोद भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। रविवार से भारत का हॉकी अभियान भी शुरू होगा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें अपने पहले मैच खेलेंगी। पूल ए में शामिल पुरुष टीम इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पूल बी में शामिल महिला टीम उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

20 सितंबर के लिए भारत का पूरा शेड्यूल इस प्रकार है:

वुशु

सुबह 05:30 बजे - पुरुषों का चांगक्वान फाइनल (मेडल इवेंट)

महिलाओं का 52 किलोग्राम (1/8 फाइनल): सोगंद सिंकाइचेतन बनाम अपर्णा

पुरुषों का 75 किलोग्राम (1/8 फाइनल): सोहेल मौसावी बनाम विक्रांत बालियान

शूटिंग

सुबह 06:15 बजे - 10 मीटर एयर राइफल महिलाओं का व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन

सुबह 06:15 बजे - 10 मीटर एयर राइफल महिलाओं का टीम फाइनल (मेडल इवेंट)

सीपीएल 2026: हिटमायर का शतक बेकार, जमैका ने गुयान को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

ब्रिजटाउन। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 में शनिवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स और जमैका किंग्समेन के बीच क्वालीफायर-2 खेला गया।

केंसिंग्टन ओवल में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में जमैका किंग्समेन ने अमेजन वॉरियर्स 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। लीग स्टेज में शानदार प्रदर्शन करने वाली गुयाना का इस हार के साथ सीजन का अंत निराशाजनक तरीके से हुआ। गुयाना ने लगातार तीसरा मैच गंवाया।

मैच की बात करें तो, जमैका किंग्समेन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने पिछले 2 मैचों के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा टोटल स्कोरबोर्ड पर लगाया। इसमें सबसे बड़ी भूमिका बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हिटमायर की रही।

हिटमायर ने तूफानी शतक लगाया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए इस बल्लेबाज ने मात्र 45 गेंदों पर 8 छक्कों और 4 चौकों की मदद से नाबाद 102 रन की पारी खेली। इसके अलावा, शाई होप ने 33 गेंदों पर 44 और क्वेंटिन सैम्पसन ने 17 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली थी।

एशियन गेम्सः ओपनिंग सेरेमनी में तेजिंदरपाल तूर की जगह पवन सहरावत होंगे भारत के फ्लैग-बेयरर

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेन्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी शनिवार को होनी है। ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय दल के फ्लैग-बेयरर होगा कबड्डी स्टार पवन सहरावत होंगे। पवन ने शॉट-पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर की जगह ली है। तूर को तकनीकी दिक्कतों की वजह से इस भूमिका से बाहर कर दिया गया है।

शनिवार शाम को आइची-नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में सहरावत ओलंपिक पदक विजेता शूटर मनु भाकर के साथ भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे।

आईओए के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'तकनीकी दिक्कतों की वजह से, तेजिंदरपाल सिंह तूर भारत के फ्लैग-बेयरर के तौर पर काम नहीं कर पाएंगे। उनकी जगह पवन सहरावत शनिवार शाम को ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे।'

यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब भारत का एथलेटिक्स दल प्रतियोगिता से पहले अपनी तैयारी जारी रखे हुए है। ट्रैक एंड फील्ड एथलीट टोक्यो के पास यूनिवर्सिटी ऑफ त्सुकुबा में हैं, सोमवार को नागोया जाने से पहले वे मौसमी बदलावों के अनुसार ढालने वाले कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। एथलेटिक्स इवेंट उनके आने के दो दिन बाद शुरू होने वाले हैं।

सेहरावत के लिए, यह सम्मान उनके पहले से ही शानदार कबड्डी करियर में एक और मील का पत्थर जोड़ता है। वह पिछले एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टीम के सफल कैंपेन के दौरान टीम की कप्तानी की थी। इस बार, वह एक सपोर्टिंग लीडरशिप रोल में काम करेंगे, जिसमें सुनील कुमार कप्तान की भूमिका निभाएंगे।



सेहरावत ने 2023 एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी भारत को खिताब दिलाया है, जिससे देश के टॉप कबड्डी खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी साख और मजबूत हुई है।

खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें 2023 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारत की पुरुष कबड्डी टीम इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना मजबूत रिकॉर्ड जारी रखने की कोशिश करेगी, जिसमें सेहरावत से मैट पर और लीडरशिप ग्रुप में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। ओपनिंग सेरेमनी से औपचारिक तौर पर आइची-नागोया एशियन गेम्स की शुरुआत होगी, जिसमें पूरे कॉन्टिनेंट के एथलीट शनिवार को कर्टेन-रेजर के लिए पालोमा मिजुहो स्टेडियम में इकट्ठा होंगे।

राजिंदर गोयलः रणजी ट्रॉफी इतिहास के सफलतम गेंदबाज को भारतीय टीम में कभी मौका नहीं मिला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा संचालित देश का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। रणजी में अच्छा प्रदर्शन भारतीय टीम में जगह बनाने की गारंटी के रूप में देखा जाता है। हालांकि, रणजी ट्रॉफी के इतिहास में गेंद और बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी टीम इंडिया में कभी जगह नहीं बना पाए। ऐसे खिलाड़ियों में सबसे बड़ा नाम राजिंदर गोयल का है।

राजिंदर गोयल का जन्म 20 सितंबर, 1942 को नरवाना, हरियाणा में हुआ था। बचपन से ही राजिंदर को क्रिकेट में रुचि थी। वह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज थे। स्थानीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद गोयल को 1958-59 में हरियाणा की तरफ से प्रथम श्रेणी में डेब्यू का मौका मिला था।

गोयल की घूमती गेंदें अक्सर बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित होती थीं। राजिंदर बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाने वाली पिच पर भी टर्न कराने में माहिर थे। गोयल का प्रथम श्रेणी करियर लगभग 26 साल चला। उन्होंने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच 1985 में खेला था। 26 साल लंबे करियर में राजिंदर गोयल ने रणजी ट्रॉफी में बड़ी सफलता पाई। उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 637 विकेट लिए। उनके आखिरी मैच के 41 साल बाद भी रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेटों का यह रिकॉर्ड है।

बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने कुल 157 प्रथम श्रेणी मैचों में 750 विकेट हासिल किए थे। इस दौरान एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि उन्होंने 18 बार हासिल की थी। एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट उन्होंने 59 बार लिए थे।

इतने प्रभावशाली करियर के बावजूद राजिंदर गोयल देश के उन दुर्भाग्यशाली क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्हें कभी भी भारतीय राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिला। 21 जून, 2020 को 77 वर्ष की आयु में उनका निधन रोहतक में हुआ।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र घायल, भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने पर संशय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के युवा ऑलराउंडर रचिन रवींद्र इंजर्ड हो गए हैं। इंजरी की वजह से भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में उनका खेलना संदिग्ध हो गया है।

रचिन रवींद्र बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान डाइविंग कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। रवींद्र का दाहिना कंधा खिसक गया है। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में किसी बड़े स्ट्रक्चरल डैमेज की बात से इनकार किया है। हालांकि, मैदान पर उनकी वापसी रिहैबिलिटेशन के शुरुआती स्टेज की रिकवरी पर निर्भर करेगी।



न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने कहा कि शूटिंग के दौरान कैच लेने की कोशिश में रवींद्र सेफ्टी मैट पर गिर गए। यह सच में एक बुरी चोट थी। हम उनके लिए दुखी हैं। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जितनी जल्दी हो सके मैदान पर वापस आएं।

उन्होंने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी कमर्शियल शूट की तरह, इन एक्टिविटीज पर सभी पार्टियों ने पहले ही सहमति दे दी थी, जिसमें सही सेफ्टी उपाय किए गए थे। यह घटना थोड़ी अजीब है। हम आगे भी इस तरह के इवेंट्स के लिए अपनी प्रक्रिया की समीक्षा करते रहेंगे।'

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टीम रवींद्र के साथ सावधानी से पेश आएगी। हम रचिन को जरूरत से ज्यादा जल्दी वापस नहीं लाना चाहते। वह अपने रिहैब के मामले में अच्छे हाथों में है और हम जल्द ही उसका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

न्यूजीलैंड अगले सप्ताह की शुरुआत में भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा करेगा। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है, लेकिन यह साफ नहीं है कि रवींद्र खेलने के लिए समय पर ठीक हो पाएंगे या नहीं।

ऑफिसर एंड ए जेंटलमैनः आनंद महिंद्रा ने चेस ओलंपियाड में 'बोर्ड 4' पर खेलने के लिए 'जेंटलमैन' गुकेश को सराहा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'महिंद्रा ग्रुप' के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मौजूदा चेस वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश को सराहा है। उन्होंने चेस ओलंपियाड में बोर्ड 4 पर खेलने के उनके फैसले के लिए उन्हें 'ऑफिसर एंड ए जेंटलमैन' कहा।

टूर्नामेंट के लिए गुकेश को चौथे बोर्ड पर रखा गया था, जबकि आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी और निहाल सरीन टॉप तीन बोर्ड पर खेल रहे थे। 20 वर्षीय वर्ल्ड चैंपियन की तारीफ में आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अगर आप यह देखना चाहते हैं कि एक सच्चा टीम प्लेयर कैसा होता है, तो यह उसका बेहतरीन उदाहरण है। गुकेश, आप 'ऑफिसर एंड ए जेंटलमैन' हैं।'

उन्होंने गुकेश का इंटरव्यू वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'आप उन भारतीय गुणों का बेहतरीन उदाहरण हैं जिन्हें मैं आदर्श मानता हूं: हमेशा विनम्रता, और जरूरत पड़ने पर आक्रामकता।'



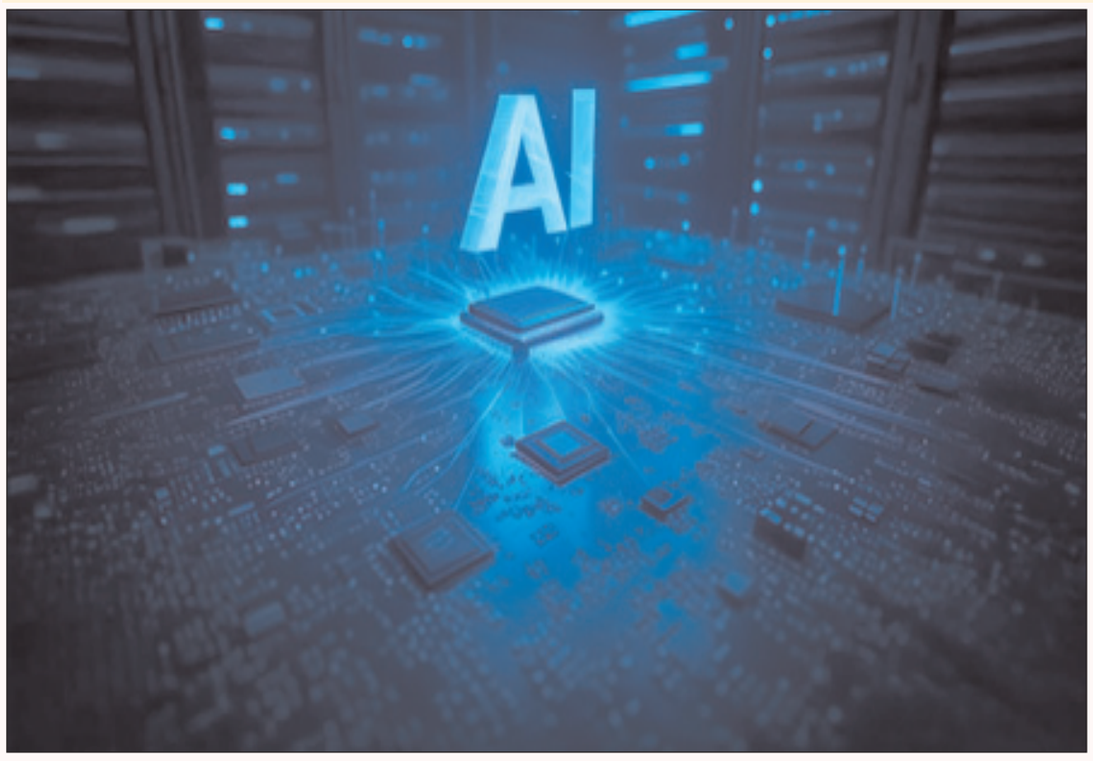
वीडियो में गुकेश ने बताया कि प्रज्ञानंद और अर्जुन की अच्छी फॉर्म को देखते हुए उन्होंने खुद को क्रम में नीचे रखने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

फिडे के अनुसार, गुकेश ने कहा, 'मतलब, यह स्पष्ट है कि प्रग (आर. प्रज्ञानंद) और अर्जुन (एरिगैसी) बहुत शानदार फॉर्म में हैं। रेटिंग्स भी यही बताती हैं और हां, यह मेरा ही आइडिया था। पूरी टीम का भी यही सोचना था कि इसी क्रम से हमारे टूर्नामेंट जीतने की सबसे अधिक संभावना है।'

उन्होंने इस बात को नजरअंदाज कर दिया कि वर्ल्ड चैंपियन के निचले क्रम पर खेलने को लोग कैसे देखेंगे।

उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियन के बोर्ड चार पर खेलने की बात करें तो मुझे लगता है कि अगर टीम को जरूरत हो, तो मैं सभी गेम में आराम भी कर सकता हूं। हम यहां भारत के लिए खेल रहे हैं, और देश से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं है। इसलिए टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए जो भी जरूरी हो, उसे करने में मुझे खुशी होगी।

एआई से 2030 तक दुनिया के खत्म होने का 'जीरो' प्रतिशत खतराः एनवीडिया प्रमुख जेन्सेन हुआंग



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने उन आशंकाओं को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वर्ष 2030 तक दुनिया के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी स्थिति के पैदा होने की संभावना 'जीरो प्रतिशत' है।

सीबीएस न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में हुआंग ने कहा कि एआई के कारण दुनिया के खत्म होने जैसी भविष्यवाणियां तर्कहीन हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या ऐसी चेतावनियों के पीछे राजनीतिक, व्यावसायिक या सिर्फ ध्यान आकर्षित करने की मंशा हो सकती है।

हुआंग ने कंपनियों से एआई विकास की गति तेज करने का आह्वान किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उत्पादों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को ऐसे एआई सिस्टम जारी नहीं करने चाहिए जो पूरी तरह तैयार या सुरक्षित न हों।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रौद्योगिकी जगत के कई अन्य नेताओं ने अधिक शक्तिशाली एआई प्रणालियों के विकास की रफ्तार को नियंत्रित करने और सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाने की वकालत की है।

हाल के दिनों में एंथ्रोपिक के सीईओ दारियो अमोदेई, ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों ने उन्नत एआई प्रणालियों को लेकर अधिक सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की थी।

हुआंग ने कहा कि उद्योग को एआई का विकास इस तरह करना चाहिए जिससे अमेरिका की समृद्धि को बढ़ावा मिले और साथ ही उत्पादों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में सेल्सफोर्स ड्रीमफोर्स सम्मेलन में भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए थे। वहां उन्होंने एआई के लिए अलग से नए कानून बनाने का विरोध किया और कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्य रूप से प्रत्येक कंपनी की इंजीनियरिंग और विकास प्रक्रिया की जिम्मेदारी है।

हाल ही में लॉस एंजिलिस में आयोजित ऑल-इन समिट में बोलते समय हुआंग को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक अप्रत्याशित फोन कॉल भी प्राप्त हुआ। ट्रंप ने उपस्थित लोगों से कहा कि 'रोबोट दुनिया पर कब्जा नहीं करने जा रहे हैं' और इस पूरे विवाद को एक 'झांसा' बताया।

इस बीच, अमेरिकी प्रशासन ने हाल ही में संघीय एजेंसियों को एआई क्षेत्र में अमेरिकी नेतृत्व के रास्ते में आने वाली बाधाओं को हटाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की एआई एक्शन प्लान में तेज नवाचार और कम नियामकीय प्रतिबंधों पर जोर दिया गया है।

सारा दिन बैठे-बैठे अकड़ जाती है पीठ? पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन से मिलेगा आराम



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां घंटों बैठकर काम करते हैं, वहां हमारी हैमस्ट्रिंग, पीठ और कंधे सबसे ज्यादा अकड़ जाते हैं। ऐसे में 'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' एक ऐसा अभ्यास है, जो न सिर्फ शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है बल्कि मन को शांत कर तनाव को दूर करने में भी बेहद मददगार है।

'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' आगे की ओर झुकने वाला योगासन है, जो पश्चिमोत्तानासन के लाभों के अलावा पैरों के भीतरी भाग, कंधों के नीचे और बीच की मांसपेशियों को भी व्यापक खिंचाव प्रदान करता है। पाद प्रसार पश्चिमोत्तानासन नाम संस्कृत शब्दों 'पाद' (जिसका अर्थ है 'पैर'), 'प्रसार' (जिसका अर्थ है 'फैलाना'), 'पश्चिम' (जिसका अर्थ है 'पश्चिम' या 'शरीर का पिछला भाग'), 'उत्तान' (जिसका अर्थ है 'ऊपर उठाया हुआ' या 'विस्तारित') और 'आसन' (जिसका अर्थ है 'मुद्रा') से लिया गया है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' (या पाद प्रसार पश्चिमोत्तानासन) बैठकर किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है। यह सामान्य पश्चिमोत्तानासन (जिसमें पैर आपस में जुड़े होते हैं) का एक उन्नत रूप है, जिसमें पैरों को फैलाकर आगे की ओर झुका जाता है।

पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन करते वक्त पैर फैलाकर आगे झुकते हैं तो जांघ के पीछे की हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों पर सबसे ज्यादा खिंचाव आता है। रोजाना अभ्यास से इसकी टाइटनेस दूर होती है और पैरों में हल्कापन महसूस होता है।

पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन करते वक्त दोनों पैरों को अपनी क्षमता के अनुसार चौड़ा करके आगे की ओर झुकाते हैं, तो इसका सीधा असर ग्रोइन और अंदरूनी जांघों पर पड़ता है।

दरअसल हमारी अंदरूनी जांघों में एडक्टर मांसपेशियों का एक समूह होता है, जो ग्रोइन से जुड़ा होता है। लगातार बैठे रहने, गलत पोस्चर या व्यायाम न करने से ये मांसपेशियां बहुत टाइट और छोटी हो जाती हैं। जिन लोगों को चलने, सीढ़ियां चढ़ने या जमीन पर बैठने में अंदरूनी जांघों में खिंचाव महसूस होता है, उनके लिए ये आसन बहुत फायदेमंद है। साथ ही यह उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो रनिंग, साइकिलिंग या जिम करते हैं।

इस आसन को करने के दौरान शरीर को जबरदस्ती नीचे न झुकाएं, शुरुआत में जितना संभव हो उतना ही झुकें।

कुलंजनः अदरक जैसा दिखने वाला ये पौधा, आयुर्वेद में क्यों माना जाता है खास?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुर्वेद में कई ऐसे औषधीय पौधे बताए गए हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में होता आया है। कुलंजन भी इन्हीं में से एक है। यह पौधा देखने में काफी हद तक अदरक जैसा दिखाई देता है और इसकी तेज सुगंध तथा तीखा स्वाद इसे दूसरी जड़ी-बूटियों से अलग पहचान देते हैं। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में कुलंजन का इस्तेमाल कई तरह की सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता रहा है।



बिहार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कुलंजन का वैज्ञानिक नाम अल्पिनिया कैल्केराटा है। यह मुख्य रूप से उष्ण और नम जलवायु में अच्छी तरह उगता है। इसके पौधे में लंबी, हरी पत्तियां होती हैं, जबकि जमीन के नीचे इसका सुगंधित तना विकसित होता है। इसमें छोटे और सफेद रंग के फूल भी दिखाई देते हैं। हालांकि पौधे का ऊपरी हिस्सा भी अपनी पहचान रखता है, लेकिन औषधीय उपयोग के लिए मुख्य रूप से इसकी जड़ और जमीन के अंदर मौजूद तने को महत्वपूर्ण माना जाता है।

कुलंजन की सबसे खास बात इसकी गर्म तासीर और तीखी प्रकृति मानी जाती है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल सर्दी-जुकाम और श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों में किया जाता रहा है। इसकी सुगंधित प्रकृति के कारण इसे सांस से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याओं में उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा में कुलंजन का संबंध जोड़ों के दर्द और गठिया जैसी समस्याओं से भी बताया जाता है।

इसके अलावा पाचन से जुड़ी परेशानियों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। माना जाता है कि इसकी गर्म प्रकृति पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

कुलंजन के भले ही कई पारंपरिक लाभ बताए जाते हैं, लेकिन किसी भी बीमारी में दवा के रूप में इसका इस्तेमाल करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बहुत जरूरी है। बिना सही जानकारी के इसका उपयोग करना खतरनाक हो सकता है।

मानसून के आगमन के साथ ही तमिलनाडु में डेंगू के मामलों में तेजी

विश्व केसरी ■

चेन्नई। मानसून के आगमन के साथ ही तमिलनाडु में डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं और राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य भर में परीक्षण किए गए 1,320 लोगों में से 244 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है।

रोजाना करीब 200 मामले सामने आ रहे हैं। 15 सितंबर तक तमिलनाडु में डेंगू के 16,577 मामले दर्ज किए गए और नौ मौतें हुईं। चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बना हुआ है।

शहर में एक ही दिन में बुखार से पीड़ित 156 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिनमें से 87 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई। चेंगलपट्टू, कोयंबटूर, तिरुवनमलाई, कृष्णागिरी, सलेम, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, तंजावुर और विलुपुरम में भी बड़ी संख्या में मामले सामने आए हैं।

सरकार ने मच्छर नियंत्रण और रोग निगरानी अभियानों को तेज कर दिया है और तमिलनाडु भर में 25,000 से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया है। ये टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में संक्रमण के स्रोतों को खत्म करने, स्वच्छता कार्य करने और बुखार के मामलों की निगरानी करने में लगी हुई हैं।



जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों को भी निवारक उपायों को मजबूत करने और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री अरुण राज ने चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पिछले सात दिनों में डेंगू के मामलों में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन उन्होंने लोगों से घबराहट न करने का आग्रह किया।

लोगों को सलाह दी गई है कि वे घरों के अंदर और आसपास पानी जमा होने से रोकें और लगातार बुखार होने पर चिकित्सा सहायता लें।

नाम तमिलर काची के मुख्य समन्वयक सीमान ने इस वृद्धि के लिए टीवीके सरकार की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मांग की कि जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं, वहां युद्धस्तर पर नीलावेम्बु काढ़ा और कबासुरा कुडीनीर वितरित किया जाए।

इसी बीच, अन्ना विश्वविद्यालय के छात्र हरीश कुमार का गुरुवार को लगातार बुखार से पीड़ित रहने के बाद निधन हो गया। उनकी मृत्यु से चार दिन पहले ही मृदुला और जयश्री की भी मृत्यु हो चुकी है, जिससे परिसर में चिंता का माहौल छा गया है।

हालांकि, जन स्वास्थ्य निदेशालय ने स्पष्ट किया कि हरीश कुमार को डेंगू नहीं था और उनकी मृत्यु स्क्रब टाइफस से हुई थी। इस महामारी के बीच, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज जापान की ताकेडा फार्मास्युटिकल के साथ मिलकर अगले साल की पहली छमाही में क्यूडेंगा नामक डेंगू वैक्सीन को भारत में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

पहले 180 दिन रखेंगे पूरे जीवन की नींव, जानिए क्यों जरूरी है बच्चों के लिए सही पोषण



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बच्चे के जीवन की शुरुआत जितनी नाजुक होती है, उतनी ही महत्वपूर्ण भी। जन्म के बाद के शुरुआती दिन और खासकर पहले छह महीने बच्चे के विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं। यही वह समय होता है जब बच्चे को सही पोषण, प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। बच्चे के जीवन के पहले 180 दिन, यानी पहले छह महीने, उसके पूरे जीवन पर गहरा असर डाल सकते हैं।

पहले छह महीनों में मां का दूध बच्चे के लिए सबसे महत्वपूर्ण और अनमोल पोषण माना जाता है। इसमें बच्चे की जरूरत के मुताबिक पोषक तत्व होते हैं, जो उसके शारीरिक विकास और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। जन्म के बाद मां का पहला दूध, जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है, भी बच्चे के लिए बेहद अहम होता है। यह गाढ़ा और पीले रंग का दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है और नवजात को शुरुआती सुरक्षा देने में मदद करता है। शिशु के जीवन के पहले छह महीने तक सिर्फ स्तनपान कराने की सलाह दी जाती है। इस दौरान सामान्य तौर पर बच्चे को पानी, शहद या अन्य खाद्य पदार्थ देने की जरूरत नहीं होती।

मां का दूध ही बच्चे के लिए पोषण और तरल की जरूरत पूरी करने में मदद करता है।

स्तनपान सिर्फ बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। बच्चे को मां की गोद में मिलने वाला स्पर्श और अपनापन उसके भावनात्मक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होता है।

स्किन टीबी के मरीजों में बढ़ा डीआर-टीबी का खतरा, केजीएमयू के शोध में खुलासा

विश्व केसरी ■

लखनऊ। क्षय रोग (टीबी) केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं है। टीबी का जीवाणु शरीर के अन्य अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिसमें स्किन (त्वचा) भी शामिल है। चिकित्सा जगत में इसे एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। मतलब ऐसी टीबी जो फेफड़ों के अलावा शरीर के किसी और हिस्से में अपनी जड़ें जमा लेती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्किन टीबी से पीड़ित मरीजों में दवा-प्रतिरोधी (डीआर) टीबी का जोखिम बढ़ रहा है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हुए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है।

यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईडीजीवीएल) में प्रकाशित हुआ है। 54 मरीजों पर हुआ अध्ययन केजीएमयू के त्वचा रोग विभाग के वर्ष 2019 से 2022 के बीच हुए अध्ययन में स्किन टीबी के 54 मरीजों को शामिल किया गया। इनकी उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच थी। इनमें सात मरीजों में दवा-प्रतिरोधी टीबी पाई गई। सभी मरीज एचआईवी निगेटिव थे। शोध में पाया गया कि छह मरीजों पर टीबी की सबसे असरदार दवा का असर नहीं हो रहा था। ऐसे में इन्हें बहु दवा-प्रतिरोधी (एमडीआर) टीबी की दवाएं दी गईं। वहीं एक मरीज पर एक और मुख्य टीबी-रोधी दवा असर नहीं कर रही थी। उसका इलाज तय मानक के तहत किया गया।

राहत की बात यह रही कि इलाज शुरू होने के लगभग एक महीने के भीतर ही मरीजों की हालत में सुधार होने लगा। इलाज पूरा करने वाले मरीजों में त्वचा के घाव पूरी तरह ठीक हो गए। सात मरीजों में चार तरह की स्किन टीबी शोध में सामने आया कि इन सात मरीजों में तीन को ल्यूपस वल्गैरिस (त्वचा पर लाल-भूरे रंग के चकत्ते और घाव), दो को स्क्रोफूलोडरमा (गांठों से मवाद रिसना), एक को ट्यूबरकुलर एब्सेस (त्वचा के नीचे मवाद भरी गांठ) और एक मरीज को ट्यूबरकुलर चैंक्र (त्वचा पर छाले जैसा घाव) थे।

रोज करें भुजंगासन, कमर दर्द और तनाव से मिलेगा छुटकारा, बढ़ेगी शरीर की लचक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नियमित रूप से योग करने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मन शांत और एकाग्र भी बनता है। इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में से एक है भुजंगासन। यह न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, बल्कि पूरे शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी करता है।



भुजंग का अर्थ है सांप और आसन का अर्थ मुद्रा। इस आसन में शरीर की आकृति फन फैलाए हुए सांप के समान होती है, इसलिए इसे भुजंगासन या कोबरा पोज कहते हैं। यह आसन दिखने में जितना सरल लगता है, इसके फायदे भी उतने ही चमत्कारी होते हैं।

'भुजंगासन' को 'कोबरा पोज' या फिर 'सर्पासन' के नाम से भी जाना जाता है। इसे सूर्य नमस्कार के 12 आसनों में से आठवां स्थान प्राप्त है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को मजबूत और स्वस्थ बनाने में काफी मददगार है। इस आसन के अभ्यास से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर में लचीलापन बढ़ता है। साथ ही यह आसन तनाव घटाने, पेट की जिद्दी चर्बी पिघलाने और कब्ज जैसी पाचन परेशानियों को जड़ से खत्म करने में मददगार हो सकता है। पीठ दर्द, साइटिका और श्वसन तंत्र की दिक्कतों से छुटकारा दिलाने वाला यह योग हर उम्र के लिए वरदान है।

यह आसन तनाव को कम करने, चर्बी घटाने और कब्ज दूर करने में सहायक है। साथ ही यह पीठ दर्द व श्वसन नली से संबंधित समस्याओं को दूर करता है। इसको करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।





बड़े घर की बड़ी बात: परिवार में सदस्य 70 से ज्यादा, फिर भी कुनबा एकजुट

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। हम दो, हमारे दो के चलन, आधुनिकता और उन्मुक्त जीवन की चाह ने पारिवारिक एकजुटता लगभग खत्म कर डाली है। शादी होने के चंद माह बाद ही नव दंपत्ति परिवार से नाता तोड़कर अलग रहने की चाह पालने लग जाते हैं। ऐसे में बस्तर से बेहद सुकून भरी खबर आई है। यहां चार भाइयों के परिवार आज भी एकजुट हैं। जब किसी त्यौहार या पारिवारिक कार्यक्रम में परिवार के सदस्य जमा होते हैं तो लगता है कोई नया गांव आबाद हो गया है। चलिए आपको भी दिखाते और सुनाते हैं इस बड़े घर की बड़ी बात।

बस्तर जिले में एक गांव है खैरगुड़ा, यहां का एक परिवार बड़े घर के नाम से जाना जाता है।बड़े घर इसलिए क्योंकि यह परिवार प्रभावशाली और संपन्न है, गांव में इस परिवार की लोकप्रियता है। चार भाइयों से शुरू हुआ बड़े घर परिवार का सफर आज कई पीढ़ियों तक पहुंच चुका है। परिवार के सदस्य नौकरी या अन्य कारणों से भले ही अलग-अलग स्थानों पर रहते हों, लेकिन पर्व परंपराओं ने उन्हें अपनी परंपरा और रिश्तों से जोड़े रखा है। नवाखानी पर्व बस्तर की बड़ी परंपरा है। इस दिन परिवार के सारे सदस्य एकजुट होकर कुल देवता और नई फसल की पूजा अर्चना करते हैं, भोज में शामिल होते हैं। खैरगुड़ा में नवाखानी के अवसर पर बड़े घर परिवार में पारिवारिक मिलन के साथ ऐसी परंपरा भी निभाई जाती है, जिसमें आसपास के पारावासी बुजुर्गों से जुहार भेंट कर आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।नवाखानी के दूसरे दिन को स्थानीय परंपरा में बासी तिहार के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पारावासी महिला पुरूष अपने घर से गुड़ और चिवड़ा लेकर बड़े घर परिवार में पहुंचते हैं। बुजुर्गों से जुहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया जाता है और नवाखानी पर्व की बधाई दी जाती है। बड़े घर परिवार की ओर से आने वाले लोगों का आत्मीयता से स्वागत किया जाता है और उन्हें प्रसाद स्वरूप खीर-पुड़ी का भोजन कराया जाता है। बड़े घर परिवार के वरिष्ठ सदस्य जदूराम एवं डमरू सिंह ठाकुर बताते हैं कि यह परंपरा केवल खानपान तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बुजुर्गों का सम्मान, आपसी मेलजोल और सामाजिक रिश्तों को मजबूत बनाए रखने की भावना जुड़ी हुई है। पारा के लोग अपनेपन के साथ बड़े घर पहुंचते हैं और परिवार की ओर से भी उन्हें सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है। ठाकुर बंधुओं ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य भले ही अलग अलग जगहों पर रह रहे हों, लेकिन सभी में आपसी सामंजस्य, अपनेपन की रत्तीभर भी कमी नहीं है। परिवार में 70 से ज्यादा सदस्य हैं और इनमे करीब 19 महिलाएं शामिल हैं।नवाखानी के पहले दिन परिवार के सदस्य नई फसल के अन्न का पूजन कर उसे ग्रहण करते हैं। वहीं दूसरे दिन बासी तिहार पर रिश्तेदारों और पारा के लोगों का आना-जाना शुरू हो जाता है। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने के साथ नई पीढ़ी भी इस परंपरा से जुड़ती है। इस दौरान घर-आंगन में आत्मीयता और उत्सव का माहौल बना रहता है।

रिश्तों में मिठास का संदेश

बड़े घर परिवार में इस वर्ष नवाखानी पर्व के अवसर पर सुकटी बाई, जदु राम, शिवनाथ, चेतन सिंह, तुलाराम, तयसिंह, डमरू सिंह, अंतूराम, समलुराम, चंद्रों, रघु, विश्वनाथ, नरेंद्र, केशव, लखेश्वर, छबीलाल, मनोज, पेनसिंह, थबीर, डोमेश, खेमेश्वर, राजकुमार और तापेश सहित परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। बड़े घर परिवार की यह परंपरा नई पीढ़ी को यह संदेश देती है कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि बुजुर्गों का सम्मान, रिश्तों की मिठास और सामाजिक भाईचारे को बनाए रखने का माध्यम भी हैं।

5 हजार दीपों से जगमगाया भारत का मानचित्र

अंतागढ़ में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक मुख्यालय स्थित उन्मुक्त खेल मैदान में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हजारों दीपों से सजाया गया भारत का विशाल मानचित्र आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

आयोजकों द्वारा उन्मुक्त खेल मैदान में भारत का विशाल मानचित्र तैयार किया गया, जिसके चारों ओर एवं मानचित्र के भीतर एक साथ करीब 5 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। जैसे ही दीपों को रोशन किया गया, पूरा मैदान रोशनी से जगमगा उठा और दीपों से सजा भारत का मानचित्र देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रतीक बन गया। इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। उपस्थित लोगों ने वीडियो के माध्यम से उनकी सार्वजनिक जीवन एवं सेवा यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को देखा। इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान के कैलेंडर का विमोचन भी किया गया।कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों का गुलाब के फूल भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। हजारों दीपों के बीच देशभक्ति के नारों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। उन्मुक्त खेल मैदान में तैयार किए गए दीपों से जगमगाते भारत के मानचित्र के साथ लोगों ने जमकर सेल्फी भी ली। बच्चों, युवाओं और कार्यक्रम में शामिल अन्य लोगों में इस दृश्य को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। दीपों से सजा भारत का मानचित्र कार्यक्रम में पहुंचे लोगों के लिए यादगार आकर्षण बना रहा।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और उपस्थित लोगों ने सेवा, राष्ट्रभक्ति एवं देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

बस्तर की माटी से जुड़े विधायक लखेश्वर बघेल गृहग्राम गिरोला में मनाया नवाखाई तिहार

विश्व केसरी■



बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर के माटी पुत्र, बस्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने अपने गृहग्राम गिरोला (बकावंड) में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक नवाखानी तिहार मनाया।इस अवसर पर विधायक अपने पूरे परिवार के साथ पारंपरिक बस्तरिया वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए।

खेतों में धान की नई फसल आने की खुशी में मनाए जाने वाले इस पर्व में सबसे पहले नई फसल का भोग गांव की देवी-देवताओं, माता हिंगलाजिन और अपने पुरखों को लगाया गया।गांव के बैगा, सिरहा, पुजारी और मांझी, मुखियाओं की मौजूदगी में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। और पारंपरिक बस्तरिया गीतों पर ग्रामीणों के साथ विधायक परिवार भी थिरक उठा। महिलाओं ने पारंपरिक लोकनृत्य से स्वागत किया। विधायक बघेल ने कहा- गिरोला मेरी जन्मभूमि है, मेरी पहचान है। चाहे मैं रायपुर विधानसभा में रहूं या जगदलपुर में, नयाखानी के दिन मैं अपने गांव, अपने परिवार और अपने लोगों के बीच ही रहता हूं। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि अन्न का सम्मान करना चाहिए। यह किसान के मेहनत का पर्व है। ग्रामीणों ने बताया कि लखेश्वर बघेल हर साल इसी तरह सादगी और परंपरा के साथ यह त्योहार मनाते हैं।

बाबा राजकुंवार देव धामसिमुंडा में हर्षोल्लास से मनाया गया बाल तिहार एवं देव नवाखाई पर्व

विश्व केसरी■



घूमसीमुंडा/अंतागढ़ (डम्पी खान)। बाबा राजकुंवार देव (घूमसीमुंडा) के पावन स्थल पर दिनांक 17 सितंबर 2026, गुरुवार को समस्त शोरी कुंदा परिवार के भाइयों द्वारा बाल तिहार एवं देव नवाखाई पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

इस पावन अवसर पर शोरी कुंदा परिवार के सदस्यों ने एकजुट होकर बाबा राजकुंवार देव की पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। देव नवाखाई पर्व के माध्यम से नई फसल एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए पारंपरिक परंपराओं का विधिवत निर्वहन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान परिवार के सभी सदस्य पारंपरिक उत्साह और उमंग के साथ शामिल हुए। बाल तिहार के अवसर पर बच्चों और परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस आयोजन ने आपसी भाईचारे, पारिवारिक एकता और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। शोरी कुंदा परिवार के सभी भाइयों ने मिलकर इस पर्व को यादगार बनाया और आने वाली पीढ़ियों को अपनी रीति-रिवाज, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, उल्लास और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। यह पर्व न केवल् आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि समाज और परिवार को एक सूत्र में बांधने वाली सांस्कृतिक परंपरा के रूप में भी सभी के लिए विशेष रहा।

खेत में मवेशियों के घुसने को लेकर भाइयों में विवाद, छोटे भाई की हत्या

विश्व केसरी■



बीजापुर (नवीन दुर्गम)। आवापल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चाटलापल्ली में आपसी विवाद के दौरान एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के बड़े भाई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

पुलिस के अनुसार, 18 सितम्बर 2026 को ग्राम चाटलापल्ली में हत्या की घटना की सूचना थाना आवापल्ली पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक की पहचान विज्जा मड़ावी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक के मवेशियों के आरोपी के खेत में घुसने और फसल को नुकसान पहुंचाने को लेकर दोनों भाइयों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन इसी बात को लेकर दोनों के बीच दोबारा विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी सन्नू मड़ावी (50), पिता स्व. हिड़मा मड़ावी, निवासी ग्राम चाटलापल्ली ने कथित तौर पर लकड़ी के खूंटे से विज्जा मड़ावी पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और मामले की विवेचना शुरू की।

अंतागढ़ चौक से रेलवे स्टेशन तक जल्द बनेगी 2 किलोमीटर लंबी सड़क

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के अंतागढ़ चौक से रेलवे स्टेशन तक जाने वाली लगभग 2 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण की राह अब आसान होती नजर आ रही है। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क निर्माण की मांग को संज्ञान में लेते हुए विधायक विक्रम उसेंडी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण का स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विधायक की पहल के बाद विभाग ने सड़क एवं पुल निर्माण के लिए 763.36 लाख रुपये की लागत का स्टीमेट तैयार कर लिया है। प्रस्ताव के स्वीकृत होने के बाद सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किए जाने की उम्मीद है।



सड़क की बदहाल स्थिति से राहगीर परेशान

वर्तमान में अंतागढ़ चौक से रेलवे स्टेशन तक जाने वाली सड़क की स्थिति बेहद खराब है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं, जिसके चलते राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों, स्थानीय नागरिकों और आसपास के ग्रामीणों को इस मार्ग से गुजरने में काफी दिक्कतें होती हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए यह प्रमुख मार्ग है, लेकिन लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क निर्माण को लेकर जनता द्वारा लगातार मांग की जा रही थी।

763.36 लाख की लागत से सड़क एवं पुल निर्माण का प्रस्ताव

विभाग द्वारा विधायक को दी गई जानकारी के अनुसार, अंतागढ़ चौक से रेलवे स्टेशन तक सड़क एवं पुल निर्माण के लिए कुल 763.36 लाख रुपये की लागत का स्टीमेट तैयार किया गया है। प्रस्ताव के तहत सड़क को व्यवस्थित और मजबूत बनाने की योजना है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके।

विभाग ने सड़क की चौड़ाई और निर्माण की रूपरेखा के संबंध में भी जानकारी दी है। प्रस्तावित सड़क की मुख्य चौड़ाई साढ़े पांच मीटर होगी। इसके अलावा सड़क के दोनों किनारों पर ढाई-ढाई मीटर चौड़ी सीसी सड़क बनाने की योजना है। इस प्रकार सड़क की कुल चौड़ाई लगभग साढ़े दस मीटर हो जाएगी।

दीक्षारंभ समारोह 2026-27 एवं ओपन जिम का लोकार्पण

विश्व केसरी■



कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ समारोह, ओपन जिम का लोकाप्रण एवं स्व. महाराजधिराज भानुप्रतापदेव जी का अवतरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मान.भोजराज नाग जी , सांसद लोकसभा क्षेत्र कांकेर, विशिष्ट अतिथि , मान.आशाराम नेताम जी विधायनसभा क्षेत्र कांकेर , पूर्व सांसद कांकेर, मान. मोहन मंडावी जी, पूर्व विधायक सुमिता मारकोले जी, नगर पालिका अध्यक्ष मान. अरूण कौशिक जी, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मान.महेश जैन जी, अध्यक्ष जनभागदारी, भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर मान. देवेन्द्र भाऊ जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार रामटेके के द्वारा की गयी।

कार्यक्रम की शुरूवात विद्या की देवी मॉ सरस्वती के छायाचित्र की पूजा अर्चना कर किया गया तत्पश्चात, राष्ट्रीय गीत ''वन्दे मातरम'' एवं राजकीय गीत का गायन कर नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को तिलक लगा कर स्वागत किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने अध्यक्षीय एवं स्वागत उद्बोधन में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को एन.ए.पी. 2020 से अवगत कराया। नई शिक्षा नीति 2020 के सेमेस्टर प्रणाली, च्वाईस बेस्ड क्रेन्डीट सिस्टम के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि प्रथम वर्ष में सर्टीफिकेट द्वितीय वर्ष में डिप्लोमा, तृतीय वर्ष में डिग्री एवं चतुर्थ वर्ष में आनर्स की डिग्री निर्धारित क्रेडिट को पूर्ण कर प्राप्त कर सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने का उद्देश्य देश के विकास के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाना है।

पक्के घर में लौटी खुशियां, बेटे की पढ़ाई बना जीवन का लक्ष्य

15 साल जंगल में गुजारे, अब परिवार के साथ सामान्य जिंदगी जी रहा मीटू हेमला

विश्व केसरी■



बीजापुर (नवीन दुर्गम)। ग्राम पंचायत पिटेपाल के चेर्ली गांव निवासी मीटू हेमला की जिंदगी कभी जंगल, बंदूक और संघर्ष के बीच गुजरती थी। करीब 15 वर्षों तक अबूझमाड़ के घने जंगलों में नक्सली गतिविधियों से जुड़ा रहने वाला मीटू आज अपने परिवार के साथ पक्के मकान में सामान्य और सुकून भरी जिंदगी जी रहा है। अब उसके जीवन का सबसे बड़ा सपना अपने बेटे विवेक को पढ़ा-लिखाकर बेहतर भविष्य देना है।

मीटू के जीवन का एक लंबा समय जंगलों में बीता। नक्सली संगठन में वह डिप्टी कमांडर के रूप में काम करता था। कंधे पर एके-47 और जंगलों की कठिन राहें उसकी दिनचर्या का हिस्सा थीं। इसी दौरान संगठन में उसकी मुलाकात मुन्नी हेमला से हुई। दोनों के बीच प्रेम हुआ और वर्ष 2013 में विवाह कर लिया। वर्ष 2017 में उनके घर बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम विवेक रखा गया। बेटे के जन्म के बाद परिवार के भविष्य की चिंता भी बढ़ने लगी। एक ओर संगठन का जीवन था, तो दूसरी ओर छोटे बच्चे की जिम्मेदारी। इसी बीच वर्ष 2018 में मीटू की पत्नी मुन्नी ने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन की राह चुनी। हालांकि मीटू का जंगल का जीवन कुछ और वर्षों तक जारी रहा।

लगभग 15 वर्षों तक जंगल में रहने के बाद वर्ष 2022 में मीटू ने भी आत्मसमर्पण कर हथियार छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने का फैसला किया। यह उसके जीवन का अहम मोड़ था। आत्मसमर्पण के बाद उसने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन शुरू किया। नई जिंदगी को मजबूत आधार मिला प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से। योजना के तहत मीटू को पक्के मकान का लाभ मिला। धीरे-धीरे ईंट और दीवारों से तैयार हुआ यह मकान उसके लिए महज घर नहीं, बल्कि सामान्य जीवन में वापसी की मजबूत नींव बन गया।

आज मीटू का बेटा विवेक कक्षा 4 में पढ़ रहा है। जब विवेक किताब लेकर पढ़ने बैठता है तो पिता की नजर उसके भविष्य पर टिक जाती है। मीटू चाहता है कि उसका बेटा खूब पढ़े-लिखे और अपने पैरों पर खड़ा हो।

कभी जिस जीवन में जंगल और बंदूक उसकी पहचान थे, आज उसी जिंदगी में परिवार, घर और बेटे की पढ़ाई सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने व धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



कांकेर (सीताराम शर्मा)। पीड़िता के परिजन द्वारा थाना पखांजूर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 06.10.2025 को रात्रि करीब 10:30 बजे, जब परिजन घर से बाहर थे, उस दौरान आरोपी राजेश सरकार, निवासी पीव्ही-75 भवानीपुर, द्वारा नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। आरोपी द्वारा घटना की जानकारी किसी को देने पर धमकी भी दी गई।

रिपोर्ट पर थाना पखांजूर में अपराध क्रमांक 159/2026, धारा 137(2), 64, 64(2)(m), 351(2) BNS एवं धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर राकेश कुर्रे के मार्गदर्शन एवं SDOP पखांजूर कुलदीप बंजारे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी पखांजूर निरीक्षक तेज कुमार वर्मा के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी शुरू की गई।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी राजेश सरकार, पिता सुबल सरकार, उम्र 27 वर्ष, निवासी पीव्ही-75 भवानीपुर, थाना बांदे को उसके निवास से पकड़कर थाना पखांजूर लाया। पूछताछ एवं विवेचना में प्राप्त तथ्यों के आधार पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251